वर्ष-07 - अंक 301
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
शुक्रवार ,07 अगस्त 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बिजली व्यवस्था में लापरवाही पर सख्त हुए ऊर्जा मंत्री ए.के. 3
मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से गरीबों को मिल रहा 4
पीलीभीत के कटरा बाजार में अभियान चलाकर 05 बालकों 11

कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों को बड़ी राहत, अब एक लाइसेंस से पूरे देश में होगा परिचालन

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय रेल ने कंटेनर ट्रेनों के परिचालन को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। रेल मंत्रालय ने मॉडल कन्सेशन एग्रीमेंट (एमसीए) में महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी देते हुए कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों (सीटीओ) के लिए नई लाइसेंस व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब अलग-अलग रेल मार्गों के लिए अलग लाइसेंस लेने की आवश्यकता नहीं होगी। ऑपरेटर 25 करोड़ रुपये के एकसमान पंजीकरण शुल्क के साथ सिंगल ऑल इंडिया लाइसेंस प्राप्त कर भारतीय रेल नेटवर्क के सभी मार्गों पर कंटेनर ट्रेनों का संचालन कर सकेंगे। रेल मंत्रालय के अनुसार इन संशोधनों को जल्द ही राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से लागू किया जाएगा। नई व्यवस्था का उद्देश्य लाइसेंस प्रक्रिया को सरल बनाना, नियामकीय बाधाओं को कम करना और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना है। अब तक कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों को विभिन्न श्रेणियों के रेल मार्गों पर परिचालन के लिए अलग-अलग अनुमति और शुल्क जमा करना पड़ता था। नई व्यवस्था में इस प्रणाली को समाप्त कर दिया गया है। अब सभी आवेदकों को भारतीय रेल नेटवर्क पर संचालन के लिए केवल 25 करोड़ रुपये का अप्रतिदेय एकसमान पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा। इसके बाद उन्हें पूरे देश में किसी भी रेल मार्ग पर कंटेनर ट्रेनों के परिचालन की अनुमति मिल जाएगी। नई नीति के तहत कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों के लिए एक और बड़ी राहत दी गई है। लाइसेंस की अवधि पूरी होने के बाद उसे 20 वर्ष के लिए आगे बढ़ाया जा सकेगा। यदि ऑपरेटर का प्रदर्शन संतोषजनक पाया जाता है और सक्षम प्राधिकारी अनुमति देता है, तो यह विस्तार बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के मिलेगा। भविष्य में होने वाले अन्य विस्तारों पर भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। रेल मंत्रालय ने पहले से कार्यरत ऑपरेटरों के लिए भी संक्रमण की स्पष्ट व्यवस्था की है। कैटेगरी-फर्स्ट के लाइसेंसधारी अपनी वर्तमान रियायत अवधि पूरी होने तक मौजूदा व्यवस्था के तहत परिचालन जारी रख सकेंगे। इसके बाद नई लाइसेंस व्यवस्था में प्रवेश करते समय या लाइसेंस के विस्तार पर उनसे कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं कैटेगरी-सेकेंड, थर्ड और फोर्थ के ऑपरेटर अपनी मौजूदा अवधि पूरी होने तक वर्तमान नियमों के तहत काम करते रहेंगे। नई व्यवस्था में शामिल होने या लाइसेंस नवीनीकरण के समय उन्हें 15 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा।

कैबिनेट ने गुवाहाटी-तेजपुर चार लेन कॉरिडोर को दी मंजूरी

असम की कनेक्टिविटी को मिलेगा नया आयाम

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्वोत्तर भारत में सड़क संपर्क को नई मजबूती देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर 135.871 किलोमीटर लंबे गुवाहाटी-तेजपुर चार लेन पहुंच-नियंत्रित कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दे दी। लगभग 8,970.20 करोड़ रुपये की लागत वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना निर्माण-संचालन-हस्तांतरण (टोल) मॉडल के तहत विकसित की जाएगी। सरकार का मानना है कि इसके पूरा होने से असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सड़क संपर्क मजबूत होगा, यात्रा का समय घटेगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस निर्णय की जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा करते हुए कहा कि यह परियोजना असम में कनेक्टिविटी और विकास को बड़ा बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि चार लेन का यह पहुंच-नियंत्रित कॉरिडोर यात्रा को अधिक सुरक्षित, तेज और सुगम बनाएगा। साथ ही विभिन्न स्थानों पर बनने वाले बाईपास से शहरों के भीतर ट्रैफिक जाम में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। सरकार के अनुसार इस परियोजना के पूरा होने के बाद गुवाहाटी और तेजपुर के बीच औसत यात्रा गति लगभग दोगुनी हो जाएगी, जिससे यात्रा का समय लगभग आधा रह जाएगा। बेहतर सड़क ढांचे के कारण ईंधन की खपत कम होगी, वाहनों के परिचालन खर्च में कमी आएगी और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना भी घटेगी। इससे माल परिवहन और यात्री यातायात दोनों अधिक तेज और सुरक्षित होंगे। इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक तेजपुर बाईपास पर 4.9 किलोमीटर लंबी आपातकालीन लैंडिंग सुविधा का निर्माण है। इसे भारतीय वायु सेना के समन्वय से विकसित किया जाएगा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर लड़ाकू और अन्य सैन्य विमान यहां सुरक्षित रूप से उतर सकें। यह सुविधा सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है, विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र की सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए। परियोजना के तहत कुल 58.7 किलोमीटर लंबे पांच प्रमुख बाईपास बनाए जाएंगे। ये बाईपास बैहाटा चारियाली, सिपाझार, खारूपेटिया, ढेकियाजुली और तेजपुर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले यातायात को शहरों के बाहर से निकालेंगे। इससे स्थानीय लोगों को जाम से राहत मिलेगी और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात अधिक सुचारु रहेगा। इसके अलावा ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी किनारे स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-27 (पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर) पर भी यातायात का दबाव कम होगा। गुवाहाटी-तेजपुर कॉरिडोर को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत 15 बड़े पुल, 30 छोटे पुल, 19 फ्लाईओवर, 46 अंडरपास और लगभग 210 किलोमीटर लंबी सर्विस रोड का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा तेजपुर बाईपास पर वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए एक हाथी अंडरपास भी बनाया जाएगा, जिससे हाथियों और अन्य वन्यजीवों की आवाजाही सुरक्षित रह सके।

आंदोलन लोकतंत्र का हिस्सा राष्ट्रविरोध नहीं: मोहन भागवत

मुंबई(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करना लोकतंत्र का वैध अधिकार है और इसे राष्ट्रविरोधी नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा देश के भविष्य हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी बात रखने के लिए आंदोलन, संवाद और सहमति का रास्ता पूरी तरह स्वीकार्य है। गुरुवार को मुंबई स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस सम्मेलन में जेन-जी और जेन-अल्फा के छात्रों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि किसी भी मतभेद का समाधान संवाद और आपसी सम्मान से ही संभव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी समस्याओं का समाधान भारतीय संविधान के दायरे में रहकर ही खोजा जाना चाहिए। उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए संवैधानिक मार्ग को लोकतंत्र की मजबूती का आधार बताया। भागवत ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी पहले की तुलना में अधिक जागरूक और तार्किक है। उन्होंने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा के युवा किसी भी बात को बिना समझे स्वीकार नहीं करते, बल्कि हर विषय पर तथ्य और तर्क आधारित उत्तर चाहते हैं। उनके अनुसार यह बदलाव सकारात्मक है और आज के युवा देश के प्रति अधिक ईमानदार, जिम्मेदार तथा सेवा भाव से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि पहले परिवार और समाज के बड़े-बुजुर्गों की बातों को बिना सवाल किए स्वीकार कर लिया जाता था, लेकिन अब समय बदल गया है। भारतीय परंपरा में शास्त्रार्थ की संस्कृति रही है, जहां दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद निष्कर्ष निकाला जाता है। समाज में भी इसी प्रकार के स्वस्थ संवाद की आवश्यकता है। शिक्षा व्यवस्था पर अपने विचार रखते हुए भागवत ने कहा कि शिक्षा को केवल व्यवसाय या कमाई का साधन नहीं बनाया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा समाज के हर वर्ग तक पहुंचनी चाहिए और इसके लिए केवल सरकार ही नहीं, बल्कि समाज, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिकों की भी समान जिम्मेदारी है। रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने युवाओं से स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नौकरी ही रोजगार का एकमात्र विकल्प नहीं है। नए उद्योग और रोजगार के अवसर पैदा करना भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। भागवत का यह बयान ऐसे समय आया है, जब देश में शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और युवाओं के आंदोलनों को लेकर व्यापक चर्चा चल रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

पीएम मोदी और नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच गुरुवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात, क्षेत्रीय घटनाक्रम और भारत-इस्राइल के विशेष रणनीतिक संबंधों पर विस्तार से चर्चा की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने तथा भविष्य में नियमित संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और इस्राइल के बीच वर्षों से विकसित विशेष रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की। उन्होंने रक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार, कृषि, जल प्रबंधन, व्यापार तथा अन्य प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई। पीएमओ ने बताया कि दोनों देशों के नेताओं ने साझा हितों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही यह भी सहमति बनी कि दोनों देश आपसी विश्वास और रणनीतिक साझेदारी के आधार पर द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करेंगे।

बैंक ऋण घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। बैंक ऋण में कथित धोखाधड़ी और धन शोधन के एक बड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 150 करोड़ रुपये से अधिक बाजार मूल्य की अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त की हैं। ईडी की बेंगलुरु जोनल इकाई ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत यह कार्रवाई दीपक केबल (इंडिया) लिमिटेड (डीसीआईएल), उसके प्रबंध निदेशक के. वेंकटेश्वर राव, निदेशक सत्यवती बॉल और उनसे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ की है। ईडी के अनुसार जब्त की गई संपत्तियों का अधिग्रहण मूल्य लगभग 51.28 करोड़ रुपये है, जबकि इनका वर्तमान बाजार मूल्य करीब 150 करोड़ रुपये या उससे अधिक आंका गया है। एजेंसी का आरोप है कि कंपनी और उसके प्रमोटरों ने बैंकों से प्राप्त ऋण राशि का दुरुपयोग करते हुए उसे अन्य कंपनियों के माध्यम से दूसरी जगह लगाया और हड़प लिया। ईडी ने यह जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की बैंकिंग प्रतिभूति एवं धोखाधड़ी शाखा (बीएस एंड एफबी), बेंगलुरु द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। मामले में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल के आरोप लगाए गए हैं।

झांसी सड़क हादसे मेंआबान की मौत

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, दोस्त की भी गई जान, तीन घायल, पुलिस कर रही हादसे की जांच

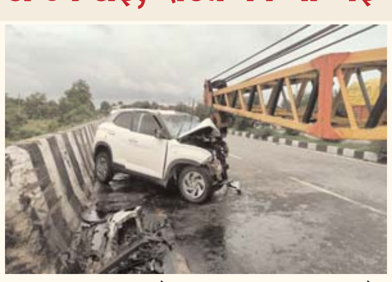

झांसी(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में गुरुवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे आबान अहमद और उसके दोस्त मोहम्मद शाकिर उर्फ सोनू की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने से हुए इस हादसे में वाहन सवार तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि सुबह करीब 10:30 बजे दुर्घटना की सूचना मिली थी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार की गति काफी तेज थी, जिसके कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस के अनुसार, मृतक आबान अहमद प्रयागराज का रहने वाला था और वह झांसी जेल में बंद अपने भाई से मिलने जा रहा था। हादसे में उसके साथ मौजूद दोस्त मोहम्मद शाकिर (सोनू) की भी मौके पर मौत हो गई। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि दुर्घटना कानपुर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर पूंछ थाना क्षेत्र में हुई। हादसे में घायल एक युवक ने पुलिस को बताया कि कार अत्यधिक तेज गति से चल रही थी। घायल मोहम्मद उमर, जो आबान का मित्र है और कार में सवार था, ने भी बताया कि तेज रफ्तार के कारण चालक संतुलन खो बैठा, जिससे यह हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर कार की बारीकी से जांच की। तलाशी के दौरान वाहन से चार मोबाइल फोन, दो अंग्रेजी किताबें, 'स्टेशनरी शॉप ऑफ तेहरान' नामक पुस्तक, एक जोड़ी जूते, चार जोड़ी चप्पल, सिग्नेचर गुटखा, क्लासिक सिगरेट की डिब्बी तथा अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस ने सभी सामान को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद आसपास मौजूद ग्रामीण दीपक यादव, रमाकांत गौतम और ग्राम प्रधान ब्रजेश यादव ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों और मृतकों को कार से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

ग्वालियर एयरफोर्स स्टेशन के गेट पर संदिग्ध वस्तु फेंकने से हड़कंप, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित एयरफोर्स स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक युवक द्वारा कथित तौर पर पेट्रोल बम जैसी संदिग्ध वस्तु फेंके जाने की घटना से गुरुवार को सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। संवेदनशील सैन्य क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद एयरफोर्स, स्थानीय पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। मौके पर तैनात वायुसेना के सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी युवक को घटनास्थल पर ही पकड़ लिया और उसे महाराजपुरा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद पूरे एयरफोर्स स्टेशन के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर वहां से साक्ष्य जुटाए। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवक ने जो वस्तु फेंकी, वह वास्तव में पेट्रोल बम थी या कोई अन्य ज्वलनशील अथवा संदिग्ध सामग्री। महाराजपुरा थाना पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), डिफेंस इंटेलिजेंस और अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं और आरोपी से गहन पूछताछ की। पूछताछ के दौरान युवक बार-बार अपने बयान बदलता रहा, जिससे उसके व्यवहार को लेकर संदेह और गहरा गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं लगी। इसके बाद उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया और उसे मानसिक आरोग्यशाला भेज दिया गया।

भारत ने 'अग्नि-4' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत ने अपनी स्वदेशी विकसित मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-4' का गुरुवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण स्ट्रेटेजिक फोर्स कमांड (एसएफसी) की निगरानी में संपन्न हुआ। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, परीक्षण के दौरान मिसाइल ने सभी निर्धारित परिचालन और तकनीकी मानकों को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए अपनी विश्वसनीयता और युद्धक क्षमता का एक बार फिर प्रदर्शन किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि परीक्षण पूरी तरह सफल रहा और मिसाइल ने पूर्व निर्धारित उड़ान मार्ग का पालन करते हुए सभी मिशन उद्देश्यों को हासिल किया। इस सफल परीक्षण से अग्नि-4 की परिचालन विश्वसनीयता की पुष्टि होने के साथ ही भारत की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता को भी नई मजबूती मिली है। अग्नि-4 भारत की स्वदेशी विकसित मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे देश की रणनीतिक सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यह मिसाइल भारत की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है और लंबी दूरी तक सटीक निशाना साधने में सक्षम है।

उत्तराखंड में एनसीसी के विस्तार को मिलेगा बढ़ावा

सीएम धामी ने दिया हरसंभव सहयोग का भरोसा

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के विस्तार और युवाओं को अधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरुवार को एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने शिष्टाचार भेंट की। बैठक में राज्य के सीमांत और दुर्गम क्षेत्रों तक एनसीसी की पहुंच बढ़ाने, नई इकाइयों के गठन, आधुनिक प्रशिक्षण अवसंरचना विकसित करने तथा प्रस्तावित एनसीसी अकादमी की स्थापना सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड में एनसीसी के विस्तार के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति को मजबूत करने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए सरकार चाहती है कि राज्य के अधिक से अधिक युवाओं को इस संगठन से जुड़ने का अवसर मिले। बैठक के दौरान एनसीसी महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने सीमावर्ती और दूरस्थ क्षेत्रों में नई एनसीसी इकाइयों के गठन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे सीमावर्ती राज्य में युवाओं को एनसीसी से जोड़ना राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक विकास दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। इसके लिए आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार और मजबूत आधारभूत ढांचे का निर्माण आवश्यक है। महानिदेशक ने मुख्यमंत्री को राज्य में आधुनिक प्रशिक्षण अवसंरचना विकसित करने, मौजूदा प्रशिक्षण सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने तथा प्रस्तावित एनसीसी अकादमी की स्थापना से जुड़ी भावी योजनाओं की जानकारी भी दी।

झारखंड में छात्र आंदोलन के बीच 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गठित

रांची(एजेंसी)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी), झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर जारी छात्र आंदोलन अब निर्णायक चरण में पहुंचता नजर आ रहा है। राज्य सरकार की ओर से वार्ता का प्रस्ताव मिलने के बाद आंदोलनकारी छात्रों ने गुरुवार को सरकार से बातचीत के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की घोषणा कर दी। प्रतिनिधिमंडल में आठ छात्र प्रतिनिधियों, दो पत्रकारों और एक अधिवक्ता को शामिल किया गया है। हालांकि आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया है कि सरकार के साथ होने वाली वार्ता में केवल छात्र प्रतिनिधि ही अपनी मांगों और मुद्दों को रखेंगे। पत्रकार और अधिवक्ता केवल मार्गदर्शक एवं अभिभावक की भूमिका में मौजूद रहेंगे तथा किसी भी विषय पर अपनी ओर से कोई पक्ष या बयान प्रस्तुत नहीं करेंगे। घोषित प्रतिनिधिमंडल में छात्र प्रतिनिधियों के रूप में रविन्द्र पासवान, पीयूष कुमार सिंह, रविन्द्र कुमार रवि, राजेश प्रसाद, नीतू कुजूर, कार्तिक सोरेन, संदीप कुमार और शालू सिंह को शामिल किया गया है। इनके अलावा वरिष्ठ पत्रकार शंभूनाथ चौधरी और विकास वर्मा तथा अधिवक्ता अजीत कुमार भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। आंदोलनकारियों का कहना है कि पत्रकारों और अधिवक्ता की उपस्थिति केवल प्रक्रिया की पारदर्शिता और छात्रों को आवश्यक मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से होगी। वार्ता के दौरान सभी मांगें, तथ्य और तर्क केवल छात्र प्रतिनिधियों द्वारा ही सरकार के समक्ष रखे जाएंगे। छात्रों ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रतिनिधिमंडल में शामिल पत्रकार वार्ता स्थल के भीतर किसी भी प्रकार का माइक, कैमरा, रिकॉर्डिंग डिवाइस या अन्य प्रसारण उपकरण लेकर प्रवेश नहीं करेंगे। आंदोलनकारियों के अनुसार, यह निर्णय वार्ता को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और बिना किसी व्यवधान के संपन्न कराने के उद्देश्य से लिया गया है। गौरतलब है कि जेपीएससी, जेएसएससी और अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों, पेपर लीक और चयन प्रक्रिया में अनियमितताओं के विरोध में छात्र पिछले 13 दिनों से रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलनकारी भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और युवाओं के हितों की रक्षा की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि लगातार उठाई जा रही मांगों के बावजूद अब तक उन्हें संतोषजनक समाधान नहीं मिला है। इसी कारण आंदोलन को जारी रखा गया है। सरकार द्वारा वार्ता का प्रस्ताव दिए जाने के बाद पहली बार आंदोलनकारियों ने आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का गठन किया है, जिससे बातचीत का रास्ता खुला है।

फोन-पे पर अब खुलेगी फिक्स्ड डिपॉजिट

100 रुपये प्रतिदिन से शुरू होगी डेली आरडी

नई दिल्ली(एजेंसी)। डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा मंच फोनपे ने अपने प्लेटफॉर्म पर फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) डिस्ट्रीब्यूशन सेवा शुरू करने की घोषणा की है। नई सुविधा के तहत अब ग्राहक फोनपे ऐप के माध्यम से विभिन्न बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की एफडी योजनाओं की तुलना कर सीधे निवेश कर सकेंगे। इसके साथ ही कंपनी ने शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक के सहयोग से डेली रिकरिंग डिपॉजिट (डेली आरडी) नामक नया डिजिटल माइक्रो-सेविंग्स उत्पाद भी लॉन्च किया है, जिसमें मात्र 100 रुपये प्रतिदिन से बचत शुरू की जा सकती है। कंपनी के अनुसार, एफडी खोलने की पूरी प्रक्रिया अब पूरी तरह डिजिटल होगी। ग्राहक घर बैठे फोनपे ऐप पर उपलब्ध विभिन्न बैंकों और एनबीएफसी की ब्याज दरों, अवधि और अन्य सुविधाओं की तुलना कर अपनी जरूरत के अनुसार एफडी में निवेश कर सकेंगे। इससे अलग-अलग संस्थानों में निवेश करना पहले की तुलना में अधिक आसान और सुविधाजनक होगा। फोनपे ने बताया कि उसके साझेदार बैंकों में बुक की गई एफडी पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों के अनुसार डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत 5 लाख रुपये तक का बीमा कवर भी उपलब्ध होगा। इससे निवेशकों की जमा राशि को अतिरिक्त सुरक्षा मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

विद्युत उपकरणों से रहे सावधान, खंभों में न बांधे मवेशी

अम्बेडकर नगर। विद्युत विभाग ने जिले वासियों के लिए जनहित में सूचना जारी करके अनुरोध किया है कि वर्षा ऋतु एवं कांवड़ पर्व में विभाग द्वारा जारी की गई सूचनाओं एवं दिशा निर्देशों का पालन करें तथा सुरक्षा को प्राथमिकता प्रदान करें। बिजली लाइनों के नीचे पांडाल या टेन्ट न लगाएं, ऊंची कांवड़ लेकर न चलें तथा विद्युत लाइनों से पर्याप्त दूरी बना कर रखें, ताकि किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके। अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव ने कहा है कि विद्युत विभाग द्वारा पर्याप्त सावधानी बतरी जा रही है तथापि वर्षा ऋतु में जलभराव और नमी के कारण विद्युत उपकरणों में करेन्ट उतरने की सम्भावना बन सकती है। इसलिए आम नागरिकों से अनुरोध है कि बिजली के खंभों (पोल), स्टे-वायर और ट्रांसफार्मर से उचित दूरी बनाकर रखें एवं मवेशियों को बिजली के पोल या टांसफार्मर के पास न बाधें। विद्युत विभाग अम्बेडकर नगर के अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव ने सभी सम्मानित नागरिकों और कांवड़ यात्रियों से अपील किया है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें और विभाग को सहयोग प्रदान करें।

हथिया ग्राम पंचायत में विकास कार्यों में अनियमितता का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केविकास खंड बहादुरपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत हथिया में संचालित विकसित भारत जी राम जी कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितता किए जाने के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों द्वारा विकास कार्यों में कथित भ्रष्टाचार की जांच कराकर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की जा रही है। आरोप है कि ग्राम प्रधान माया देवी द्वारा विकास कार्यों में नियमों की अनदेखी की जा रही है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि ग्राम पंचायत के विकास कार्यों से संबंधित अभिलेखों में कथित तौर पर लीपापोती की जा रही है और फर्जी अथवा संदिग्ध फाइलों पर हस्ताक्षर कराए जाने की बात सामने आ रही है।

वहीं, ग्राम पंचायत के सचिव विवेक कुमार और तकनीकी सहायक की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि दोनों जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से विकास कार्यों से संबंधित अभिलेखों को स्वीकृति दी जा रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में कराए जा रहे कार्यों की मौके पर जांच की जाए तो कथित अनियमितताओं की वास्तविकता सामने आ सकती है। साथ ही मनरेगा से जुड़े कार्यों, मस्टर रोल, भुगतान, कार्यस्थल तथा संबंधित अभिलेखों की जांच कराने की मांग की गई है। इस पूरे मामले में मनरेगा एपीओ एवं प्रभारी बीडीओ बहादुरपुर आलोक कुमार पंकज की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि दो ब्लॉकों का कार्यभार होने के कारण विकास कार्यों का नियमित निरीक्षण और प्रभावी निगरानी नहीं हो पा रही है।

अब सवाल यह है कि ग्राम पंचायत हथिया में लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच कब होगी और यदि जांच में अनियमितता सही पाई जाती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी? ग्रामीणों ने जिलाधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों से ग्राम पंचायत हथिया में संचालित विकास कार्यों की स्थलीय जांच कराने, अभिलेखों का सत्यापन कराने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

दिव्यांगजनों के लिए 10 अगस्त को रोजगार मेला, विभिन्न कंपनियां करेंगी भर्ती

उन्नाव। जिले के दिव्यांग युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास मिशन की ओर से 10 अगस्त को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में विभिन्न निजी कंपनियां साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी। कौशल विकास मिशन के जिला प्रभारी आशीष कुमार ने बताया कि रोजगार मेले का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में किया जाएगा। इसमें बेरोजगार दिव्यांग अभ्यर्थी अपने शैक्षिक एवं अन्य आवश्यक प्रमाणपत्रों के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मेले में शामिल होने वाली कंपनियां विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार लेंगी और पात्र अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। यह रोजगार मेला दिव्यांग युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जिला प्रभारी ने इच्छुक अभ्यर्थियों से समय पर पहुंचकर मेले में भाग लेने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए कौशल विकास मिशन के लखनऊ मुख्यालय के दूरभाष नंबर 0522-3619292 पर संपर्क किया जा सकता है।

राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर छुट्टा पशु बने आफत, कांवड़ यात्रा में बढ़ी चिंता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विक्रमजोत में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर छुट्टा पशुओं की बढ़ती संख्या ने कांवड़ मार्ग को असुरक्षित बना दिया है। इन पशुओं के कारण पैदल चलने वाले कांवड़ियों, साइकिल और बाइक सवारों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है, जिससे आए दिन छोटी दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि इन पशुओं को मार्ग से नहीं हटाया गया, तो कांवड़ियों के झुंड में घुसने पर कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बरसात शुरू होने के बाद से दूरदराज खेतों में रहने वाले छुट्टा पशु आश्रय की तलाश में राजमार्ग पर पहुंच रहे हैं। बड़ी संख्या में पशुओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग को अपना ठिकाना बना लिया है। ये पशु पास के खेतों में चरने जाते हैं और वापस आकर रास्ते में ही आराम करते हैं, जिससे मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। राहगीरों को इनके हटने का इंतजार करना पड़ता है, और इनकी चपेट में आकर बाइक सवार व छोटे वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। छावनी थानाक्षेत्र के रमहटिया गांव के पास स्थित गोरखनाथ लान ढाबा, बाबा ढाबा और अन्य होटलों के समीप छुट्टा पशुओं की भरमार है। इनकी धमाचौकड़ी से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजमार्ग पर घूम रहे इन पशुओं को पकड़ने के लिए अभी तक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। बृजेश पांडेय, विजय पांडेय, मनीष यादव, अमित यादव, शिवपूजन यादव, राहुल शुक्ला, पतिराम यादव, भगवान प्रसाद वर्मा, शिवप्रसाद, चिंताराम वर्मा और स्वामीनाथ यादव सहित कई स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

जीडीएस एबीपीएम अवधेश शुक्ला हुए सेवानिवृत्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार डाकघर पर भावभीनी विदाई समारोह का हुआ आयोजन

शुकुल बाजार, अमेठी। डाक विभाग में लंबे समय तक ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ सेवाएं देने वाले जीडीएस एबीपीएम (ग्रामीण डाक सेवक सहायक शाखा डाकपाल) अवधेश शुक्ला के सेवानिवृत्त होने पर शुकुल बाजार डाकघर परिसर में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डाक सर्वेक्षक मुसाफिरखाना मोहम्मद ईदू ने कहा कि अवधेश शुक्ला ने अपने सेवाकाल में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए विभाग की गरिमा को बढ़ाया। उनकी कार्यशैली, अनुशासन और व्यवहार हमेशा अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

उप डाकपाल शुकुल बाजार राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी भी कर्मचारी के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। वर्षों तक विभाग और आमजन की सेवा करने के बाद अब उनके अनुभव समाज और परिवार के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। उन्होंने अवधेश शुक्ला के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।इस अवसर पर सहकर्मियों ने उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए कार्यकाल की मधुर स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि उनका सहज, सरल और सहयोगी स्वभाव हमेशा याद किया जाएगा।विदाई समारोह में आलोक शुक्ला, आशुतोष शुक्ला, आयुष शुक्ला, रमेश यादव, अमित शुक्ला, अनूप शुक्ला, राम मनोहर यादव सहित अनेक डाक कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी ने अवधेश शुक्ला के सुखमय एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम का समापन सम्मान समारोह एवं सामूहिक शुभकामनाओं के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

कांवड़ मेले से पहले गरमाया बाबा भदेश्वर नाथ धाम की जमीन पर अतिक्रमण का मामला, प्रशासन से जांच की मांग

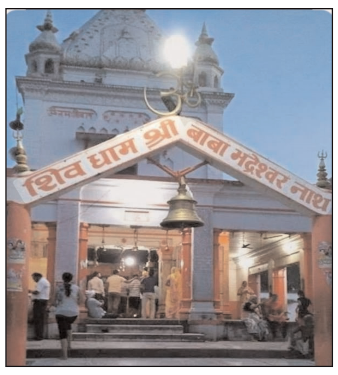

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मे श्रावण मास और कांवड़ मेले से पहले प्रसिद्ध बाबा भदेश्वर नाथ धाम मंदिर की भूमि पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आने से विवाद गहरा गया है। मंदिर समिति से जुड़े ग्रामीणों ने प्रशासन को शिकायती पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और अतिक्रमण हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि राजस्व ग्राम भदेश्वर नाथ स्थित मंदिर की देखरेख सैकड़ों वर्षों से गोस्वामी परिवार वंशानुगत व्यवस्था के तहत करता आ रहा है। इस वर्ष श्रावण मास और कांवड़ मेले की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी उनकी पट्टी के हिस्सेदारों के पास है। आरोप है कि मंदिर की अधिकांश भूमि पर कुछ हिस्सेदारों ने कथित रूप से कब्जा कर लिया है, जिससे अन्य हिस्सेदारों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।

शिकायतकर्ता राकेश गिरी ने प्रशासन से मामले की राजस्व अभिलेखों के आधार पर जांच कराकर कथित अवैध कब्जा हटवाने तथा सभी हिस्सेदारों को उनका वैधानिक अधिकार दिलाने की मांग की है। शिकायती पत्र पर मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश गिरी, कोषाध्यक्ष कृष्णदेव गिरि, नीरज गिरि, अभिषेक, आदित्य गिरि, धर्मेंद्र गिरि, सुबोध गिरि, अनिल, अजय गिरि, भीम गिरि, सुधीर गिरि, कृष्णदेव पुरी, राज गिरि, विकास पुरी सहित अन्य ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं।

घर लौटते समय युवक लापता, जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जनपद बस्ती के नगर थाना क्षेत्र के पोखरा बाजार से एक युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। मुंबई से घर लौट रहे 27 वर्षीय फूलचंद निषाद के कई दिनों तक घर न पहुंचने से परिवार में चिंता और मायूसी का माहौल है। युवक की पत्नी आरती ने नगर थाने में तहरीर देकर पति की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुंबई से घर के लिए निकले, लेकिन नहीं पहुंचे गंतव्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर थाना क्षेत्र के ग्राम पोखरा बाजार निवासी फूलचंद निषाद पुत्र धनई निषाद रोजी-रोटी के सिलसिले में मुंबई में रहकर काम करते थे। परिजनों के मुताबिक, 2 अगस्त को उन्होंने फोन कर बताया था कि वह मुंबई से बस्ती के लिए रवाना हो रहे हैं। इसके बाद परिवार उनके घर पहुंचने का इंतजार करता रहा, लेकिन तीन दिन बीत जाने के बावजूद वह घर नहीं पहुंचे।

मोबाइल हुआ स्विच ऑफ, परिजनों की बढ़ी चिंता

शुरुआत में परिजनों ने ट्रेन लेट होने या अन्य कारणों से देरी होने की संभावना जताई। लेकिन जब लगातार फोन मिलाया गया तो उनका मोबाइल स्विच ऑफ मिलने लगा। इसके बाद रिश्तेदारों, परिचितों और अन्य संभावित स्थानों पर काफी खोजबीन की गई, मगर फूलचंद का कोई सुराग नहीं मिला।

पति की तलाश में पत्नी पहुंची थाने

पति के घर न लौटने और कोई जानकारी न मिलने से पत्नी आरती का रो-रोकर बुरा हाल है। सभी स्तरों पर तलाश के बावजूद कोई सफलता न मिलने पर उन्होंने नगर थाने पहुंचकर तहरीर दी और पुलिस से पति को जल्द से जल्द सकुशल खोजने की मांग की। मुकदमा दर्ज, मोबाइल लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस नगर थानाध्यक्ष राम प्रसाद यादव ने बताया कि युवक के मोबाइल नंबर की लोकेशन ट्रेस करने के साथ ही अन्य तरीकों से भी खोजबीन की जा रही है। फिलहाल परिवार अनहोनी की आशंका से सहमा हुआ है और प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद लगाए बैठा है।

बलरामपुर में बदहाल सड़क, ग्रामीणों ने मरम्मत की मांग उठाई

बलरामपुर के रेहरा बाजार क्षेत्र में सराय खास से सहजौरा होते हुए सादुल्लानगर मुख्य सड़क को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग बदहाल स्थिति में है। यह सड़क दर्जनों गांवों की जीवनरेखा मानी जाती है, लेकिन जगह-जगह गहरे गड्ढे होने से राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे पूरी सड़क तालाब जैसी दिखती है। जलभराव के कारण गड्ढों की गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण, छात्र, किसान, व्यापारी और मरीज इसी मार्ग से सादुल्लानगर व रेहरा बाजार की ओर आवागमन करते हैं। सड़क की जर्जर हालत के कारण उनका सफर जोखिम भरा हो गया है। दोपहिया वाहन चालक अक्सर फिसल जाते हैं, जबकि चारपहिया वाहनों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों बीरू, उमेश, रवि, अमरजीत और देवेंद्र ने बताया कि सड़क की मरम्मत के लिए संबंधित विभाग से कई बार मांग की जा चुकी है। हालांकि, अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे ग्रामीणों में रोष है। राहगीर धर्मेंद्र, श्याम बहादुर और उमाशंकर ने बताया कि बारिश में यह मार्ग बेहद खतरनाक हो जाता है। रात के समय जलभराव के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है।

नगर बाजार-कप्तानगंज संपर्क मार्ग बदहाल, गड्ढों और कीचड़ से राहगीरों का चलना हुआ मुश्किल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के नगर पंचायत नगर बाजार से कप्तानगंज को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। लगभग 11 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिनमें बारिश का पानी और कीचड़ भर जाने से आवागमन बेहद कठिन हो गया है। सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों, साइकिल सवारों और पैदल राहगीरों को उठानी पड़ रही है। कई स्थानों पर वाहन फिसलने का खतरा बना रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है।

टू-लेन स्वीकृति के बाद मरम्मत का काम ठप

यहां बताते चलें कि महादेवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दूधराम के प्रयासों से इस सड़क के टू-लेन निर्माण को स्वीकृति मिल चुकी है। लोगों का कहना है कि इसी कारण फिलहाल सड़क की मरम्मत कराने की दिशा में कोई पहल नहीं की जा रही है। क्षेत्र में इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी तेज है, जबकि आम जनता को रोजाना जर्जर सड़क का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

दो प्रमुख मार्गों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क

नगर बाजार से कसानगंज तक जाने वाला यह मार्ग लुंबिनी-दुद्दी मार्ग और बस्ती-अयोध्या हाईवे को जोड़ने का महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इस कारण इस सड़क पर दिनभर छोटे-बड़े वाहनों का लगातार आवागमन बना रहता है। सड़क की खराब स्थिति न केवल लोगों की यात्रा को कठिन बना रही है, बल्कि क्षेत्र के व्यापार और आवागमन पर भी प्रतिकूल असर डाल रही है।

स्थानीय लोगों ने शीघ्र मरम्मत की उठाई मांग

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि टू-लेन निर्माण कार्य शुरू होने तक कम से कम सड़क के गड्ढों को भरकर आवागमन सुचारु बनाया जाए, ताकि लोगों को रोजाना होने वाली परेशानी और संभावित दुर्घटनाओं से राहत मिल।

बीच बाजार जानलेवा हमले के दो मुख्य आरोपी अब भी फरार, पांचवें दिन भी पुलिस के हाथ खाली

चार आरोपी जेल में,पीड़ित परिवार दहशत में,फरार आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी पर उठने लगे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। थाना क्षेत्र के बीच बाजार में हुए चर्चित जानलेवा हमले के मामले में पुलिस की कार्रवाई अब सवालों के घेरे में आती नजर आ रही है। घटना के पांच दिन बीत जाने के बावजूद छह नामजद आरोपियों में से दो मुख्य आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। हालांकि पुलिस चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, लेकिन शेष आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से पीड़ित परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर है।पीड़ित परिवार का आरोप है कि फरार आरोपी देर रात घूम रहे हैं, जिससे परिवार के सदस्यों में लगातार दहशत बनी हुई है।उनका कहना है कि यदि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो किसी भी समय अप्रिय घटना हो सकती है। परिवार ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा उपलब्ध कराने और शेष आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है।घटना को लेकर क्षेत्र में भी तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिनदहाड़े बाजार में हुई इस वारदात ने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का मानना है कि यदि फरार आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार नहीं किया गया तो अपराधियों के हौसले और बुलंद हो सकते हैं। क्षेत्रवासियों ने निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए शेष आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय और आम जनता को सुरक्षा का भरोसा मिल सके।इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस टीम सक्रिय है और जल्द ही शेष अभियुक्तों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सिंचाई व्यवस्था पर सवाल, सूखी माइनर में लाखों का घोटाले का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले नहर का जाल सरकार बिछा कर किसान की खेतों अधि ग्रहण कर जमीन तो ले लिया लेकिन आज तक उसने अपनी बुंड घर नहीं आया अधिकारियों द्वारा हर साल नहर की सफाई के नाम पर कई लाखों खर्च हो रहे हैं लेकिन पानी के लिए किस तरस रहा है जिम्मेदार अधिकारी अपनाहिस्सालेकर बगल हो जाते है बूँद पानी के लिए किसान के खेत तरस रहे विभाग के अधिकारियों द्वारा कभी नहीं ध्यान दिया नहरों में पानी की पानी भर गया हो वर्तमान समय में सूखे की स्थिति देखते हुए फिर भी पानी नहीं छोड़ा गया किसने की समस्याएं बरकराह विभाग के अधिकारी बाबू सफाई के नाम पर लूट मचाई हुए हैं जिले के जिम्मेदार अधिकारी या जनप्रतिनिधि कभी नहीं ध्यान दिया की नहरे बनवाई गई है किसन की समस्याओं के सुख से निपटने के लिए लेकिन किसानों को पानी बूंद भर नहीं मिला इसलिए ग्रामीणों द्वारा इसकी जांच करने की मांग की गई लिएअयोध्या सरयू नहर चार परियोजना की माइनर हरैया विकास खंड में पिछले करीब 10 वर्षों से सूखी पड़े बेडाले शुक्ल से हरदिया,रेवरादास काशीपुर होते हुए रामरेखा नदी तक जाने वाली माइनर में आज तक पानी नहीं छोड़ा गया लेकिन हर साल सफाई के नाम पर लाखों रुपये खर्च दिखाकर सरकारी धन का भुगतान..

ग्रामीणों का कहना माइनर की सफाई सिर्फ दिखावे के लिए की जाती कई स्थानों पर भयंकर झाड़ियां आज भी ज्यों की त्यों पड़ी हैं जबकि अभिलेखों में कार्य पूरा

जब माइनर में 10 वर्षों से पानी हो नहीं तो हर साल सफाई पर खर्च होने वाला सरकारी पैसा आखिर किस काम आया ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर सफाई कार्यों भुगतान जिम्मेदार अधिकारियों की जवाब देही तय करने की मांग किसानों के नाम पर सरकारी योजनाएं तो बन रही लेकिन धरातल पर भ्रष्टाचार लापरवाही के कारण माइनर केवल कागजों में ही बह रही जिले पर बैठे जिम्मेदार अधिकारी को नहीं दिखाई देता है किसानों को सिचाई नहो हो पा रही है दूसरी नहर शाखा हसीनाबाद से निकलकर भदावल होते हुए ओझा गंज जगदीशपुर गई है जिस पर कागज में सफाई हो रुपये की बन्दर बांट कर लेते हैं नहरों में जंगली पेड़ उग आए किसान 10 साल सेबूंद बूंद पानी के लिए तरस रहा है लेकिन ना तो जिला प्रशासन ध्यान दे रहा है और ना ही जनप्रतिनिधि इस बात को लेकर ग्रामीण जनता सरकार नाराज है लेकिन कुछ कर्मचारियों द्वारा मनमानी कर सफाई के नाम पर लूट मचा दी है सूखे की स्थिति देखते हुए किस शशंकित की नजर आ रहे हैं।

706.81 करोड़ की 194 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे सीएम योगी, आज अम्बेडकरनगर दौरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को जनपद अम्बेडकरनगर का दौरा करेंगे। अम्बेडकरनगर की तहसील आलापुर अंतर्गत विकासखंड रामनगर स्थित पूर्वांचल के सुप्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन स्थल गोविंद साहब में उनका दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान वह विधानसभा टांडा, आलापुर और जलालपुर क्षेत्रों में कुल 706.81 करोड़ रुपये की लागत वाली 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम में तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, बिजली, पर्यटन, लोक निर्माण और कौशल विकास सहित अनेक विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं को नई गति मिलेगी। इन परियोजनाओं से स्थानीय लोगों को बेहतर सड़कें, स्वच्छ पेयजल, बिजली आपूर्ति और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। टांडा विधानसभा क्षेत्र में 69 परियोजनाओं पर 217.69 करोड़ रुपये, आलापुर में 75 परियोजनाओं पर 312.18 करोड़ रुपये तथा जलालपुर में 50 परियोजनाओं पर 176.93 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें से शिलान्यास कार्यों की संख्या 36 और लागत 145.98 करोड़ रुपये है, जबकि लोकार्पण कार्यों की संख्या 158 और लागत 560.83 करोड़ रुपये है। इस दौरे से अम्बेडकरनगर में विकास का नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार पिछड़े और विकास की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रों में तेज गति से कार्य कर रही है। टांडा, आलापुर और जलालपुर जैसे क्षेत्रों में इन परियोजनाओं के पूरा होने से जनजीवन सुगम बनेगा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होने वाले हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसभा को संबोधित करेंगे तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं प्रमाणपत्र भी वितरित करेंगे। यह दौरा न केवल भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा बल्कि कौशल विकास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी नई रफ्तार देगा। अम्बेडकरनगर के निवासी लंबे समय से इन विकास कार्यों की प्रतीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री के आगमन से क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर कोने तक विकास की किरण पहुंचे। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोक निर्माण से लेकर कौशल विकास तक अनेक जनहित कार्यों की एक साथ शुरुआत होगी, जो अम्बेडकरनगर को प्रगति के पथ पर और आगे ले जाएगा।

विधानसभा आलापुर में लोकार्पित होने वाले कुछ कार्य

ओझानगर बड़ी पण्डौली पिच से कठवत कोल गांव तक सम्पर्क मार्ग, एन0एच0-233 के किमी0-162 से दाएं कनकपुर होते हुए रुस्तमपुर तक सम्पर्क मार्ग, मंझरिया सम्पर्क मार्ग चकमसेना हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग, बधईपुर खास सम्पर्क मार्ग, रन्नूपुर बगिया खास सम्पर्क मार्ग, समैसा सोनहू सम्पर्क मार्ग, जैती हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग,गंगासागर खास सम्पर्क मार्ग, नसीरपुर छितौना हरिजन बस्ती, किन्नूपुर हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग, जोलहापुर हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग आदि।

विधानसभा टाण्डा के लोकार्पित होने वाले कार्य

राजस्व ग्राम सेमरा नसीरपुर के डिहवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व ग्राम लखनपुर के पण्डौलिया सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व ग्राम वाहिद पट्टी के खास सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व ग्राम नौरहनी रामपुर बिहारी का पुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व बीबीपुर के उसरा भरौटी सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य आदि।

विधानसभा जलालपुर में लोकार्पित होने वाले कार्य

बन्दीपुर रोड से जैतपुर दक्षिण पुरवा मार्ग के पुर्ननिर्माण का कार्य। नेवादा अमोला से उदया सम्पर्क मार्ग के पुर्ननिर्माण का कार्य। आजनपारा से चकिया सम्पर्क मार्ग, जमलापुर चमरौट सम्पर्क मार्ग,मालीपुर धमरूआ नेमपुर घाट मार्ग, मालीपुर जलालपुर रामगढ़ मार्ग आदि हैं।

आधे घंटे इंतजार के बाद भी नहीं पहुंचे बीडीओ; अधिवक्ता ने डाक से भेजी जन सूचना

बलरामपुर। विकासखंड बलरामपुर कार्यालय में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम-2005 के पालन को लेकर सवाल उठे हैं। हाईकोर्ट, लखनऊ के अधिवक्ता महेंद्र तिवारी ने आरोप लगाया है कि छह बिंदुओं पर मांगी गई जन सूचना का आवेदन जमा कराने पहुंचे तो कार्यालय में मौजूद लिपिक ने आवेदन लेने से इनकार कर दिया। अधिवक्ता का कहना है कि इसके बाद उन्होंने खंड विकास अधिकारी संजय कुमार से दूरभाष पर संपर्क किया। उनके अनुसार, बीडीओ ने 10 मिनट में कार्यालय पहुंचने का आश्वासन दिया, लेकिन करीब आधे घंटे तक इंतजार करने के बावजूद वह नहीं पहुंचे। इस दौरान कार्यालय कर्मियों ने भी आवेदन स्वीकार नहीं किया। महेंद्र तिवारी ने बताया कि आवेदन जमा न होने पर उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत अपना आवेदन डाक के माध्यम से जन सूचना अधिकारी को भेज दिया, ताकि सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रभावित न हो। अधिवक्ता का कहना है कि सूचना का अधिकार अधिनियम प्रत्येक नागरिक को सूचना प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार देता है। ऐसे में जन सूचना आवेदन स्वीकार करने से इनकार करना अधिनियम की भावना के विपरीत है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

बिजली व्यवस्था में लापरवाही पर सख्त हुए ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में बिजली व्यवस्था को लेकर ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने गुरुवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि जनता को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिजली व्यवस्था में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। बैठक में जले हुए ट्रांसफार्मरों के समय पर प्रतिस्थापन, शिकायतों के निस्तारण, कांवड़ यात्रा के दौरान विद्युत सुरक्षा तथा प्रदेश की समग्र बिजली व्यवस्था की समीक्षा की गई। मंत्री ने देवरिया, गाजीपुर, श्रावस्ती, बहराइच, फतेहपुर समेत कई जनपदों में जले ट्रांसफार्मरों को समय पर न बदले जाने और बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायतों पर गहरी नाराजगी जताई। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जनता को अनावश्यक परेशानी पहुंचाने वाले अधिकारियों की जवाबदेही हर हाल में तय की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिशासी अभियंताओं से जवाब-तलब करते हुए निर्देश दिए कि शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा बैठक में गाजीपुर जिले के गहमर क्षेत्र में 12 दिनों से जला ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने और बैठक में अनुपस्थित रहने पर संबंधित अधिशासी अभियंता को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। वहीं संबंधित अधीक्षण अभियंता को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा गया कि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराए जाने पर उनके खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार देवरिया जिले के लार थाना क्षेत्र में पिछले 10 दिनों से जले ट्रांसफार्मर को न बदले जाने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर मुख्य अभियंता, गोरखपुर (द्वितीय) को प्रतिकूल प्रविष्टि (एडवर्स एंट्री) देने के निर्देश दिए गए। ऊर्जा मंत्री ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को निर्देश दिए कि पूर्वांचल क्षेत्र में बिजली संबंधी शिकायतों के निस्तारण में तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो अधिकारी अपने दायित्वों का ईमानदारी और गंभीरता से निर्वहन नहीं कर रहे हैं, उन्हें तत्काल हटाया जाए। उन्होंने कहा कि जनता के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में कांवड़ यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कांवड़ मार्गों पर विद्युत सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जाएं। ढीले बिजली के तार, झुके हुए खंभे, खुले विद्युत उपकरण तथा अन्य संभावित खतरों को तत्काल दूर किया जाए। साथ ही यात्रा मार्गों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने और लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना का सामना न करना पड़े। बैठक में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा आशीष गोयल, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक नितीश कुमार, मयूर माहेश्वरी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

कांग्रेस कार्यालय 15 दिन में खाली करने का आदेश नजूल भूमि पर अवैध कब्जा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यालय को लेकर नगर पालिका परिषद ने बड़ा प्रशासनिक फैसला सुनाया है। तामसेनगंज स्थित ऐतिहासिक घंटाघर भवन की पहली मंजिल पर संचालित कांग्रेस कार्यालय को 15 दिनों के भीतर खाली करने का आदेश दिया गया है। नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी एवं न्यायिक उपजिलाधिकारी सीमा सिंह ने कांग्रेस कमेटी की ओर से दाखिल आपत्तियों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और भवन का कब्जा नगर पालिका को सौंपने के निर्देश दिए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित 15 दिनों के भीतर परिसर खाली नहीं किया गया तो प्रशासन बलपूर्वक कब्जा लेगा। इसके लिए होने वाली पूरी कार्रवाई का खर्च भी संबंधित पक्ष से ही वसूला जाएगा। मामले की शुरुआत जिलाधिकारी के स्थलीय निरीक्षण के बाद हुई। निरीक्षण के दौरान नजूल भूखंड संख्या 244/1 पर बने ऐतिहासिक घंटाघर भवन के प्रथम तल पर कांग्रेस कार्यालय संचालित मिलता पाया गया इसके बाद जिलाधिकारी ने नजूल मैनुअल के नियम-74 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही अभिलेखों से कांग्रेस पार्टी का नाम हटाने और अवैध कब्जा समाप्त कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। 1972 से किरायेदारी का दावा, लेकिन नहीं मिले दस्तावेज सुनवाई के दौरान कांग्रेस कमेटी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा किया कि वर्ष 1972 से भवन उनके कब्जे में है और तत्कालीन सरकार द्वारा उन्हें यह परिसर आवंटित किया गया था। हालांकि नगर पालिका की जांच में इस दावे के समर्थन में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। नगर पालिका के रिकॉर्ड के अनुसार कांग्रेस ने इस भवन का अंतिम किराया 6 फरवरी 1971 को 320 रुपये जमा किया था। इसके बाद करीब 55 वर्षों तक कोई किराया जमा नहीं किया गया जांच के दौरान कांग्रेस की ओर से न तो कोई वैध पट्टा, लीज डीड और न ही कोई इकरारनामा प्रस्तुत किया जा सका। इन्हीं तथ्यों के आधार पर नगर पालिका ने कांग्रेस को डिफॉल्टर मानते हुए भवन पर कब्जे को अवैध घोषित कर दिया नगर पालिका ने अपने आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट और सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि नजूल भूमि का स्वामित्व राज्य सरकार के पास रहता है सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना ऐसी भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा, हस्तांतरण या उपयोग वैध नहीं माना जा सकता। इसी आधार पर कांग्रेस कमेटी की सभी आपत्तियों को खारिज करते हुए भवन खाली कराने का आदेश पारित किया गया। 15 दिन बाद होगी बलपूर्वक कार्रवाई आदेश में कहा गया है कि कांग्रेस कमेटी को 15 दिनों के भीतर स्वेच्छा से भवन खाली कर नगर पालिका को कब्जा सौंपना होगा। यदि ऐसा नहीं किया गया तो प्रशासन पुलिस बल की मौजूदगी में परिसर खाली कराएगा। इस कार्रवाई में आने वाला पूरा खर्च भी संबंधित पक्ष से वसूला जाएगा!!

गोमती नगर रेलवे स्टेशन आवंटियों का आरएलडीए के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर रेलवे स्टेशन से जुड़ी आर1 - आर2 कमर्शियल कॉम्प्लेक्स व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन ने रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) पर परियोजना में अत्यधिक विलंब का आरोप लगाते हुए आवंटियों की समस्याओं को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है।

एसोसिएशन का कहना है कि वर्ष 2020-21 में निर्माण आधारित भुगतान योजना के तहत आवंटित इस प्रीमियम वाणिज्यिक परियोजना में अधिकांश आवंटी लगभग 95 प्रतिशत भुगतान कर चुके हैं, लेकिन निर्धारित समय के बावजूद अब तक न तो निर्माण पूरा हुआ है और न ही दुकानों का कब्जा दिया गया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि परियोजना का कब्जा 30 सितंबर 2023 तक दिया जाना था, लेकिन आज तक कोई स्पष्ट अंतिम तिथि घोषित नहीं की गई। इस देरी के कारण कई आवंटी बैंक ऋण, ईएमआई, किराया और अन्य वित्तीय दायित्वों के बोझ तले दब गए हैं। कई लोगों ने अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी इस परियोजना में निवेश की थी, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन का आरोप है कि शिकायतों के समाधान के लिए नई दिल्ली स्थित परियोजना कार्यालय से कई बार संपर्क किया गया, लेकिन केवल आश्वासन ही मिले। मामले को उच्च न्यायालय तक ले जाया गया, जहां निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए, फिर भी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। एसोसिएशन ने यह भी दावा किया कि लगातार तनाव के कारण कुछ आवंटी मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों का शिकार हो चुके हैं। उनका कहना है कि यदि किसी आवंटी के साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। व्यापारी संगठन ने आरएलडीए से मांग की है कि परियोजना का शेष निर्माण कार्य युद्धस्तर पर पूरा किया जाए, कब्जा देने की निश्चित तिथि घोषित की जाए तथा देरी से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए पिछले तीन वर्षों का 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज आवंटियों को दिया जाए, ताकि वे सम्मानपूर्वक अपना व्यवसाय शुरू कर सकें।

जांच में दोषी पाए जाने पर मिले कड़ी से कड़ी सजा : ज्ञान तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/सीतापुर। महाराष्ट्र समेत विभिन्न राज्यों में महिलाओं से कथित रूप से शादी कर ठगी करने के आरोपों में गिरफ्तार अनूज त्रिवेदी का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस बीच सेवता विधानसभा से भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी ने पहली बार सोशल मीडिया पर लाइव आकर पूरे घटनाक्रम पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उनके साथ उनकी पुत्री डॉ. प्रज्ञा तिवारी भी मौजूद रहीं। लाइव प्रसारण के दौरान विधायक ज्ञान तिवारी ने कहा कि इस विषय पर वह किसी राजनीतिक व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक दुखी और पीड़ित पिता के रूप में अपनी बात रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जांच में अनूज त्रिवेदी के खिलाफ लगे आरोप प्रमाणित होते हैं तो उसे कानून के तहत सबसे कठोर दंड मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी बेटी अब हमेशा अपने मायके में ही रहेगी। ज्ञान तिवारी ने बताया कि वर्ष 2024 में उन्होंने अपनी बेटी डॉ. प्रज्ञा तिवारी का विवाह मिश्रिख निवासी प्रखर त्रिवेदी के साथ पूरे सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार कराया था। प्रखर, अनूज त्रिवेदी का पुत्र है। विधायक के अनुसार विवाह के समय उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि उनके समधी पर अलग-अलग राज्यों में महिलाओं से कथित धोखाधड़ी, फर्जी पहचान अपनाने और कई शादियां करने जैसे गंभीर आरोप लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब एक-एक कर अनूज त्रिवेदी से जुड़े मामले सामने आने लगे तो पूरा परिवार हैरान रह गया। उन्हें लगा कि केवल उनकी बेटी ही नहीं, बल्कि उनका पूरा परिवार विश्वासघात का शिकार हुआ है।

जांच निष्पक्ष हो, किसी को न मिले संरक्षण

विधायक ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अलग-अलग पहचान बनाकर महिलाओं के साथ धोखाधड़ी करता है तो यह अत्यंत गंभीर अपराध है। जांच एजेंसियां यदि आरोपों की पुष्टि करती हैं तो आरोपी को कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी दोषी को बचाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

ज्ञान तिवारी ने यह भी कहा कि यदि जांच के दौरान उनके दामाद प्रखर त्रिवेदी की किसी भी प्रकार की संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी बिना किसी दबाव के निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कानून सभी के लिए समान है और किसी के साथ पक्षपात नहीं होना चाहिए।

बेटी का भविष्य सुरक्षित करना पहली प्राथमिकता

भावुक होते हुए विधायक ने कहा कि उनकी बेटी एक शिक्षित डॉक्टर है और अब वह अपने मायके में ही रहेगी। परिवार ने अनूज त्रिवेदी और उसके परिवार से सभी रिश्ते समाप्त करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि जिस परिवार पर भरोसा कर उन्होंने अपनी बेटी का विवाह किया, उसी परिवार से इतना बड़ा धोखा मिलने की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। अब उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी बेटी को न्याय दिलाना और उसका भविष्य सुरक्षित करना है।

कई राज्यों में दर्ज हैं मुकदमे

अनूज त्रिवेदी के खिलाफ महाराष्ट्र, प्रयागराज सहित कई राज्यों में महिलाओं से कथित तौर पर शादी कर ठगी करने, फर्जी पहचान अपनाने और अन्य आरोपों में मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। कई महिलाएं भी सामने आकर शिकायत दर्ज करा चुकी हैं। गिरफ्तारी के बाद यह मामला और अधिक चर्चा में आ गया है।

अंत में विधायक ज्ञान तिवारी ने कहा कि उनका परिवार जांच एजेंसियों को हर संभव सहयोग देगा। उन्हें विश्वास है कि निष्पक्ष जांच के बाद जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह केवल उनके परिवार का मामला नहीं, बल्कि उन सभी महिलाओं के न्याय का प्रश्न है, जो कथित रूप से इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार हुई हैं।

महमूदाबाद में परंपरागत जुलूस-ए-अरबाईन अकीदत और गमगीन माहौल में संपन्न

महमूदबाद-सीतापुर। आज के दिन 6 अगस्त को कर्बला के शहीदों की याद में परंपरागत जुलूस-ए-चेहल्लुम वक्फ महाराजा साहब के तत्वावधान में मुवल्ली प्रोफेसर अली खान साहब (राजा महमूदाबाद) के नेतृत्व में दोपहर को किला महमूदाबाद से बरामद हुआ। इस जुलूस में

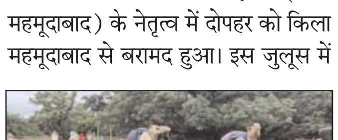

ऊँट, दुलदुल, अलम, ताबूत व ताज़िये शाही साज-सज्जा से सुसज्जित थे। जुलूस में सोज़ख्वानी व नौहाख्वानी अन्जुमन हैदरी, अन्जुमन सज्जादिया व अन्जुमन अब्बासिया कर रही थीं।अकीदतमंद स्याह लिबास में जुलूस में शामिल रहे। सफर और समापन जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से होता हुआ अपराह्न 3 बजे अमीरगंज स्थित कर्बला पहुँचा, जहाँ पर हज़ारों सोगवारों ने गम के माहौल में सरों पर हसीन बलन्द किया और ताबूत व ताज़िये सुपुर्द-ए-खाक किये।

प्रशासन का सहयोग एवं धन्यवाद

स्थानीय पुलिस प्रशासन जुलूस को सम्पन्न कराने में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करते रहे। इस जुलूस के समापन पर मुवल्ली वक्फ महाराजा साहब और तमाम गाज़ियादारों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

महमूदाबाद में किसानों का विशाल धरना प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। महमूदाबाद क्षेत्र में यूरिया खाद की बढ़ती कीमतों, डीएपी की किल्लत और जटिल ई-केवाईसी व स्मार्टफोन आधारित प्रक्रियाओं के विरोध में किसानों ने एक विशाल धरना प्रदर्शन किया। पूर्व नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि अमरीश गुप्ता के नेतृत्व में उनके आवास से लेकर तहसील मुख्यालय तक एक भव्य और रोषपूर्ण रैली निकाली गई।

हाथों में तिरंगा झंडे थामे और किसानों की एक ही मांग, यूरिया की आपूर्ति हो सुचारू, किसान का हक हो पूरा लिखी तख्तियां लेकर 'मोदी देउवा यूरिया दै देव भूखन मर जॉब' के नारे लगाते हुए सैकड़ों किसान और ग्रामीण सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन के दौरान सरकार विरोधी नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। अमरीश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि मौजूदा समय में किसानों को खेती के लिए जरूरी यूरिया और डीएपी समय पर नहीं मिल रही है, और जो मिल रही है उसके दाम आसमान छू रहे हैं। इसके अलावा, खेती-किसानी से जुड़ी ई-केवाईसी और स्मार्टफोन आधारित जटिल प्रक्रियाओं से ग्रामीण इलाकों के किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए किसानों का यह जत्था तहसील पहुंचा, जहां प्रदर्शन के पश्चात मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा गया। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द नहीं हुआ, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

बच्चों के भोजन में लापरवाही, दो पर दर्ज हुआ मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। महमूदाबाद विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय छंगापुर में मिड-डे मील (एमडीएम) की बदहाल व्यवस्था का मामला अब विभागीय कार्रवाई से आगे बढ़कर पुलिस तक पहुंच गया है। सोशल मीडिया पर बच्चों को पानी जैसी सब्जी और जली हुई रोटियां परोसने का वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। पहले प्रधानाध्यापिका को निलंबित किया गया, रसोइया की सेवा समाप्त की गई और अब दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। जिला प्रशासन का कहना है कि बच्चों के भोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूरा मामला सोमवार को सामने आया, जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ। वीडियो में बच्चों को बेहद पतली, पानी जैसी सब्जी और जली हुई रोटियां परोसी जाती दिखीं। इतना ही नहीं, रोटियां बच्चों की थाली में रखने के बजाय फेंकी जा रही थीं। कुछ रोटियां जमीन पर गिरी सब्जी में गिरने के बाद भी उठाकर बच्चों को परोस दी गईं। वीडियो वायरल होने के बाद जिलाधिकारी ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) गोरखनाथ पटेल और एबीएसए की टीम विद्यालय पहुंची। जांच के दौरान बच्चों ने भी वीडियो में दिख रही बातों की पुष्टि की और बताया कि उन्हें अक्सर खराब गुणवत्ता का भोजन दिया जाता है। 63 बच्चों के स्कूल में मानकों की अनदेखी जांच में सामने आया कि विद्यालय में कक्षा एक से पांच तक कुल 63 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। सोमवार के मेन्यू के अनुसार बच्चों को सब्जी और रोटी दी जानी थी, लेकिन उन्हें अत्यधिक पानी वाली आलू-तरोई की सब्जी और जली हुई रोटियां परोसी गईं। अधिकारियों ने पाया कि भोजन तय मानकों के अनुसार नहीं बनाया गया था। दूध वितरण में भी अनियमितता मिली। बच्चों को व्यवस्थित तरीके से बैठाकर भोजन नहीं कराया जा रहा था, जो शासन के स्पष्ट दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। ग्रामीणों की शिकायत और वायरल वीडियो ने पूरे मामले को गंभीर बना दिया। बीएसए की जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला प्रशासन ने बुधवार को प्रधानाध्यापिका कल्पना वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर प्राथमिक विद्यालय नंदवा से संबद्ध कर दिया। वहीं विद्यालय की रसोइया अनीता की सेवा भी समाप्त कर दी गई। संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। गुरुवार सुबह कार्रवाई का दायरा और बढ़ा। बीएसए की रिपोर्ट के आधार पर प्रधानाध्यापिका और रसोइया के खिलाफ महमूदाबाद कोतवाली में संबंधित धाराओं

वीडियो में बच्चों को बेहद पतली, पानी जैसी सजी और जली हुई रोटियां परोसी जाती दिखीं। इतना ही नहीं, रोटियां बच्चों की थाली में रखने के बजाय फेंकी जा रही थीं। कुछ रोटियां जमीन पर गिरी सजी में गिरने के बाद भी उठाकर बच्चों को परोस दी गईं। वीडियो वायरल होने के बाद जिलाधिकारी ने तत्काल जांच के निर्देश दिए।

में एफआईआर दर्ज करा दी गई। विभागीय जांच की जिम्मेदारी प्रथम विकासखंड के बीईओ पुष्पराज सिंह को सौंपी गई है, जिन्हें एक महीने के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। बच्चों के भोजन से समझौता नहीं इस कार्रवाई को जिला प्रशासन ने साफ संदेश के तौर पर देखा है कि स्कूलों में बच्चों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि मिड-डे मील योजना बच्चों के पोषण और शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना है। यदि कहीं भी लापरवाही या नियमों की अनदेखी मिलेगी तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। वायरल वीडियो के बाद हुई इस कार्रवाई से जिले के अन्य सरकारी स्कूलों में भी मिड-डे मील व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ गई है। अब प्रशासन की नजर इस बात पर है कि बच्चों को तय मानकों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन मिले और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो!!

ई-रिक्शा चालक से मारपीट, लोहे की रॉड से हमला किए जाने का आरोप सिर में आई गंभीर चोट, पुलिस से कार्रवाई की मांग

महमूदाबाद, सीतापुर। कोतवाली महमूदाबाद क्षेत्र में एक ई-रिक्शा चालक के साथ किराए के विवाद को लेकर मारपीट और जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना रामपुर कलां क्षेत्र के सैर गांव निवासी हरिश चन्द्र पुत्र तुलसी राम ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पीड़ित के अनुसार, बुधवार की शाम करीब 7 बजे वह महमूदाबाद से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सिरौली पुलिस चौकी से आगे कांसा मोड़ चौराहे पर तीन युवक एक गैस सिलेंडर के साथ उनके ई-रिक्शा में सवार हुए और कांसा चलने को कहा। पीड़ित का आरोप है कि कांसा पहुंचने के बाद जब उन्होंने किराया मांगा तो खुशी राम पुत्र अज्ञात तथा उसके दो अन्य अज्ञात साथियों ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने ईंट और लोहे की रॉड से उनके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने ई-रिक्शा को भी कांसा मोड़ चौराहे पर पलट दिया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद घायल चालक किसी तरह कोतवाली महमूदाबाद पहुंचा और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को लिखित तहरीर के माध्यम से दी।

बीडीओ ने प्राथमिक विद्यालय जाफरपुर का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। आज ग्राम पंचायत जाफरपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय का खंड विकास अधिकारी सुमित सिंह द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में संचालित मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) योजना का गहन अवलोकन किया तथा बच्चों के साथ बैठकर स्वयं भोजन ग्रहण कर भोजन की गुणवत्ता, स्वाद एवं स्वच्छता का निरीक्षण किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी ने बच्चों से संवाद कर नियमित रूप से मिलने वाले भोजन, उसकी गुणवत्ता एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने बताया कि उन्हें प्रतिदिन स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाता है। विद्यालय प्रबंधन एवं ग्राम प्रधान द्वारा अवगत कराया गया कि शासन के निर्धारित मेन्यू के अनुसार बच्चों को नियत दिवस पर दूध एवं केला सहित अन्य खाद्य सामग्री नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाती है। निरीक्षण के दौरान रसोइयों से भी उनके कार्य एवं मानदेय से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। खंड विकास अधिकारी ने विद्यालय परिसर की स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय परिवार को गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) कृष्ण पाल सिंह, ग्राम पंचायत अधिकारी सत्यार्थ वर्मा, प्रधान संघ अध्यक्ष बृजेश वर्मा, प्रधानाध्यापक, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, रसोइयां एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सभी ने शासन की मंशा के अनुरूप बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने एवं शिक्षा के साथ-साथ उनके समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प व्यक्त किया।

गुमटी में चोरी का प्रयास करते पकड़ा गया चोर

महमूदाबाद-सीतापुर। महमूदाबाद कस्बा क्षेत्र में देर रात एक परचून की गुमटी का ताला तोड़ते समय स्थानीय लोगों ने एक चोर को रंगे हाथों पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने महमूदाबाद निवासी आरोपी अखिलेश उर्फ नेता पुत्र पुत्तीलाल को हिरासत में लिया।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 16 क्लिनिक प्लस शैंपू पाउच और ताला तोड़ने में इस्तेमाल की गई एक हथौड़ी बरामद हुई। पीड़ित दुकानदार की तहरीर पर महमूदाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। कोतवाली महमूदाबाद क्षेत्र की सिरौली पुलिस चौकी अंतर्गत विश्वकर्मा पेट्रोलियम, भेथरा माधव के पास महमूदाबाद-सिधौली मुख्य मार्ग पर बुधवार को देर रात में एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के महमदपुर मजरा तुरसेना गांव निवासी अनिल कुमार पुत्र सत्यवान अपनी मोटरसाइकिल (यूपी 32 सीई 3386) से किसी निजी कार्य से घर लौट रहे थे। इसी दौरान विश्वकर्मा पेट्रोलियम के पास तेज रफ्तार एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि अनिल कुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने तत्काल सिरौली पुलिस चौकी और 108 एंबुलेंस सेवा को दी। सूचना मिलते ही सिरौली पुलिस चौकी प्रभारी फूल चंद्र सरोज तथा कांस्टेबल आशीष कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायल को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महमूदाबाद भिजवाया। सीएचसी में चिकित्सकों ने घायल का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया।

संपादकीय

डिजिटल भारत और साइबर अपराध

भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। आज बैंकिंग से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सरकारी सेवाओं और व्यक्तिगत संवाद तक लगभग हर क्षेत्र इंटरनेट पर निर्भर हो चुका है। डिजिटल इंडिया अभियान ने करोड़ों लोगों को तकनीक से जोड़ा है, लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराधों का दायरा और जटिलता भी तेजी से बढ़ी है। हर दिन ऑनलाइन ठगी, बैंक खाते खाली होने, फर्जी निवेश योजनाओं, डिजिटल अरेस्ट, पहचान की चोरी, सोशल मीडिया हैकिंग और डेटा लीक जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हमारे कानून और जांच एजेंसियां साइबर अपराधियों की गति के साथ कदम मिला पा रही हैं, या अपराधी कानून से आगे निकल चुके हैं? डिजिटल क्रांति ने सुविधाएं बढ़ाई हैं, लेकिन अपराधियों के लिए भी नए रास्ते खोल दिए हैं। पहले अपराध किसी एक शहर या क्षेत्र तक सीमित होते थे, अब एक व्यक्ति हजारों किलोमीटर दूर बैठकर किसी भी राज्य के नागरिक को कुछ ही मिनटों में अपना शिकार बना सकता है। अपराधी नकली वेबसाइट, फर्जी मोबाइल ऐप, एआई आधारित आवाज की नकल, डीपफेक वीडियो और सोशल इंजीनियरिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल कर लोगों को ठग रहे हैं। कई मामलों में पीड़ित को तब तक पता नहीं चलता, जब तक उसके खाते से लाखों रुपये गायब नहीं हो जाते। भारत में साइबर अपराधों के लिए कानूनी ढांचा मौजूद है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधान डिजिटल अपराधों पर कार्रवाई की अनुमति देते हैं। हाल के वर्षों में सरकार ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन 1930, इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर और डिजिटल भुगतान सुरक्षा से जुड़े कई कदम उठाए हैं। इन प्रयासों से हजारों मामलों में धनराशि फ्रीज कर पीड़ितों को राहत भी मिली है। फिर भी वास्तविक चुनौती यह है कि अपराधी तकनीक का इस्तेमाल कानून से कहीं अधिक तेज़ी से कर रहे हैं। कानून बनने और उसके प्रभावी क्रियान्वयन में समय लगता है, जबकि साइबर अपराधी कुछ ही दिनों में नए तरीके विकसित कर लेते हैं। एआई ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है। आज किसी की आवाज की हूबहू नकल कर फोन किया जा सकता है, किसी का नकली वीडियो तैयार किया जा सकता है और फर्जी पहचान बनाकर आर्थिक अपराध किए जा सकते हैं। इन परिस्थितियों में पारंपरिक जांच प्रणाली कई बार अपर्याप्त साबित होती है। साइबर अपराध की एक बड़ी समस्या इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रकृति भी है। अनेक गिरोह भारत के बाहर से संचालित होते हैं। उनके सर्वर दूसरे देशों में होते हैं और धन कई देशों के बैंक खातों या क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से स्थानांतरित किया जाता है। ऐसे मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग, डिजिटल साक्ष्य और कानूनी प्रक्रियाएं जांच को लंबा और जटिल बना देती हैं। अपराधी इसी देरी का लाभ उठाते हैं। दूसरी ओर नागरिकों में डिजिटल जागरूकता की कमी भी अपराधियों की सफलता का बड़ा कारण है। आज भी अनेक लोग अनजान लिंक पर क्लिक कर देते हैं, ओटीपी साझा कर देते हैं, नकली निवेश योजनाओं के झांसे में आ जाते हैं या सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी सार्वजनिक कर देते हैं। तकनीकी सुरक्षा जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही आवश्यक डिजिटल साक्षरता भी है। यदि नागरिक सतर्क हों तो बड़ी संख्या में साइबर अपराधों को शुरुआती स्तर पर ही रोका जा सकता है। भारत को अब साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले कानूनों को तकनीकी बदलावों के अनुरूप लगातार अद्यतन करना होगा। एआई आधारित अपराध, डीपफेक, डेटा चोरी और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े अपराधों के लिए स्पष्ट और प्रभावी कानूनी प्रावधान आवश्यक हैं। दूसरा, पुलिस और जांच एजेंसियों को आधुनिक डिजिटल फॉरेंसिक तकनीक, साइबर विशेषज्ञों और अत्याधुनिक उपकरणों से सशक्त बनाना होगा। तीसरा, राज्यों के बीच और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सूचनाओं के आदान-प्रदान को और तेज़ करना होगा। बैंकों, दूरसंचार कंपनियों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और डिजिटल भुगतान कंपनियों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। संदिग्ध लेनदेन की तुरंत पहचान, मजबूत सत्यापन प्रणाली, फर्जी खातों पर त्वरित कार्रवाई और उपयोगकर्ताओं को समय-समय पर सुरक्षा संबंधी चेतावनी देना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। निजी क्षेत्र और सरकार के बीच समन्वय जितना मजबूत होगा, साइबर अपराध पर नियंत्रण उतना ही प्रभावी होगा। शिक्षा व्यवस्था में भी डिजिटल सुरक्षा को शामिल करना का समय आ गया है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर साइबर सुरक्षा का बुनियादी प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाना चाहिए। जिस प्रकार सड़क सुरक्षा के नियम सिखाए जाते हैं, उसी प्रकार डिजिटल सुरक्षा के नियम भी नागरिक जीवन का हिस्सा बनने चाहिए। डिजिटल भारत की सफलता केवल इंटरनेट की पहुंच बढ़ाने से नहीं मापी जाएगी, बल्कि इस बात से तय होगी कि नागरिक डिजिटल दुनिया में कितने सुरक्षित हैं। यदि कानून, तकनीक, प्रशासन और समाज मिलकर साइबर अपराध के विरुद्ध मजबूत व्यवस्था विकसित नहीं करते, तो डिजिटल प्रगति का लाभ अपराधियों को अधिक मिलेगा और आम नागरिक असुरक्षित महसूस करेंगे।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

मेष-मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन उपलब्धियों से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में अतिरिक्त लाभ के संकेत हैं।

वृषभ-वृषभ राशि वालों के लिए आज परिवार के साथ सामंजस्य बनाए रखना महत्वपूर्ण रहेगा। किसी पुराने मतभेद को बातचीत से सुलझाने का अवसर मिल सकता है। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी।

मिथुन-मिथुन राशि के जातकों के लिए आज नए अवसरों का दिन है। व्यापार और नौकरी में लाभदायक योजनाओं से जुड़ने का अवसर मिल सकता है। किसी नए व्यक्ति पर भरोसा करने से पहले पूरी जानकारी अवश्य लें। अनावश्यक यात्राओं से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा।

कर्क-कर्क राशि वालों के लिए संपत्ति और निवेश से जुड़े मामलों में सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। यदि किसी नई योजना पर विचार कर रहे हैं तो सोच-समझकर निर्णय लें। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली की सराहना होगी।

सिंह-सिंह राशि के जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सम्मान और अधिकार मिल सकते हैं। लंबे समय से रुका हुआ कोई कार्य पूरा होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा और परिवार में किसी शुभ आयोजन की योजना बन सकती है।

कन्या-कन्या राशि वालों को आज परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की आवश्यकता होगी। कार्यस्थल पर विरोधियों की गतिविधियों पर नजर रखें, लेकिन विवाद से बचें। भावनात्मक मामलों में जल्दबाजी से बचना उचित रहेगा। यात्रा करते समय आवश्यक सावधानी बरतें।

तुला-तुला राशि के लिए आज का दिन रचनात्मक कार्यों में सफलता दिलाने वाला हो सकता है। कला, साहित्य, शिक्षा और सृजनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को सम्मान मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि वालों को आज संपत्ति और वित्तीय मामलों में विशेष सतर्कता बरतनी होगी। किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले अच्छी तरह जांच कर लें। आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर झुकाव बढ़ सकता है। धैर्य और संयम से लिया गया निर्णय आपके हित में रहेगा।

धनु-धनु राशि के जातकों के लिए आज मेहनत का उचित परिणाम मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की सराहना होगी। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के साथ बातचीत में विनम्रता बनाए रखें।

मकर-मकर राशि वालों के लिए आज का दिन परिश्रम और उपलब्धियों का संतुलन लेकर आएगा। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और नए लोगों से संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित हो सकते हैं।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज ज्ञान और अनुभव का लाभ मिलेगा। आपकी सलाह से दूसरे लोग प्रभावित हो सकते हैं। शिक्षा, प्रबंधन और प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

मीन-मीन राशि वालों को आज किसी भी नए कार्य की शुरुआत पूरी तैयारी के साथ करनी चाहिए। जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। पुराने निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। लंबी दूरी की यात्रा यदि टाली जा सके तो बेहतर रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलित निर्णय भविष्य के लिए लाभकारी साबित होंगे।

मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से गरीबों को मिल रहा पक्का आशियाना

(आदर अदीब पावेल बन्धु)
जिला सूचना अधिकारी

मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब, आवासहीन एवं कच्चे मकानों में निवास कर रहे परिवारों को पक्का और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। आवास केवल रहने का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन का आधार भी होता है। समाज के कमजोर वर्गों के लिए अपना घर होना आत्मनिर्भरता और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से उन पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया है, जो किसी कारणवश अन्य आवासीय योजनाओं का लाभ नहीं ले सके। ग्रामीण भारत में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार रहे हैं, जो वर्षों से कच्चे मकानों, झोपड़ियों अथवा अस्थायी आश्रयों में जीवन यापन करते आए हैं। बरसात, गर्मी, सर्दी और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान इन परिवारों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कच्चे घरों की असुरक्षा के कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का जीवन विशेष रूप से प्रभावित होता है। ऐसे में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीबों के जीवन में सुरक्षा, स्थायित्व और सम्मान लाने की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में सामने आई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन ग्रामीण गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है, जो आवासहीन हैं या जर्जर एवं कच्चे मकानों में रह रहे हैं। साथ ही, ऐसे पात्र परिवार जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) या अन्य योजनाओं से लाभ नहीं मिल पाया, उन्हें इस योजना के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है। सरकार की मंशा है कि कोई भी गरीब परिवार बिना छत के न रहे और प्रत्येक जरूरतमंद को सम्मानजनक आवास मिल सके। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को पक्का मकान निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता चरणबद्ध तरीके से किस्तों में दी जाती है, जिससे निर्माण कार्य सुचारु रूप से पूरा हो सके। आमतौर पर प्रथम किस्त निर्माण प्रारंभ करने हेतु, द्वितीय किस्त निर्माण की प्रगति के आधार पर तथा अंतिम किस्त निर्माण पूर्ण होने पर दी जाती है। इस प्रक्रिया से यह सुनिश्चित किया जाता है कि धनराशि का उपयोग वास्तव में आवास निर्माण में ही हो। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) विशेष रूप से गरीब, असहाय, वंचित, निराश्रित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन, महिला मुखिया परिवारों तथा अन्य जरूरतमंद वर्गों को प्राथमिकता देती है। योजना में सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की भावना निहित है, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचे।लाभार्थियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र परिवारों की पहचान की जाती है और स्थानीय प्रशासन द्वारा सत्यापन के बाद लाभार्थियों को सूचीबद्ध किया जाता है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजना का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। पारदर्शिता और जवाबदेही इस योजना की प्रमुख विशेषताएं हैं। यह योजना केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण जीवन स्तर को बेहतर बनाने का माध्यम भी है। पक्का घर मिलने से गरीब परिवारों को सुरक्षित वातावरण मिलता है, जिससे उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बच्चे बेहतर माहौल में पढ़ाई कर पाते हैं, महिलाएं सुरक्षित महसूस करती हैं और बुजुर्गों को भी आरामदायक जीवन मिलता है। पक्का आवास गरीब परिवारों के लिए सामाजिक सम्मान का भी आधार बनता है। पहले जो परिवार झोपड़ी या जर्जर कच्चे घरों में रहते थे, उन्हें समाज में अक्सर उपेक्षा का सामना करना पड़ता था। लेकिन अपना पक्का घर मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और सामाजिक प्रतिष्ठा भी मजबूत होती है। यह योजना गरीबों के जीवन में केवल भौतिक परिवर्तन नहीं लाती, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक बदलाव लाती है। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) महिलाओं के सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कई मामलों में आवास महिला के नाम या पति-पत्नी के संयुक्त नाम पर स्वीकृत किए जाते हैं, जिससे महिलाओं को संपत्ति में अधिकार मिलता है। इससे महिलाओं की सामाजिक स्थिति मजबूत होती है और परिवार में उनकी निर्णय क्षमता भी बढ़ती है। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम है। स्वच्छता और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह योजना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। पक्के घरों में स्वच्छ वातावरण, बेहतर वेंटिलेशन और सुरक्षित संरचना होने के कारण बीमारियों का खतरा कम होता है। साथ ही स्वच्छता से जुड़े अन्य प्रयासों को भी बढ़ावा मिलता है। इस प्रकार यह योजना अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य सुधार में भी सहायक सिद्ध हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आवास निर्माण से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। निर्माण कार्य में मजदूरों, राजमिस्त्रियों, कारीगरों और निर्माण सामग्री की मांग बढ़ती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलती है। इस प्रकार यह योजना रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी योगदान देती है। उत्तर प्रदेश सरकार गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रही है। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) इसी प्रतिबद्धता का परिणाम है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र गरीब परिवार को आवास सुविधा उपलब्ध हो और ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीनता समाप्त हो। इस दिशा में निरंतर कार्य करते हुए बड़ी संख्या में लाभार्थियों को इस योजना का लाभ दिया गया है। योजना के माध्यम से हजारों गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन में बदलाव लाया गया है। इससे न केवल उनकी रहने की स्थिति सुधरी है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा और जीवन स्तर में भी वृद्धि हुई है। यह योजना ग्रामीण विकास और समावेशी प्रगति की दिशा में एक मजबूत कदम सिद्ध हुई है। हालांकि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियां भी सामने आती हैं, जैसे पात्र लाभार्थियों की सही पहचान, निर्माण कार्य की समयबद्धता, दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच औरजागरूकता का अभाव। लेकिन सरकार इन चुनौतियों से निपटने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। तकनीकी साधनों, निगरानी तंत्र और प्रशासनिक सक्रियता के माध्यम से योजना को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) वास्तव में गरीबों के लिए सम्मानजनक जीवन की नींव रखने वाली योजना है। यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदना का प्रतीक है। जब किसी गरीब परिवार को अपना पक्का घर मिलता है, तो वह केवल दीवारें और छत नहीं होती, बल्कि एक सुरक्षित भविष्य, नई आशा और आत्मसम्मान का आधार बनती है। ग्रामीण विकास के व्यापक परिप्रेक्ष्य में यह योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। आवासीय सुरक्षा मिलने के बाद गरीब परिवार शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका जैसे अन्य क्षेत्रों में भी आगे बढ़ने में सक्षम होते हैं। इससे आत्मनिर्भर ग्रामीण समाज के निर्माण को बल मिलता है। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सरकार की उस सोच को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प निहित है। यह योजना गरीबों के सपनों को साकार करने, सामाजिक असमानता को कम करने और समृद्ध ग्रामीण उत्तर प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीबों के जीवन में आशा, सुरक्षा और सम्मान का संचार करने वाली एक प्रभावशाली योजना है। यह योजना केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के समग्र विकास की आधारशिला है। आने वाले समय में इस योजना के माध्यम से और अधिक जरूरतमंद परिवारों को लाभान्वित कर 'हर गरीब को आवास' के लक्ष्य को और अधिक मजबूती से साकार किया जा सकेगा।

आवास केवल रहने का साधन नहीं, बल्कि समान, सुरक्षा और बेहतर जीवन का आधार भी होता है। समाज के कमजोर वर्गों के लिए अपना घर होना आत्मनिर्भरता और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने मुयमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से उन पात्र परिवारों को आवास उपलध कराने का प्रयास किया है, जो किसी कारणवश अन्य आवासीय योजनाओं का लाभ नहीं ले सके।

जनपद गाजियाबाद में अंत्योदय और समावेशी विकास से साकार होता दिव्यांगजन सशक्तिकरण

प्रदेश सरकार के सर्वांगीण और समावेशी विकास के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की गई है। 'सहानुभूति नहीं, अधिकार एवं अवसर' के प्रगतिशील विचार को अपनाते हुए प्रदेश सरकार द्वारा एक ऐसे बाधा-मुक्त और सुगम वातावरण का निर्माण किया जा रहा है, जहां प्रत्येक दिव्यांग नागरिक गरिमा, स्वाभिमान और पूर्ण आत्मनिर्भरता के साथ समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान दे सके। इस दिशा में प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी प्राथमिकताओं और पारदर्शी प्रशासनिक तंत्र के मार्गदर्शन में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी संकल्पना को साकार करते हुए जनपद गाजियाबाद ने 'सबका साथ, सबका विकास और अंत्योदय' के मूलभूत मंत्र को अपनाते हुए दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिला प्रशासन के निरंतर प्रयासों से परंपरागत दयाभाव की अवधारणा को पीछे छोड़ते हुए दिव्यांगजनों को पूर्ण आत्मसम्मान और स्वावलंबन युक्त जीवन प्रदान करने का एक सुदृढ़ मॉडल आकार ले चुका है। जिला प्रशासन द्वारा विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। जनपद गाजियाबाद में लागू की गई इस रणनीतिक कार्ययोजना के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला प्रशासन और सहयोगी संस्थाओं के परस्पर समन्वय से अब तक जनपद में दस हजार से अधिक दिव्यांगजनों को विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र, स्वास्थ्य कार्ड, राशन कार्ड और प्रामाणिक दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत किए जा चुके हैं। पारदर्शी व्यवस्था और त्वरित क्रियान्वयन के चलते जिले के दूरस्थ क्षेत्रों तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुंच अत्यंत सुगम बन गई है। प्रदेश सरकार की सबसे व्यापक सामाजिक सुरक्षा पहल के अंतर्गत दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना के माध्यम से पात्र नागरिकों को प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने और बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त करने के लिए यह धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जा रही है। इस आर्थिक संबल से जनपद के हजारों लाभार्थी अपने दैनिक जीवन-यापन को सुगमता से संचालित कर रहे हैं। इसी कड़ी में कुष्ठ रोग से मुक्त हुए किन्तु दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति विशेष मानवीय संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें भी एक सम्मानजनक उच्चीकृत पेंशन राशि प्रदान की जा रही है। इस विशेष आर्थिक सहायता का मुख्य उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों का समाज में उचित पुनर्वास सुनिश्चित करना और उन्हें एक गरिमामय जीवन-यापन का अधिकार प्रदान करना है। आर्थिक सहायता के अतिरिक्त दिव्यांगजनों की भौतिक सुगमता और गतिशीलता बढ़ाने के लिए सहायक उपकरण योजना अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जाने वाले नियमित मूल्यांकन एवं वितरण शिविरों के माध्यम से मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, वॉकर, श्रवण यंत्र और दृष्टिबाधितों के लिए आधुनिक उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन उपकरणों के वितरण ने दिव्यांगजनों के दैनिक जीवन को बेहद सरल और सुलभ बना दिया है। आधुनिक तकनीक से लैस उपकरणों की उपलब्धता से जनपद गाजियाबाद के दिव्यांग युवाओं, विद्यार्थियों और छोटे व्यापारियों की अपने कार्यस्थल एवं शिक्षण संस्थानों तक पहुँच सुगम हुई है, जिससे उनकी उत्पादकता में क्रांतिकारी बदलाव आया है। इसके साथ ही, प्रदेश सरकार के परिवहन निगम की बसों में दिव्यांगजनों एवं उनके एक सहयोगी के लिए निःशुल्क यात्रा की सुविधा ने उनकी गतिशीलता को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। शिक्षा और कौशल विकास को सशक्तिकरण का मूलमंत्र मानते हुए प्रदेश सरकार ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की एक सुदृढ़ व्यवस्था लागू की है। प्राथमिक विद्यालय से लेकर उच्च शिक्षा और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए विशेष छात्रवृत्तियां प्रदान की जा रही हैं। जनपद गाजियाबाद में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के बौद्धिक, मानसिक और सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित शिक्षण एवं प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित की गई है। विशिष्ट शिक्षण केंद्रों के माध्यम से श्रवण, वाक एवं अन्य शारीरिक भिन्नताओं से प्रभावित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सामान्य शिक्षा के साथ-साथ वैज्ञानिक पद्धतियों पर आधारित स्पीच थेरेपी, कंप्यूटर साक्षरता और डिजिटल कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के संवर्धन हेतु विशेष सत्र भी आयोजित किए जाते हैं। इन समन्वित प्रयासों के फलस्वरूप जिले के विशेष बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर निरंतर पदक व सम्मान अर्जित कर रहे हैं। दिव्यांगजनों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण और आजीविका सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जनपद गाजियाबाद में बहुआयामी स्वरोजगार एवं रोजगार मॉडल लागू किए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा विशेष रूप से तैयार की गई सचल व्यावसायिक इकाइयों के माध्यम से दिव्यांग उद्यमियों को स्थानीय स्तर पर व्यापार संचालित करने के सुरक्षित अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। यह कदम उन्हें सीधे तौर पर आजीविका से जोड़ने में अत्यधिक कारगर सिद्ध हो रहा है। इसके साथ ही, जिला प्रशासन द्वारा निजी प्रतिष्ठानों और प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयों के साथ समन्वय स्थापित कर दिव्यांग युवाओं की योग्यता एवं कौशल के अनुसार उन्हें सम्मानजनक नौकरियों में समायोजित कराया जा रहा है। प्रदेश सरकार की सूक्ष्म ऋण सुविधाओं के माध्यम से दिव्यांग उद्यमियों को लघु उद्योग स्थापित करने हेतु रियायती ब्याज दरों पर ऋण तथा अनुदान भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इन रोजगारोन्मुख प्रयासों से सैकड़ों दिव्यांगजन आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवारों के मुख्य संबल के रूप में उभरे हैं।

दिव्यांगजनों के सामाजिक एकीकरण और पारिवारिक जीवन को स्थायित्व प्रदान करने के ध्येय से लागू शादी प्रोत्साहन पुरस्कार योजना प्रदेश सरकार की एक विशिष्ट और संवेदनशील पहल है। इसके तहत विवाह करने पर सरकार की ओर से प्रोत्साहन धनराशि सीधे बैंक खाते में प्रदान की जा रही है। यह योजना दिव्यांगजनों के प्रति व्याप्त सामाजिक भ्रांतियों और उपेक्षात्मक सोच को समाप्त करने में एक मील का पत्थर साबित हुई है। आवश्यकतानुसार शल्य चिकित्सा हेतु अनुदान भी निर्बाध रूप से उपलब्ध कराया जा रहा है। सार्वजनिक सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन के स्तर पर एक संवेदनशील एवं जवाबदेह पैरवी तंत्र कार्यरत है। परिवहन एवं रेल यात्रा रियायत पत्रों के निर्गमन और विभागीय बाधाओं के त्वरित निवारण हेतु जनपद गाजियाबाद में नियमित अंतराल पर सुगम समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। प्रदेश सरकार के अभियानों के तहत सभी प्रमुख प्रशासकीय भवनों, न्यायालयों, शैक्षणिक संस्थानों और बस अड्डों को रैंप तथा अन्य सुविधाओं के माध्यम से पूर्णतः बाधारहित बनाया जा रहा है। जनपद गाजियाबाद में दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में प्राप्त इस असाधारण सफलता का मुख्य आधार जिला प्रशासन की संवेदनशीलता, तत्परता और निरंतर अनुश्रवण रहा है। प्रदेश सरकार की दूरदर्शी नीतियों का सुचारू क्रियान्वयन यह स्पष्ट करता है कि यदि दिव्यांगजनों को उचित अवसर और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाए, तो वे किसी पर निर्भर रहने के बजाय राष्ट्र निर्माण के सशक्त स्तंभ बन सकते हैं। भविष्य की कार्ययोजनाओं को रेखांकित करते हुए जनपद गाजियाबाद में शिक्षा का आधुनिकीकरण, उन्नत व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्टार्टअप सहयोग तथा पूर्णतया बाधारहित अवसंरचना के निर्माण की दिशा में प्रयास और भी तेज किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन की यह दृढ़ प्रतिबद्धता है कि आगामी समय में आधुनिक तकनीक और नवाचारों का वृहद उपयोग कर प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन को सशक्त, सक्षम और स्वावलंबी बनाया जाएगा, जिससे समावेशी विकास और उन्नत राष्ट्र की संकल्पना को निरंतर गति मिल सके।

सूचनाधिकारी जनपद गाज़ियाबाद/ डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

प्रोसेस्ड भोजन और सुस्त जीवनशैली बढ़ा रहे स्वास्थ्य संकटः विशेषज्ञ

बदलती खान-पान की आदतें, प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का बढ़ता सेवन और शारीरिक गतिविधियों में लगातार कमी भारतीयों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। जाने-माने गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट एवं एआईजी हॉस्पिटल्स के सेंटर फॉर ओबेसिटी एंड मेटाबोलिक थेरेपी के निदेशक डॉ. राकेश कलापाला ने चेतावनी दी है कि मोटापे को केवल बढ़ते वजन के रूप में नहीं, बल्कि पूरे शरीर को प्रभावित करने वाली जटिल मेटाबोलिक बीमारी के रूप में देखा जाना चाहिए। आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में डॉ. कलापाला ने कहा कि आज के समय में अत्यधिक प्रोसेस्ड भोजन, रिफाइंड शुगर, अधिक कार्बोहाइड्रेट और खराब वसा से भरपूर खाद्य पदार्थ तेजी से लोगों की जीवनशैली का हिस्सा बन चुके हैं। यही कारण है कि मोटापा, फैटी लिवर, मधुमेह

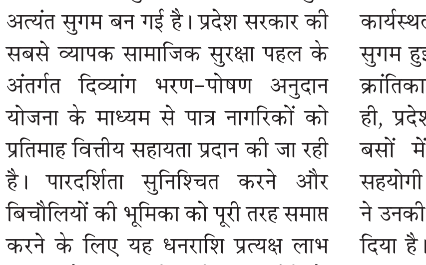

और अन्य मेटाबोलिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रोसेस्ड फूड भूख और खाने की इच्छा को और बढ़ा देता है, क्योंकि ऐसे खाद्य पदार्थों से लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस नहीं होता। इनमें प्रोटीन की कमी और अस्वास्थ्यकर वसा की अधिक मात्रा शरीर के मेटाबोलिज्म पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। डॉ. कलापाला ने कहा कि आज बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी फैटी लिवर जैसी बीमारी का शिकार हो रहे हैं, जो न तो शराब का सेवन करते हैं और न ही मांसाहार करते हैं। इसके पीछे बदलती जीवनशैली, तनाव और असंतुलित खान-पान प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बताया कि फैटी लिवर लंबे समय तक बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर में विकसित होता रहता है। अधिकांश मामलों में इसका पता अल्ट्रासाउंड या लिवर फंक्शन टेस्ट के दौरान चलता है। जब तक बीमारी सामने आती है, तब तक लिवर को काफी नुकसान पहुंच चुका होता है। विशेषज्ञ के अनुसार, अत्यधिक मानसिक तनाव और घंटों तक बैठे रहने की आदत भी मेटाबोलिक बीमारियों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि तनाव के कारण लोग अधिक भोजन करने लगते हैं और शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं, जिससे मोटापा और उससे जुड़ी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने सलाह दी कि हर 30 से 60 मिनट के बीच कम से कम एक-दो मिनट तक टहलना चाहिए, ताकि लंबे समय तक बैठे रहने के दुष्प्रभाव कम किए जा सकें। डॉ. कलापाला ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि देश में बच्चों में मोटापे की दर 15 से 18 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि कई मामलों में मोटापे की शुरुआत गर्भावस्था के दौरान ही हो जाती है। यदि गर्भवती महिला का वजन अधिक होता है, तो उसका प्रभाव बच्चे पर भी पड़ता है। इसके अलावा पढ़ाई का बढ़ता दबाव, खेलकूद की कमी और डिजिटल उपकरणों पर बढ़ती निर्भरता भी बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। डॉ. कलापाला ने गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (जीईआरडी) के लिए बिना चिकित्सकीय सलाह के लंबे समय तक एंटासिड दवाओं के सेवन पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इन दवाओं का अनियंत्रित उपयोग हड्डियों और किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है तथा कुछ शोधों में इसे पेट के कैंसर के बढ़ते जोखिम से भी जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि पेट से जुड़ी समस्याओं को अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं और तब तक इलाज नहीं कराते, जब तक गंभीर लक्षण सामने नहीं आ जाते। इससे कोलोन पॉलीप्स, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। डॉ. कलापाला ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए बहुत अधिक वजन घटाना जरूरी नहीं है। यदि कोई व्यक्ति अपने कुल वजन का केवल 10 प्रतिशत भी कम कर लेता है, तो इससे उसके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायालय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

बैनामे की भूमि पर कब्जा करने का लगाया आरोप

सहजनवा/गोरखपुर: गीडा थाना क्षेत्र के भरसाड में बैनामे की भूमि पर मनबढ़ ने कब्जा कर रखा है। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई करने की मांग किया है। मिली जानकारी से थाना क्षेत्र भरसाड निवासी मीना देवी पत्नी महेंद्र निषाद ने आरोप लगाया कि अपने ससुर लक्ष्मी से 10सितंबर 2025 में दान पत्र रजिस्ट्री कराया है। जिसका नामान्तरण भी हो गया है। आराजी संख्या 458 और 1281 जो खतौनी में दर्ज भी है। लेकिन गांव का एक मनबढ़ इस भूमि पर जबरन कब्जा कर रखा है। विरोध करने पर मारपीट पर आमादा हो रहा है।पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई कराने की मांग की है। इस संदर्भ में थानेदार अश्वनी कुमार पांडेय ने कहा कि जमीन संबंधित विवाद है। यदि जबरन कब्जा किया गया है तो कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने 53 उपनिरीक्षकों के किए तबादले, कई थानों और चौकियों की बदली कमान

देवरिया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जनपद में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 53 उपनिरीक्षकों (एसआई) का स्थानांतरण कर दिया है। जारी आदेश के तहत कई चौकी प्रभारियों, एसएसआई और पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षकों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। तबादला सूची के अनुसार पुलिस लाइन से बड़ी संख्या में उपनिरीक्षकों को विभिन्न थानों और चौकियों पर तैनाती दी गई है। वहीं कई थानों और चौकियों पर कार्यरत उपनिरीक्षकों का भी दूसरे थानों एवं शाखाओं में स्थानांतरण किया गया है। नई तैनातियों में थाना कोतवाली, रुद्रपुर, गौरीबाजार, महुआडीह, सलेमपुर, भटनी, बरहज, लार, खुखुन्दू, बरियारपुर, बनकटा, खामपार, तरकुलवा, मईल, सुरौली सहित कई थानों और चौकियों में बदलाव किया गया है। इसके अलावा साइबर थाना, एंटी थेफ्ट टीम, फील्ड यूनिट, सम्मन सेल और आशा ज्योति केंद्र में भी नई नियुक्तियां की गई हैं। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि सभी स्थानांतरित उपनिरीक्षक तत्काल नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। यह फेरबदल पुलिस व्यवस्था को अधिक चुस्त-दुरुस्त और कार्यकुशल बनाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर ट्रक में पीछे से घुसी कार, चालक की मौत

उन्नाव। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। भीषण टक्कर में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार चार अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर-288 पर बारातीखेड़ा गांव के पास रात करीब दो बजे हुआ। बताया गया कि कार लखनऊ से बांगरमऊ की ओर जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चालक आदर्श शुक्ला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाने गई राजस्व टीम पर हमला

सात नामजद समेत 15 अज्ञात पर मुकदमा हुआ दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर: गोला थाना क्षेत्र के ग्राम चाड़ी में सरकारी बंजर भूमि से अवैध कब्जा हटाने पहुंची राजस्व टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। पुलिस ने राजस्व लेखपाल की तहरीर पर सात नामजद और 10-15 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। राजस्व लेखपाल मनीष कुमार यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उपजिलाधिकारी गोला मनीष कुमार के निर्देश पर राजस्व टीम पुलिस बल के साथ ग्राम चाड़ी स्थित एक बंजर भूमि से अवैध कब्जा हटाने पहुंची थी।

टीम नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान अवैध कब्जाधारियों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए सरकारी कार्य में बाधा डाली तथा धक्का-मुक्की, गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। तहरीर के अनुसार जयहिन्द, श्यामलाल, अरुण, सुशीला देवी, गिरजावती देवी, सुजीत सहित 10 से 15 अज्ञात लोगों ने राजस्व टीम के साथ हिंसक हो गयें। घटना में लेखपाल मनीष कुमार यादव और लेखपाल टीपू राय को हल्की चोटें आई। मौके पर राजस्व निरीक्षक पृथ्वीनाथ गुप्ता, लेखपाल सोनू कुमार और नायब तहसीलदार बालचंद चौहान भी मौजूद थे। पुलिस बल के हस्तक्षेप के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। राजस्व लेखपाल मनीष कुमार यादव ने बताया कि उपजिलाधिकारी मनीष कुमार के आदेश पर राजस्व टीम पुलिस बल के साथ सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाने गई थी। कार्रवाई पूरी तरह शासन के निर्देशों के अनुरूप की जा रही थी, लेकिन कब्जाधारियों ने विरोध करते हुए सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई और टीम के साथ मारपीट की। मामले की तहरीर पुलिस को दी गई, जिस पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी सीपी पाण्डेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर बीएनएस की धाराएं 191(2), 223, 329(3), 132, 121(1), 352 एवं 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया गया है।

बी आर सी केंद्र पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

मनकापुर गोण्डा: ब्लॉक संसाधन केंद्र रसूल पुर खान मे एफ एल एन प्रशिक्षण खण्ड शिक्षा अधिकारी बभनजोत एजाज अहमद की अध्यछता मे आयोजन का आरम्भ किया गया।खण्ड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि यह प्रशिक्षण पांच दिवसीय रहेगा इसमेंसमस्त प्राथमिक स्तर पर शिक्षक और शिक्षा मित्र प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे इसमें पाठ्य पुस्तक, संन्द्रभिका, प्रिंट रिच मटेरियल, तालिका, प्रगति पत्र, प्रभावी शिक्षण पर विस्तृत चर्चा किया गया।

इस प्रशिक्षण मे काजी इसरत मोहम्मद मुस्तगीन, सैय्यद इक रार अहमद,दिवाकर जायसवाल,एवं अहमद अली विभिन्न टॉपिक पर चर्चा परिचर्चा किया प्रशिक्षण व्यवस्थापक ने बताया कि यह प्रशिक्षण ऑनलाइन है जो प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित किया जाएगा।इस अवसर पर राम बिलास वर्मा सहित अन्य स्टॉफ मौजूद रहे।

सीएचसी में 2 दिन में 330 किशोरियों का टीकाकरण; 30 अगस्त तक मेले व सत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा पिपरौली— सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) पिपरौली में चल रहे HPV (मानव पैपिलोमावायरस) टीकाकरण अभियान के तहत गत 05 अगस्त 2026 को 155 किशोरियों को टीका लगाया गया और 06 अगस्त 2026 को दोपहर 3 बजे तक कुल 175 किशोरियों का टीकाकरण पूरा हो चुका है, जिससे इन दो दिनों में कुल 330 किशोरियों को वैक्सीन दी जा चुकी है। CHC पिपरौली द्वारा बताया गया है कि HPV टीकाकरण कार्यक्रम को 30 अगस्त 2026 तक जारी रखा जाएगा। यह टीकाकरण विभिन्न सत्रों में आयोजित किया जा रहा है, जिनमें CHC, उपकेंद्र, टीकाकरण सत्र और PHC आरोग्य मेले शामिल हैं ताकि अधिक से अधिक लक्ष्य समूह तक सेवा पहुंच सके।

अधीक्षक डॉ. शिवानन्द मिश्रा ने उपकेंद्र बरवार, नौसढ़, खरैला तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर खरैला का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ANM और आशा कर्मचारियों को अधिकाधिक किशोरियों को टीका लगाने के निर्देश दिए तथा समुदाय में जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। निरीक्षण कार्यक्रम में ARO पूनम, BCPM शिव बहादुर यादव तथा HS हेमंत कुमार भी उपस्थित रहे।

फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाली युवती पर कार्रवाई की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा/गोरखपुर: सहजनवा थाना क्षेत्र के सोनबरसा उर्फ हड़हा में एक युवती द्वारा बार बार ग्रामीणों को फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने तथा एक पीड़ित पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने सीओ गीडा को शिकायत पत्र सौंप कर कार्रवाई कराने की मांग किया है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे प्रधान इंद्रेश साहनी ने आरोप लगाया गांव की एक महिला से गांव के लोग काफी परेशान है। उसके द्वारा लोगों को फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जाती है। 2012 में गांव के युवक राजकुमार पर फर्जी मुकदमे दर्ज कराकर जेल भेजवा चुकी है।

करीब 14 वर्ष बाद युवक जेल से छूटा और सीधे महाराष्ट्र चला गया। तब से अभी तक घर नहीं आया। विवादित महिला ने उस पर मारपीट गाली गलौज फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया। वह करीब चार माह से महाराष्ट्र में

करीब तीन दर्जन की संख्या में ग्रामीणों ने सीओ गीडा से किया शिकायत

रह रहा है। यही नहीं राजकुमार के पिता को फालिज मार चुका है। वह उठ बैठ नहीं सकते उन पर भी महिला ने फर्जी तरीके से मुकदमा दर्ज करा रही है। ग्रामीणों ने मांग किया है कि सभी मुकदमे का निष्पक्ष जांच कराकर विवादित महिला पर कानूनी कार्रवाई किया जाय। प्रदर्शन करने वालो में सुरेन्द्र निषाद, विक्रम साहनी, कन्हैया, रामरूप, कुसुम, मंशा, कलावती,पूजा, निर्जला, इंद्रावती सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली रजबहा में पलटी, मजदूर की मौत

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात ट्रैक्टर-ट्रॉली के रजबहा में पलट जाने से एक मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया। घटना ने एक बार फिर ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवारी ढोने की प्रवृत्ति और सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस के अनुसार, हादसा रसूलाबाद-पानापुर संपर्क मार्ग पर गांव कुशलखेड़ा मजरा अरेर कला के पास रात करीब 10 बजे हुआ। अरेर कला निवासी गुड्डू (45) ट्रैक्टर-ट्रॉली से निजी कार्य से पानापुर कला जा रहे थे। ट्रॉली पर गांव के ही सरोज (25) और नन्हक्कू (45) भी सवार थे। बताया गया कि रास्ते में अचानक ट्रॉली असंतुलित होकर रजबहा में पलट गई। हादसे में नन्हक्कू ट्रॉली के नीचे दब गए और पानी में डूब गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर आसीवन थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से ट्रॉली के नीचे दबे नन्हक्कू को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

बाढ़ को लेकर प्रशासन सतर्क, डीएम ने गंगा तटीय क्षेत्रों का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जिले में संभावित बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने विकासखंड फतेहपुर चौरासी के गंगा तटीय बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों काली मिट्टी, शिवराजपुर मार्ग और दबौली का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं बचाव तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को समय रहते सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने उपजिलाधिकारी बांगरमऊ और सफीपुर को संभावित बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित शरणालयों का चयन कर वहां पेयजल, बिजली, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं पहले से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए डीएम ने कहा कि मेडिकल टीमों का तत्काल गठन किया जाए।

प्रत्येक टीम के पास एंटी वेनम के साथ डायरिया, बुखार, खांसी-जुकाम सहित अन्य जरूरी दवाओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध रहे, ताकि आपात स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल उपचार मिल सके। जिलाधिकारी ने पशुओं के लिए भूसा-चारे की पर्याप्त व्यवस्था करने, संभावित बाढ़ से प्रभावित फसलों का सर्वे कराने तथा गंगा के जलस्तर की लगातार निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में प्रभावित गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की पूरी तैयारी पहले से सुनिश्चित की जाए। डीएम ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी नागरिक को परेशानी न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और हर स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखें। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि किसी भी समस्या की सूचना तत्काल प्रशासन को दें तथा अफवाहों पर ध्यान न दें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड़, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र लाल, उपजिलाधिकारी बांगरमऊ बृजमोहन शुक्ला, उपजिलाधिकारी सफीपुर फाल्गुनी सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगेगा उनवल, 12 अगस्त को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी (गोरखपुर)। आज़ादी के अमृत महोत्सव एवं 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 12 अगस्त को नगर पंचायत उनवल में आयोजित होने वाली भव्य तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी उनवल मंडल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में यात्रा को ऐतिहासिक, भव्य और अनुशासित ढंग से आयोजित करने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई तथा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक के मुख्य अतिथि मंडल प्रभारी जगदीश चौरसिया ने कहा कि तिरंगा यात्रा राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जनसंपर्क कर अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि एवं नगर पंचायत उनवल

के अध्यक्ष महेश कुमार दुबे ने नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और विद्यार्थियों से बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल होकर इसे ऐतिहासिक बनाने की अपील की। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष इन्द्र कुमार निगम ने की। उन्होंने बताया कि सभी बूथों और शक्ति केंद्रों पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। साथ ही क्षेत्र के सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा मदरसों से संपर्क कर विद्यार्थियों और शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि राष्ट्रप्रेम का संदेश जन-जन तक पहुंचे। कार्यक्रम का

घर-घर जनसंपर्क, स्कूलों-मदरसों की भागीदारी से ऐतिहासिक बनाने की तैयारी : महेश दुबे

संचालन मंडल महामंत्री एवं तिरंगा यात्रा संयोजक योगेश वर्मा ने किया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से समयबद्ध एवं अनुशासित तरीके से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 अगस्त 2026 को सुबह 8 बजे नगर पंचायत कार्यालय, उनवल से अंबेडकर चौराहा तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसमें जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, व्यापारी, छात्र-छात्राएं, महिलाएं और बड़ी संख्या में नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति का संदेश देंगे। बैठक में विजय तिवारी, योगेन्द्र साहनी, प्रदीप सिंह, लाल बाबू साहनी सहित मंडल के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी ने तिरंगा यात्रा को सफल बनाने का संकल्प लिया।

हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी, 356 वाहनों के चालान, मिशन शक्ति से महिलाओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। देवरिया पुलिस ने गुरुवार को अपराध नियंत्रण, सड़क सुरक्षा और महिला सुरक्षा को लेकर एक साथ कई मोर्चों पर कार्रवाई की। भटनी थाना पुलिस ने किशोर की हत्या के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया। वहीं यातायात अभियान में 356 वाहनों का चालान और तीन वाहन सीज किए गए। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन की जानकारी देकर जागरूक भी किया गया।

हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी

भटनी थाना पुलिस ने 16 वर्षीय किशोर की हत्या के मामले में वांछित दिलखुश को चांदपार अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया। पुलिस के अनुसार 4 अगस्त की रात आपसी विवाद में चाकू मारने से किशोर गंभीर रूप से घायल हुआ था, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। विवेचना के बाद मुकदमे में हत्या की धारा जोड़ते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई शुरू कर दी गई।

356 वाहनों के चालान, 3 वाहन सीज

पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में यातायात पुलिस ने इंटरसेप्टर वाहन और स्पीड लेजर गन से सलेमपुर मार्ग पर ओवरस्पीड वाहनों की जांच की। पूर्वा तिराहा और मालवीय रोड पर बिना हेलमेट, तीन सवारी और दोषपूर्ण नंबर प्लेट वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान 356 वाहनों का चालान किया गया, जबकि गंभीर उल्लंघन मिलने पर तीन वाहन सीज किए गए।

मिशन शक्ति अभियान चला

जनपद के विभिन्न थानों की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीमों ने स्कूलों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं, छात्राओं और बालिकाओं को जागरूक किया। इस दौरान 112, 1090, 181, 1098, 1930 सहित अन्य हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने तथा किसी भी आपात स्थिति में संबंधित हेल्पलाइन का उपयोग करने की अपील की है।

पति पर गला दबाकर हत्या के प्रयास का आरोप, महिला ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

उन्नाव। गंगाघाट थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने अपने पति पर मारपीट कर गला दबाकर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने, मेडिकल रिपोर्ट की दोबारा जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गंगाघाट थाना क्षेत्र के मिश्रा कॉलोनी स्थित पुराने पुल के नीचे रहने वाली शिवानी कश्यप पत्नी सागर कश्यप का आरोप है कि 3 अगस्त 2026 को किसी बात को लेकर उनके पति ने उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान पति ने उनका गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद उनकी जान बच सकी। पीड़िता का कहना है कि जाते समय आरोपी ने दोबारा जान से मारने की धमकी भी दी। महिला के अनुसार घटना के बाद उन्होंने गंगाघाट थाने में शिकायत दर्ज कराई और जिला अस्पताल में चिकित्सीय परीक्षण कराया। उनका आरोप है कि मेडिकल रिपोर्ट में लगी चोटों का सही उल्लेख नहीं किया गया, जिससे मामले को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है।

कॉलेज ऑफ फार्मेसी में नशा मुक्ति व अंगदान जागरूकता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर गोंडा: हकीकुल्लाह चौधरी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में 'नशा मुक्त भारत अभियान' एवं 'अंगदान जीवन संजीवनी अभियान' के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं समाज में जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सेमिनार, पोस्टर प्रस्तुतीकरण, मौखिक प्रस्तुतीकरण, क्विज प्रतियोगिता तथा नशा मुक्ति एवं अंगदान जागरूकता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. जावेद अख्तर, सुश्री सुमन यादव एवं सुश्री प्रतिभा ने नशे के दुष्प्रभाव, नशा मुक्ति के उपाय तथा अंगदान के महत्व पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रतियोगिताओं में पोस्टर प्रस्तुतीकरण में मैसर बेगम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मौखिक प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता में फैयाज़ अहमद प्रथम रहे। क्विज प्रतियोगिता में टीम-बी (उस्मान खान, हुसैन खान, शेषिका यादव एवं मैसर बेगम) विजेता घोषित की गई। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने नशा मुक्त भारत के निर्माण तथा अंगदान के प्रति जन-जागरूकता फैलाने की सामूहिक शपथ ली।

इस अवसर पर डॉ. जावेद अख्तर एवं सत्य प्रकाश शुक्ल द्वारा लिखित पुस्तक 'Introduction to Pharmacognosy' का भव्य लोकार्पण भी किया गया। संस्थान के प्रबंधक मोहम्मद कमाल चौधरी ने विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज के निर्माण, अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने तथा जनस्वास्थ्य एवं राष्ट्रहित में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन अभिनाश साहू एवं शान्या पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रभाकर पाण्डेय, अशोक श्रीवास्तव, अल्तमश खान, मोहम्मद सलीम, अफसाना बेगम, इसरार अहमद, शुभम शुक्ल, कोमल गुप्ता एवं परवेज खान सहित संस्थान के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

मेरा कतरा-कतरा लहू भाजपा, राष्ट्र और जनता को समर्पित': रोहित पासी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार/जगदीशपुर, अमेठी। 184 विधानसभा जगदीशपुर के अशोक लॉन में पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं युवा भाजपा नेता रोहित पासी का जन्मदिवस हजारों समर्थकों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोगों की उपस्थिति में उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। समारोह में समर्थकों ने रोहित पासी का फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए उनके दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर अपने संबोधन में रोहित पासी ने भावुक अंदाज में कहा, 'मेरा कतरा-कतरा लहू राष्ट्र, भारतीय जनता पार्टी और 184 विधानसभा जगदीशपुर की जनता के लिए समर्पित है। मैं हमेशा क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में सहभागी रहा हूं और भविष्य में भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ जनसेवा करता रहूंगा। जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। 'उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित है और उसी मार्ग पर चलकर वे क्षेत्र के विकास, गरीबों के कल्याण तथा युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। उनके संबोधन पर उपस्थित समर्थकों ने जोरदार तालियों और नारों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी प्रदीप सिंह थोड़ी,

जगदीशपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राकेश विक्रम सिंह, अनुग्रह नारायण तिवारी, मीडिया विभाग के जिला सहसंयोजक सुशील कुमार मिश्रा, पत्रकार विकास शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य सोनू यज्ञसैनी, युवा भाजपा नेता अमित त्रिपाठी, मुन्ना त्रिवेदी, शुकुल बाजार व्यापार मंडल अध्यक्ष पंडित राम उंजेरे शुक्ला, गिरीश चंद्र पांडे उर्फ बिल्लू पांडे, विवेक माहेश्वरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष शंकर बक्श सिंह, मंडल महामंत्री उदय नारायण मिश्रा, मंडल अध्यक्ष शेखर तिवारी, प्रदीप दीक्षित, दीपचंद कौशल, संजीत कौशल, संजय कौशल, दीपचंद पांडे सहित हजारों भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक एवं क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।पूरे आयोजन के दौरान उत्सव जैसा माहौल रहा। समर्थकों ने केक काटकर जन्मदिन मनाया, रोहित पासी को शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में क्षेत्र के विकास तथा जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का विश्वास व्यक्त किया। समारोह भाजपा कार्यकर्ताओं के उत्साह, संगठनात्मक एकजुटता और जनसमर्थन का बड़ा प्रदर्शन माना गया।

अभाविप अम्बेडकर नगर का एक दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकर नगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का जिला अभ्यास वर्ग पांच सत्रों में संपन्न हुआ। प्रथम सत्र प्रस्ताविकी एवं उद्घाटन में प्रांत प्रवासी के नाते प्रांत सह संयोजक मानवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला प्रमुख डॉ शशांक मिश्र, जिला संयोजक सूर्यांश त्रिपाठी, जिला संगठन मंत्री शुभम तिवारी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत सुभारंम किया।

प्रस्ताविकी में जिला संयोजक सूर्यांश त्रिपाठी ने बताया की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला अभ्यास वर्ग के माध्यम से कार्यकर्ता निर्माण और उनकी सक्रियता बढ़ा कर परिषद के व्यापक स्वरूप को स्थापित करने का माध्यम है। प्रांत प्रवासी मानवेन्द्र सिंह ने कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से शैक्षिक परिसरों एवं सामाजिक क्षेत्र में विभिन्न आयाम कार्य गतिविधि के माध्यम से छात्र छात्राओं का व्यक्तित्व विकास कर उन्हें सामाज व राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करता है।

अभ्यास वर्ग के द्वितीय सत्र में विभाग सह प्रचार शैलेन्द्र, तहसील प्रमुख अकबरपुर डॉ सुशांत चतुर्वेदी, विभाग संयोजक अंकित सिंह की उपस्थिति रही। विभाग सह प्रचारक शैलेन्द्र भाई साहब ने कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का यह अभ्यास वर्ग अम्बेडकर नगर के कार्यकर्ताओं में असीम ऊर्जा का संचार कर अम्बेडकरनगर में विधार्थी परिषद का नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। विभाग संयोजक अंकित सिंह ने कहा परिसर कार्य, पर विषय रखते हुए कहा की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद परिसरों में अपने इकाईयों के माध्यम से अपने विभिन्न आयाम कार्य गतिविधि से छात्रों को सक्रिय कर रचनात्मक,आंदोलनात्मक, कार्यो को गति प्रदान करता है, डॉ सुशांत चतुर्वेदी तहसील प्रमुख अकबरपुर की उपस्थिति रही उन्होंने कहा परिसर में पढ़ने वाला हर विधार्थी कल का नहीं अपितु आज का नागरिक है इसका वर्तमान आने वाले भविष्य को सुनिश्चित करता है।

विधार्थी परिषद जैसे राष्ट्रवादी छात्र संगठन ने छात्र छात्राओं को सकारात्मक दिशा देकर भारत को विश्व गुरु बनाने का संकल्प लिया है। अभ्यास वर्ग के तृतीय सत्र में विभाग संगठन मंत्री अभय सिंह सानू,

जिला छात्रा प्रमुख अन्नु गौड़ की उपस्थिति रही। विभाग संगठन मंत्री अभय सिंह सानू ने सभी कार्यकर्ताओं को कार्यपद्धति के बारे में बताया। चतुर्थ सत्र में प्रांत प्रवासी मानवेन्द्र प्रताप सिंह, तहसील संयोजक शिवम राणा की उपस्थिति रही। प्रांत प्रवासी ने सभी कार्यकर्ताओं को सदस्यता के विषय में विस्तृत रूप मे बताया। अभ्यास वर्ग के अंतिम सत्र समारोप सत्र में जिला संगठन मंत्री शुभम तिवारी जी ने सभी कार्यकर्ताओं, विधालय परिवार के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। जिला अभ्यास वर्ग में उमंग, शिवांश, शिवांगी, अनुपम, सोली, पायल, राधिका, मान्या, कुनाल, रिषु, पूर्णिमा, साहित्था आदि सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा: इन्वर्टिस के पास दो ट्रकों की टक्कर में 2 की मौत

टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। नेशनल हाईवे पर बुधवार दोपहर भीषण हादसा हो गया। टायर फटने की वजह से आमने सामने आए दो ट्रकों की भिड़त हो गई जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। देर शाम एक मृतक की पहचान लखीमपुर खीरी के पसगवां थाना के सिमरा घाट गांव निवासी दिलवाग सिंह के रूप में हुई। जबकि दूसरे मृतक की पहचान नहीं हो सकी। घायल भी कुछ बताने की स्थिति में हैं। एक घायल व्यक्ति का पैर भी कट गया है। पुलिस का कहना हैं कि दूसरे मृतक की शिनाख्त का प्रयास जारी है। ट्रक मालिकों से संपर्क किया गया है। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा का एक ट्रक दिल्ली से सेब लेकर बिहार की ओर जा रहा था। इन्वर्टिस विश्वविद्यालय के सामने जीरो प्वाइंट पर अचानक से उस ट्रक का टायर फट गया। जिसकी वजह से वह अनियंत्रित हुआ और रांग साइड (शाहजहांपुर से दिल्ली की ओर) आ गया। उधर, मध्य प्रदेश का एक ट्रक जो बहरानपुर से केले लेकर पीलीभीत जा रहा था। टायर फटने वाले ट्रक से भिड़ गया। मध्य प्रदेश के ट्रक की गति इतनी तेज थी कि टक्कर लगने के बाद दोनों ट्रकों के परखच्चे उड़ गए। केबिन में ही दोनों ट्रकों के चालक और हेल्पर फंसे रहे गए। दोनों ट्रकों के फल हाईवे पर फैल गए। लंबा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची बिथरी पुलिस ने क्रेन की मदद से किसी तरह से ट्रकों के अंदर फंसे हुए लोगों को निकाला और अस्पताल भिजवाया। जहां डाक्टरों ने उसमें से दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। जबकि, दो लोगों की हालत गंभीर बताई है। घायलों में से एक व्यक्ति के दोनों पैर भी कटना बताए जा रहे हैं। पुलिस का कहना हैं कि सेव का ट्रक लेकर जा रहे चालक दिलवाग सिंह की मौत हो गई मगर दूसरे की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने ट्रक नंबरों के आधार पर उनके मालिकों से संपर्क किया तो उन्होंने यह तो बता दिया कि उनके ट्रक कहां से कहां जा रहे थे, लेकिन वह यह नहीं बता सके कि ट्रक में ड्राइवर और हेल्पर कौन थे।

मालिकों का कहना था कि उनके पास कई ट्रक हैं और अलग-अलग चालक हेल्पर उन्हें लेकर जाते हैं। उन्होंने अपने कर्मचारियों से उनकी जानकारी मांगी है। शिनाख्त के बाद दूसरे मृतक और घायलों के स्वजन को सूचित किया जाएगा।

जाम खुलवाने में छूटे पसीने

घटना के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से किसी तरह से दोनों ट्रकों को हटाकर सड़क के एक ओर किया। फिर जाम खुलवाना शुरू कर दिया। इतनी देर में करीब दो से ढाई किलोमीटर लंबा जाम लग चुका था। करीब दो से ढाई घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस हाईवे को फिर से सुचारू कर पाई।

संक्षिप्त खबरें

सर्पदंश से किशोर की हुई मौत

कोंच(जालौन)- सींगपुरा गांव में सोते समय सर्प के काटने से 16 वर्षीय किशोर की मौत हो जाने की घटना सामने आयी है। जानकारी के अनुसार, सींगपुरा गांव निवासी सुभाष जाटव (16) पुत्र चंदन सिंह घर में बने अपने कमरे में सो रहा था। गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे वहां मौजूद सर्प ने सुभाष को काट लिया जिससे सुभाष अचेत हो गया। कुछ समय बाद परिजनों को जब मालूम चला तो सुभाष को गंभीर हालत में यहां-वहां दिखाने के लिए ले गए। जब कहीं से कोई आराम नहीं मिला तो फिर उसे लेकर सीएचसी पहुंचे जहां चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि सर्प काटने के तुरंत बाद बगैर समय गंवाए यदि चिकित्सकीय उपचार मिलता तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक दो भाइयों में छोटा था और यहां गांव में रहकर अपनी मां के काम में हांथ बंटाता था जबकि पिता और बड़ा भाई बाहर शहर में काम धंधा करते हैं।

हाईटेंशन बिजली लाइन से टकराकर राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत

कोंच(जालौन)- बुधवार की रात मथुरा प्रसाद महाविद्यालय के समीप राष्ट्रीय पक्षी मोर की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मोर महाविद्यालय की दीवार पर बैठा हुआ था। कुछ देर बाद वह उड़ान भरकर दूसरे स्थान पर जाने लगा, लेकिन इसी दौरान वह विद्युत हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। लाइन से टकराते ही उसे जोरदार करंट लगा जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। वन रक्षक शिवम शर्मा मौके पर पहुंचे और मृत मोर को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए साथ ले गए। आसपास के लोगों का कहना है कि खुले और नीचे झूलती हाईटेंशन लाइन वन्यजीवों और पक्षियों के साथ ही इंसान के लिए लगातार खतरा बनी हुई है। उन्होंने विद्युत विभाग से ऐसे सभी स्थानों पर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

रोजाना ठिकाना बदलकर तेंदुआ वन विभाग के लिए बना चुनौती

वन विभाग की तमाम कोशिशें और दावे अब तक पूरी तरह नाकाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ क्योलड़िया क्षेत्र में पिछले 12 दिनों से तेंदुए की डर दहशत बनी हुई है। रोजाना तेंदुआ लगातार अपने ठिकाने बदलकर अलग-अलग गांवों में दस्तक दे रहा है। इससे ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। वन विभाग की तमाम कोशिशें और दावे अब तक पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं, जिससे ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है। हाल ही में भऊआ बाजार गांव में तेंदुए ने एक बाड़े में घुसकर एक साथ 7 बकरों को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया था। इस बड़ी घटना के बाद हरकत में आए वन विभाग ने गांव में एक पिंजड़ा लगाया और लोगों से सतर्क रहने की अपील की। इसके बावजूद तेंदुए की मूवमेंट पर कोई लगाम नहीं लग सकी है। बुधवार को तेंदुए को प्रह्लादपुर के जंगलों में देखा गया, जिससे वहां हड़कंप मच गया। इसके अलावा, जवेदा ईंट भट्टे के चौकीदार नरेश और ग्रामीण विद्याराम ने भी तेंदुए को बेहद करीब से देखने का दावा किया है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीमें तुरंत दोनों

घटनास्थलों पर पहुंचीं। टीम ने वहां से तेंदुए के पदचिह्नों (पगमार्क) के सैंपल कब्जे में लिए हैं। फिलहाल क्षेत्र में वन दरोगा और बीट प्रभारियों के नेतृत्व में चार टीमें दिन-रात तेंदुए को पकड़ने के लिए कॉम्बिंग कर रही हैं। वन विभाग की टीम में राजू मौर्य, लवकुश गुप्ता, बीट प्रभारी अकबर अली, संजीव यादव और कड़ेराम आदि शामिल हैं। हालांकि, चालाक तेंदुआ लगातार अपनी लोकेशन बदलकर वन विभाग के पिंजड़ों और टीमों को चकमा दे रहा है।

तेंदुए के डर से किसानों ने खेतों पर जाना बंद कर दिया है, जिससे खेती का काम ठप होने की कगार पर है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तेंदुए को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है।

भदपुरा विकास क्षेत्र में कहने को नहरे का जाल बिछा है सिंचाई के लिए पानी नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/भदपुरा क्षेत्र की नवदियां, कुंवरपुर तुलसीपट्टी और नकटी नारायणपुर डडिया गांवों से गुजरने वाली सफदर अली रजबहा से जुड़ी छोटी सिंचाई नहर प्रशासन की लापरवाही के कारण बदहाल स्थिति में है। इस नहर में पानी का प्रवाह पूरी तरह ठप होने से किसान अपनी धान की फसलों की सिंचाई के लिए परेशान हैं। यह महत्वपूर्ण नहर वर्तमान में झाड़ियों और अत्यधिक गंदगी से पूरी तरह पट चुकी है। स्थिति इतनी गंभीर है कि नहर में पानी का बहाव लगभग पूरी तरह रुक गया है। जलभराव और गंदगी के कारण इसमें उतरना भी संभव नहीं है। शासन ने इस नहर का निर्माण किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के उद्देश्य से कराया था। हालांकि, विभागीय अनदेखी के चलते किसानों को अपनी फसलों को सींचने के लिए पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। पानी के अभाव में फसलें सूखने की कगार पर हैं, जिससे क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश है। इस गंभीर समस्या के संबंध में जब संबंधित जूनियर

इंजीनियर (जेई) अनूप सागर से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि उनका वहां से स्थानांतरण हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें वर्तमान में अपनी जगह तैनात अधिकारी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अधिकारियों की यह लापरवाही सिंचाई व्यवस्था को बाधित कर रही है। डोरी लाल, कृष्णपाल, भुवनेश कुमार, मंगली प्रसाद, हरेंद्र वर्मा, सुरेंद्र कुमार, हेम प्रकाश और चंद्र पाल सहित कई ग्रामीणों ने शासन से जल्द नहर की सफाई कराकर पानी का प्रवाह सुचारू करने की मांग की है ताकि किसानों को राहत मिल सके।

फिलिंग स्टेशन के सेल्समैन को पीटने पर एफआईआर दर्ज

कोंच(जालौन)- कस्बे में सागर चौकी स्थित ठाकुर प्रसाद नारायण फिलिंग स्टेशन पर एक सेल्समैन के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फिलिंग स्टेशन पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत प्रदीप कुमार ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि गुरुवार सुबह भूरे कुशवाहा उर्फ अखिलेश निवासी निकट काली मंदिर के पीछे, पेट्रोल पंप पर पहुंचे। आरोप है कि उधारी का भुगतान मांगने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगा और उसके साथ हाथापाई की। इतना ही नहीं, जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया है कि पूरी घटना पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त हुई है। वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर उसके साथ लगातार दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने के आरोपी युवक रोहित (19) निवासी ग्राम गैंदोली को कोतवाली के उप निरीक्षक नितिश कुमार और भीष्मपाल सिंह ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पंचानन चौराहे के समीप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। गौरतलब हो कि कोंच नगर के एक मोहल्ले की रहने बाली एक महिला ने अपनी 16 वर्षीय नाबालिक पुत्री के गर्भवती होने का आरोप लगाते हुए रोहित के खिलाफ तहरीर देकर दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज कराई थी। महिला ने बताया था कि जून 2025 में युवक शादी करने के बहाने बहला फुसलाकर उसकी पुत्री को अपने साथ ले गया था, जिसको लेकर उसने तब उक्त युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कराई थी और आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया था। उक्त मामला न्यायालय पॉस्को एक्ट उरई में विचाराधीन है।

उक्त घटना के बाद उसकी पुत्री शिक्षण कार्य के लिए अपने स्कूल भी जाने लगी थी और आरोपी युवक जमानत पर जेल से छूट कर आ गया था। कुछ दिनों पूर्व पुत्री को जब उल्टी (बोमेटिंग) हुई तो उन्होंने इस बाबत उससे पूछताछ की। पुत्री ने बताया कि बीते तीन-चार माह पहले कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम गेंदौली निवासी रोहित कुमार उसे कोंच नगर के एक रेस्टोरेंट में खाना खिलाने के बहाने ले गया था जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद रोहित ने कई बार डरा-धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किया, इस दौरान वह गर्भवती हो गई। पुलिस ने शिकायतकर्ता महिला की तहरीर पर रोहित के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली थी और किशोरी को प्रेग्नेंसी टेस्ट के लिए मेडिकल परीक्षण हेतु भेजा था।

लाठियों से पीटकर बुजुर्ग को किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

कोंच(जालौन)- खेतों से चारा काट रहे एक बुजुर्ग को पड़ोस के गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने लाठियों से बुरी तरह पीट दिया जिससे बुजुर्ग जख्मी हो गया। पुलिस ने बुजुर्ग की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। ग्राम सुनाया थाना कैलिया निवासी बुजुर्ग अशोक कुमार पुत्र हरदास ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि गुरुवार की दोपहर वह गांव से लगते मौजा बसोव के हार में चारा काटने के लिए गया था। वहां सुनाया के रहने वाले पप्पू कुशवाहा के खेत से उसने चारा काटना अभी शुरू ही किया था कि इसी बीच मैथलीशरण पुत्र बाबूराम राजपूत निवासी ग्राम बसोव अपने हाथ में लाठी लेकर आया और बुरी तरह से उसके दोनों पैरों पर लाठी से प्रहार कर दिए जिससे उसके दोनों पैर जख्मी हो गए। जब वह मदद के लिए चिल्लाया तो मैथलीशरण वहां से भाग गया। वह बमुश्किल घर पहुंचा और किसी तरह थाने तक आया है। पुलिस ने अशोक का चिकित्सीय परीक्षण कराकर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

फैक्ट्री से घर लौटते समय डंपर ने होमगार्ड के बेटे को रौंदा, मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। बुधवार देर रात फैक्ट्री से बाइक से घर लौट रहे 25 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई,, आरोप है कि रान्ग साइड से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने पहले बाइक में टक्कर मारी, फिर युवक को कुचलते हुए फरार हो गया, हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई,, घटना महाराज पुर थाना क्षेत्र की हैं,, म्रतक की पहचान शिवभोला तिवारी के रूप में हुई है,,वह उन्नाव की एक फैक्ट्री में काम करता था, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है,, महाराज पुर के भदासा गांव निवासी वीरेंद्र तिवारी होमगार्ड में तैनात हैं वर्तमान में उनकी डियूटी चकेरी थाने में हैं, परिवार में पत्नी सीता और पांच बेटे हैं, उन्नाव की फैक्ट्री में म्रतक जूते का अपर बनानें का काम करता था, बुधवार रात करीब 10,30 वह बाइक से घर लौट रहा था,, बताया

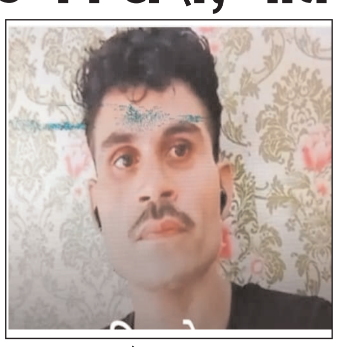

गया कि सरसौल स्थिति एक कोल्ड स्टोरेज के पास पहुंचते ही,रान्ग साइड से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, इसके बाद डंपर चालक शिवभोला को कुचलते हुए मौके से फरार हो गया,, हादसे में डंपर का पहिया युवक के सिर पर चढ़ गया , जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई,, महाराज पुर थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएंगी, फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

विकासखंड के दर्जनों ग्रामों मे तेंदुए का खौप व्याप्त है वन विभाग की पकड़ से दूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ क्षेत्र में पिछले कई दिनों से तेंदुए की लगातार मौजूदगी के कारण ग्रामीण इलाकों में भारी दहशत का माहौल बना हुआ है। कुंवरपुर तुलसीपट्टी, सिलरा, मर्गापुर और सतवन पट्टी सहित कई गांवों में तेंदुए को देखे जाने और भऊआ बाजार में उसके द्वारा सात बकरियों को मार डालने की घटना के बाद वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम ने भऊआ बाजार में एक विशेष पिंजड़ा स्थापित किया है। इसके बावजूद, मंगलवार रात को तेंदुए ने इलाके में एक और शिकार करते हुए एक सियार को मार डाला, जिससे ग्रामीणों का डर और अधिक बढ़ गया है।तेंदुए की सटीक लोकेशन का पता लगाने के लिए बुधवार को वन विभाग की टीम ने ग्राम प्रधान लल्ला खां और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से भऊआ बाजार और उसके आसपास के जंगलों में ड्रोन कैमरे

उड़ाकर हवाई निगरानी की। ड्रोन की मदद से घने जंगलों और संभावित ठिकानों को खंगाला जा रहा है। इसके साथ ही, वनकर्मियों की कई टीमें धरातल पर भी लगातार सघन कांबिंग ऑपरेशन चला रही हैं।वन विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए क्योलड़िया क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लाउडस्पीकर से मुनादी (अनाउंसमेंट) करवाई है। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे पूरी तरह सतर्क रहें और अकेले खेतों की ओर बिल्कुल न जाएं। देर रात घरों से बाहर निकलने से पूरी तरह परहेज करें।तेंदुए की कोई भी गतिविधि या पदचिह्न दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचित करें। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए के डर से उनका खेती का काम प्रभावित हो रहा है और वे खेतों की तरफ जाने से कतरा रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने वन विभाग के अधिकारियों से तेंदुए को जल्द से जल्द सुरक्षित पकड़कर पिंजड़े में कैद करने की पुरजोर मांग की है ताकि क्षेत्र में शांति बहाल हो सके। वन विभाग लगातार वन्यजीव की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

हनुमंत बिहार में रेस्टोरेंट में जमकर चली कुर्सियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। हनुमंत बिहार स्थित रेस्टोरेंट में दोस्त से मिलने गए युवक का दबंगों ने मोबाइल फोन छीन लिया, वापस मांगने पर दर्जन भर युवकों ने गाली गलौज शुरू कर दी विरोध किया तों आरोपियों ने कुर्सी व लोहे की राड से युवक की जम कर पिटाई की,,बीच बचाव करने आए दोस्त को भी नहीं बख्शा, मारपीट के दौरान युवक के सिर पर गंभीर रूप से चोटे आई, पूरी घटना रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई,, आपको बताते चलें कि दीनदयाल पुरम तौधकपुर निवासी रोशन खरे ने बताया कि बुधवार देर रात 10,35 बजे हनुमंत बिहार स्थित रेस्टोरेंट में काम करने वाले दोस्त से मिलने गया था, रेस्टोरेंट में बैठ कर सीरियल देख रहा था,पास की टेबल पर 10से 11 लोग बैठे थे,,जो आपस में गाली गलौज कर रहे थे उसी बीच एक युवक आया और मेरे हाथ से मोबाइल फोन खींच लिया,, शोरगुल

सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने बीच-बचाव कर उसे छुड़ाया ,, जिसके बाद आरोपी पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते भाग गए, पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, पीड़ित ने फ़ुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान सिद्धार्थ दुबे,सिम्पीपाडे, आदित्य,छोटू, प्रांशु,के रूप में हुई है, मामले में हनुमंत बिहार थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि घटना संज्ञान में हैं, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

जेल में साजिश रच कानपुर में शिक्षक के घर साले ने ही कराई थी लूट, तीन साथियों समेत गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। बेरोजगार साले ने अपने शिक्षक जीजा के घर में लाखों रुपए की लूट करवा दी लेकिन इसके पहले कि वह फरार हो पाता। पुलिस ने मुठभेड़ में साले समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अब अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। श्यामनगर में लूट थी यह घटना शिक्षक शरद चंद्र के घर हुई थी। जिस पर पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता और रिश्ते के साले प्रशांत उर्फ मोनू समेत पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारीके मुताबिक जेल में रची गई इस साजिश में बदमाशों ने लूट के बाद बाइक छोड़कर लोडर और ऑटो का इस्तेमाल किया था, जिससे पुलिस गच्चा खाती रही। फिलहाल पुलिस की मेहनत रंग लाई और दो

आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार हो गए। दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। मुठभेड़ से पूर्व पुलिस ने मास्टर माइंड शरद के साले प्रशांत उर्फ मोनू को गिरफ्तार किया था। मोनू की रेकी पर ही उसके साथ चार और बदमाशों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। कानपुर मे शिक्षक के घर हुई लूट के बाद पुलिस बाइक सवार बदमाशों की तलाश में फुटेज खंगाल

रही थी। इसी बीच एक फुटेज में रिश्ते का साला मोनू अपने साथियों के साथ लोडर में नजर आया। पुलिस की शक की सुई उस पर घूम गई। वह वारदात वाले दिन शिक्षक के घर पर था। उन्होंने सबसे पहले प्रशांत उर्फ मोनू को पकड़ा। इसके बाद बाकी के बदमाशों के नाम सामने आते चले गए। मोनू ने पुलिस ने बताया कि वारदात को कमल, रफीक और शफीक ने अंजाम दिया था, जबकि विजय और वह खुद शिक्षक के मकान से कुछ दूरी पर ऑटो में बैठकर साथियों का इंतजार कर रहे थे। अपर पुलिस आयुक्त डॉ. विपिन ताडा के मुताबिक पांचों पर पूर्व में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रशांत की मुलाकात दो वर्ष पूर्व रफीक से जेल में हुई थी। उसके ऊपर कई आपराधिक मामले हैं। कुछ दिन पहले जेल से छूटे रफीक ने प्रशांत से कोई टारगेट पूछा, तो उसने अपने ही जीजा शरद का घर दिखा दिया। आरोपी प्रशांत उर्फ मोनू पर कुल 14 मामले दर्ज हैं। उसकी हिस्ट्रीशीट भी खुल चुकी है। उसके पास से मोबाइल और दो हजार रुपये मिले हैं। रफीक जूही थाने का हिस्ट्रीशीटर है। शफीक, कमल और विजय के खिलाफ भी कानपुर और उन्नाव के थानों में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस अब लुटेरों के अन्य साथियों की भी तलाश कर रही है।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, नशा मुक्ति केंद्र में रह रहे पति का था जन्मदिन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नगर के प्रताप नगर मोहल्ले में बुधवार की शाम 24 वर्षीय विवाहिता ने अपने घर की दूसरी मंजिल पर फंदे से लटक कर जान दे दी। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। मुख्य गेट बंद होने के कारण पुलिस को गेट कटवाकर घर के अंदर प्रवेश करना पड़ा जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कस्बे के प्रताप नगर निवासी वर्षा बुधौलिया (24) पत्नी अंतरिक्ष बुधौलिया की की शादी 7 मई 2021 को हुई थी और उसकी डेढ़ वर्ष की एक पुत्री शिया है। परिजनों के अनुसार, वर्षा का पति पिछले करीब एक माह से शराब की लत के उपचार के लिए नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती है। बताया गया कि वर्षा लगातार अपने पति से बात

कराने की जिद कर रही थी। मंगलवार को वह अपनी मां और छोटी बहन के साथ दूसरे मकान पर चली गई थी। बुधवार को मां और बहन वहां से लौट आई, जबकि वर्षा ने घर की साफ-सफाई कर बाद में आने की बात कही थी। शाम तक वर्षा के वापस न आने पर उसकी छोटी बहन गौरी उसे देखने पहुंची। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो वह पड़ोसी की छत पर पहुंची, जहां से दूसरी मंजिल पर वर्षा फंदे से लटकी हुई उसे दिखाई दी। घबराई बहिन ने तत्काल ही परिजनों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीओ परमेश्वर प्रसाद, नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह और कोतवाल निगवेन्द्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मुख्य गेट कटवाकर घर में प्रवेश किया और शव को नीचे उतरवाया। फील्ड यूनिट ने भी मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। परिजनों का कहना है कि बुधवार को वर्षा के पति का जन्मदिन था और वह उससे बात करना चाहती थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बात न हो पाने से वह मानसिक रूप से व्यथित थी। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। सीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बढ़ने लगा गंगा का जलस्तर, अभी चेतावनी बिंदु से 10.12 मीटर नीचे

भदोही। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार सुबह 8 बजे गंगा नदी का जलस्तर 70.08 मीटर दर्ज किया गया। वर्तमान में गंगा का जलस्तर बढ़ने की प्रवृत्ति में है, हालांकि यह अभी चेतावनी बिंदु 80.20 मीटर से 10.12 मीटर तथा खतरे के निशान 81.20 मीटर से 11.12 मीटर नीचे है। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और गंगा के बढ़ते जलस्तर पर नजर बनाए रखने की अपील की है।

जिलाधिकारी ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

भदोही। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं रख-रखाव की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वेयरहाउस में लगे अग्निशमन यंत्रों की वैधता और कार्यशीलता की जांच की तथा सभी उपकरणों को निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता का परीक्षण कर निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश देते हुए कहा कि ईवीएम/वीवीपैट की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी शुभांगी शुक्ला, जिला ईवीएम नोडल अधिकारी राजकुमार वर्मा, सहायक निर्वाचन अधिकारी संजय, जिला सूचना अधिकारी अनिल कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की तैयारी बैठक, भदोही से हजारों छात्रों के प्रयागराज जाने का दावा

भदोही। आगामी 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की तैयारी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक मसाल रोड स्थित कैंप कार्यालय पर हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के को-ऑर्डिनेटर दयाशंकर पांडेय ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कार्यक्रम को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन कांग्रेस पीछे हटने वाली नहीं है। कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों की समस्याओं और भविष्य से जुड़े मुद्दों को सुनने के लिए प्रयागराज आएंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वसीम अंसारी और पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दुबे 'राजन' ने संयुक्त बयान में दावा किया कि भदोही से हजारों छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में शामिल होंगे। उनके अनुसार कार्यक्रम में शिक्षा, रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। बैठक में काशीनाथ भारती, राजेश्वर दुबे, मसूद आलम, सुबुक्तगीन अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बदहाल सड़क से ग्रामीण बेहाल, ग्राम प्रधान और सचिव पर अनदेखी का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज मिर्जापुर। जनपद मिर्जापुर के विकास खंड हलिया अंतर्गत स्थित कोलहा बस्ती को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे, कीचड़ और बरसात के दौरान जलभराव से ग्रामीणों का आवागमन बेहद कठिन हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई, जिससे रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार हल्की बारिश होते ही सड़क पर पानी भर जाता है और यह दलदल में बदल जाती है। इससे पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। दोपहिया वाहन फिसलने का खतरा बना रहता है, जबकि चारपहिया वाहनों का निकलना भी चुनौती बन जाता है। कई बार लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की मरम्मत के लिए ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव से कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और मरीजों को उठानी पड़ रही है। बरसात के दिनों में बच्चों को विद्यालय जाने में कठिनाई होती है, जबकि मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में भी काफी समय लग जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि किसी गंभीर मरीज को तत्काल उपचार की आवश्यकता हो तो खराब सड़क बड़ी बाधा बन जाती है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग तथा विकास खंड हलिया के अधिकारियों से मांग की है कि कोलहा बस्ती की सड़क का तत्काल निरीक्षण कराकर मरम्मत और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराई जाए। लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे जनहित में आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि विकास के दावों को धरातल पर उतारते हुए इस सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि हजारों लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

धसड़ा राजा (विकास खंड लालगंज) में बदहाल सड़क और जलभराव से ग्रामीण परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज मिर्जापुर। विकास खंड लालगंज के अंतर्गत ग्राम धसड़ा राजा में सड़क की जर्जर स्थिति और बारिश के बाद हुए जलभराव से ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढों में पानी भर जाने से पैदल चलना और दोपहिया व चारपहिया वाहनों का आवागमन जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों से सड़क की मरम्मत और जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की गई, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। सबसे अधिक परेशानी हो रही है, जिन्हें प्रतिदिन इसी मार्ग से गुजरना पड़ता है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बरसात के मौसम में जलभराव के कारण सड़क की स्थिति और खराब हो जाती है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन और विकास खंड लालगंज के अधिकारियों से शीघ्र सड़क की मरम्मत तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर के पांच विषयों का परीक्षा परिणाम घोषित

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर (शैक्षिक सत्र 2025-26) के एम.ए. (अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, लोक प्रशासन एवं उर्दू) तथा एम.एससी. (बायोटेक्नोलॉजी) के परीक्षा परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिए गए हैं। दीनानाथ यादव ने बताया कि परीक्षा परिणाम महाविद्यालयों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन भरे गए परीक्षा प्रपत्रों में उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर तैयार किया गया है। यदि परीक्षा प्रपत्र में किसी प्रकार की गलत अथवा भ्रामक सूचना पाई जाती है, तो संबंधित छात्र-छात्रा का परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय के नियमानुसार निरस्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राएं अपना परीक्षा परिणाम समर्थ पोर्टल पर देख सकते हैं।

तीन कम्युनिटी मीडिएटर नामित, स्थानीय स्तर पर सुलझेंगे विवाद

भदोही। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने मध्यस्थता अधिनियम, 2023 के तहत जनपद में तीन कम्युनिटी मीडिएटर नामित किए हैं। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर माननीय जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुमोदन के बाद जिलाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची से यह चयन किया गया। नामित कम्युनिटी मीडिएटरों में दुलादासपुर निवासी जाविद बाबू अंसारी, सिविल लाइंस (फकरी) निवासी अनिल केशरी तथा खमरिया निवासी राजेन्द्र मिश्रा शामिल हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार मध्यस्थता अधिनियम, 2023 की धारा 43(4) एवं 43(5) के तहत नामित कम्युनिटी मीडिएटर आवश्यकता पड़ने पर जिला प्रशासन के अनुरोध पर स्थानीय विवादों के समाधान में मध्यस्थ की भूमिका निभाएंगे। उनका उद्देश्य आपसी संवाद, सहमति एवं समझौते के माध्यम से विवादों का सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित निस्तारण कराना होगा। प्राधिकरण का मानना है कि इस व्यवस्था से न्यायालयों पर लंबित मुकदमों का अनावश्यक भार कम होगा, सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा मिलेगा।

एसपी अभिनव त्यागी ने की जनसुनवाई, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर

मामलों का निस्तारण केवल कागजों पर न होकर धरातल पर होना चाहिए, जिससे पीड़ित पक्ष पूरी तरह संतुष्ट हो।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनमानस की समस्याओं के समयबद्ध और प्रभावी समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार व पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के क्रम में, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रतिदिन की भांति जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागीने कार्यालय में आए आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं को अत्यंत गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना।

जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत किए। मामलों का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक भदोही ने पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को फोन पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आमजन की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्देश के क्रम में मामलों का निस्तारण केवल कागजों पर न होकर धरातल पर होना चाहिए, जिससे पीड़ित पक्ष पूरी तरह संतुष्ट हो। पुलिस थानों पर आने वाले हर पीड़ित के साथ मानवीय व्यवहार किया जाए और उनकी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जाए।

मदरसा अहयाउल उलूम घोसिया में कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही नगर पंचायत घोसिया के वार्ड संख्या-9 (इमलाहा) निवासी मोहम्मद कासिम ने गुरुवार को जिलाधिकारी भदोही को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर मदरसा अहयाउल उलूम, घोसिया में वर्ष 2022 से सामने आई कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वर्ष 2022 में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा किए गए निरीक्षण में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं, लेकिन चार वर्ष बीत जाने के बाद भी न तो मामले का अंतिम निस्तारण हुआ और न ही दोषियों के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्रवाई की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि मदरसे में छात्र संख्या को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। शिकायतकर्ता का दावा है कि मदरसे के आलिया स्तर पर चार शिक्षकों की नियुक्ति और वेतन भुगतान हो रहा है, जबकि वहां अध्ययनरत छात्रों की संख्या नगण्य अथवा नहीं के बराबर है। ऐसे में बिना पर्याप्त छात्र संख्या के शिक्षकों के वेतन भुगतान तथा सरकारी अनुदान के उपयोग की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

मोहम्मद कासिम ने आरोप लगाया कि मदरसे को मिलने वाले सरकारी अनुदान, वित्तीय अभिलेख, शिक्षकों की वास्तविक उपस्थिति, शिक्षण कार्य, भवन, खेल मैदान, वेतन भुगतान तथा प्रबंध समिति के कार्यों की गहन जांच अब तक नहीं कराई गई। उन्होंने यह भी कहा कि मदरसे केछ प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय मामलों में कथित रूप से बाहरी व्यक्तियों का हस्तक्षेप हो रहा है, जिससे संस्थान की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है। ज्ञापन के अनुसार, शिकायतकर्ता ने वर्ष 2022 से अब तक कई बार आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायतें दर्ज कराईं। कुछ शिकायतों का निस्तारण उच्च अधिकारियों के स्तर पर भेजे जाने की बात कही गई, लेकिन आज तक किसी भी शिकायत पर अंतिम एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। इससे शिकायतकर्ता ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पूरे प्रकरण की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी अथवा मंडलीय/राज्य स्तरीय जांच टीम से कराई जाए। साथ ही मदरसे के समस्त सरकारी अनुदानों का विशेष वित्तीय ऑडिट, शिक्षकों की उपस्थिति का सत्यापन, छात्र संख्या का भौतिक परीक्षण, भवन एवं खेल मैदान सहित अन्य सुविधाओं की जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक एवं विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि लगातार शिकायतें करने के कारण उन्हें कथित रूप से धमकियां मिल रही हैं। इसलिए उन्होंने स्वयं एवं अपने परिवार की सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग भी जिलाधिकारी से की है। मोहम्मद कासिम का कहना है कि यह मामला केवल एक मदरसे का नहीं, बल्कि सरकारी धन की पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा है। उन्होंने मांग की कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में सरकारी योजनाओं और अनुदानों का दुरुपयोग न हो सके।

विश्व स्तन पान दिवस के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़ संवाद, विश्व स्तनपान दिवस के उपलक्ष्य में शासन के निर्देशानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत महिला कल्याण विभाग द्वारा बाल विकास पुष्टाहार विभाग से समन्वय करते हुए खण्ड विकास अधिकारी सभागार सीखड़ में स्तनपान की महत्ता विषय पर बैठक व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख सीखड़ छत्रपति सत्येंद्र कुमार सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बच्चियों के साथ केक काटकर उनके अभिभावकों को सम्मान स्वरूप बेबी किट देकर कन्या जन्म उत्सव मनाया गया साथ ही गर्भवती महिलाओं के गोद भराई का रस्म भी किया गया। इसके अतिरिक्त बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति अच्छा कार्य करने वाली आंगनबाड़ी बहनों को भी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का स्टिकर, टोपी लगाकर तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।ब्लॉक प्रमुख द्वारा बच्चियों के अभिभावकों को कन्या जन्म की बधाई देते हुए कहा गया कि लड़कियां अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है इसलिए सभी अभिभावक कन्या जन्म पर खुशी मनाएं और उन्हें अच्छा पोषण,अच्छी शिक्षा आदि की व्यवस्था लड़कों की तरह ही करें। खण्ड विकास अधिकारी श्रीरामजी मिश्र द्वारा आंगनवाड़ी बहनों को जागरूक करते हुए कहा गया कि वह बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की जागरूकता के लिए, बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी हैं इसलिए आंगनबाड़ी बहने अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए समाज को स्वस्थ एवं पोषित करने में अपना पूर्ण सहयोग करें। जिला मिशन कोऑर्डिनेटर महिला कल्याण डॉ मंजू यादव द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए महिला एवं बालिका परक विभिन्न योजना में तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना ,प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, सामूहिक विवाह योजना, वन स्टाफ सेंटर ,शक्ति सदन ,महिला सशक्तिकरण हब, रानी लक्ष्मीबाई योजना, चाइल्ड लाइन एवं विभिन्न टोल फ्री नंबरों के प्रति सभी को जागरूक किया गया। प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक सीखड़ द्वारा सभी को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करते हुए बताया गया कि बच्चों के लिए मां का दूध कितना महत्वपूर्ण है साथ ही पेट के कीड़ा नाशक दवा आदि का वितरण भी किया गया। बाल विकास परियोजना अधिकारी सीखड़ डॉ नीलू मिश्रा द्वारा सभी का आभार धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उक्त कार्यक्रम में चाइल्ड लाइन से नीतू सिंह, मुख्य सेविका रेनू मौर्या प्रधान सहायक संजीव मोटवानी सहित विकास खण्ड की आंगनबाड़ी कार्यकर्ती गर्भवती महिला,किशोरी बालिका एवं बच्चे परस्थित रहे।

सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, लंबित मामलों का होगा सुलह-समझौते से निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भदोही के तत्वावधान में 12 सितंबर को सुबह 10 बजे से जनपद न्यायालय सहित पूरे जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में बैंकों के प्री-लिटिगेशन मामलों, आपराधिक शमनीय वाद, एनआई एक्ट की धारा-138 के मामले, बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, पारिवारिक विवाद, विद्युत एवं जल बिल, राजस्व संबंधी प्रकरण, चकबंदी, श्रम, स्टाम्प तथा अन्य विभिन्न प्रकार के मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने वादकारियों एवं अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे जनपद न्यायालय, परिवार न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, स्थायी लोक अदालत, उपभोक्ता आयोग, कलेक्ट्रेट न्यायालयों, तहसीलों, खंड विकास कार्यालयों, नगर पंचायत कार्यालयों तथा बिजली, ई-चालान, बाट-माप, खनन सहित अन्य विभागों में लंबित मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रस्तुत कराकर उनका त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण कराएं। प्राधिकरण के अनुसार लोक अदालत विवादों के समाधान का सरल, सस्ता और प्रभावी माध्यम है। इसमें समय और धन दोनों की बचत होती है तथा सुलह-समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण होने से किसी पक्ष की हार या जीत नहीं होती। सभी संबंधित पक्षों से अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की गई है।

राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की टीम ने किया बाढ़ शरणालय का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण तथा संयुक्त राष्ट्र विकास प्राधिकरण की प्रतिनिधि टीम के प्रशांत कुमार,आशीष ,शबाना हेगड़े ने उसका बाजार के किसान इंटर कालेज के परिसर में अस्थाई रूप से स्थापित बाढ़ शरणालय का स्थलीय निरीक्षण किया और समन्वय बैठक किया है। इस अवसर पर टीम ने बाढ़ शरणालय में पेयजल, प्रकाश, शौचालय, सोने की व्यवस्था आदि का स्थलीय निरीक्षण किया है। इसके बाद बैठक करके बाढ़ क्षेत्र के गावों के बारे में राजस्व कर्मियो से विस्तार से जानकारी ली। टीम ने बाढ चौकी, गोताखोर , नाव और नाविकों के बारे में जानकारी प्राप्त की और हर वक्त आपदा की स्थिति में सतर्क रहने का निर्देश दिया। इस अवसर पर एडीएम गौरव श्रीवास्तव, धनंजय पाण्डेय, अभिषेक त्रिपाठी, ग्राम प्रधान मनोज सहानी आदि रहे।

जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में तेजी लाने के डीएम के निर्देश

पेयजल योजना को SCADA प्रणाली से जोड़कर होगी रियल टाइम निगरानी, सड़क पुनर्स्थापना और गुणवत्ता पर भी सख्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के तहत संचालित निर्माणाधीन पेयजल परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में तेजी लाकर जल्द से जल्द ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है या अंतिम चरण में है, उन्हें तत्काल संचालित किया जाए।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने सभी पेयजल परियोजनाओं को SCADA (सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन) प्रणाली से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आधुनिक डिजिटल प्रणाली के माध्यम से पंप, मोटर, ओवरहेड टैंक, जलाशय, पाइपलाइन, जलदाब, जल प्रवाह, जल स्तर और विद्युत आपूर्ति की 24 घंटे ऑनलाइन निगरानी संभव होगी। इससे किसी भी तकनीकी खराबी या जलापूर्ति बाधित होने की जानकारी तत्काल मिल सकेगी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित होगा। बैठक में जिलाधिकारी ने सड़क या मार्ग खोदकर पाइपलाइन बिछाने वाली परियोजनाओं में मार्ग पुनर्स्थापना का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

समीक्षा के दौरान कार्यदायी संस्थाओं ने ब्लॉकवार निर्माण कार्यों की प्रगति, सोलर आधारित योजनाओं की स्थिति, जलापूर्ति प्रारंभ की गई परियोजनाओं, मार्ग पुनर्स्थापना तथा लंबित कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने धीमी प्रगति वाली परियोजनाओं में तेजी लाने और नियमित फील्ड मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक नियमित, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल पहुंचाना है। इसके लिए सभी विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से परियोजनाएं पूरी करनी होंगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं जल जीवन मिशन से जुड़ी कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

चकवा चंदेल में डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण, एसडीएम को जांच के निर्देश

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने गुरुवार को विकास खंड औराई के ग्राम पंचायत चकवा चंदेल पहुंचकर जन शिकायत के संबंध में स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने शिकायतकर्ता श्रीमती कमलेश सिंह की शिकायत पर गाटा/खसरा संख्या 103 एवं 104 का मौके पर निरीक्षण कर राजस्व अभिलेखों का अवलोकन किया। डीएम ने संबंधित राजस्व अधिकारियों को प्रकरण की निष्पक्ष एवं तथ्यपरक जांच कर समस्त अभिलेखों का परीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर अरुण दीक्षित को शिकायत की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक जन शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान राजस्व विभाग की टीम, कोतवाल तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

स्थानांतरण के बाद भी कुर्सी नहीं छोड़ रहीं विपणन निरीक्षक, शिकायत पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। जनपद के पड़री स्थित धान/गेहूं क्रय एवं विपणन केंद्र पर तैनात विपणन निरीक्षक दीपिका बरनवाल की कार्यप्रणाली एक बार फिर बड़े विवादों के घेरे में आ गई है। जिला पंचायत सदस्य साजन कुमार द्वारा की गई गंभीर शिकायतों का संज्ञान लेते हुए शासन स्तर से उनका स्थानांतरण तो कर दिया गया है, लेकिन इसके बावजूद वह नियम-कानून को ताक पर रखकर क्रय केंद्र पर धड़ल्ले से जमी हुई हैं। आलम यह है कि स्थानांतरण आदेश जारी हुए लंबा समय बीत जाने के बाद भी वह कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं हैं और अपने रसूख के बल पर ट्रांसफर को निरस्त कराने के लिए लगातार जोड़-तोड़ व पैरवी में जुटी हुई हैं, जो प्रशासनिक व्यवस्था पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

भ्रष्टाचार छिपाने के हथकंडे और अनाज के भारी 'शॉर्टेज' से सुलग रहा मामला

मामले को लेकर प्रधान संघ के जिला प्रभारी रामदेव सरोज और प्रधान संघ अध्यक्ष ब्यास जी बिंद एडवोकेट ने तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि दीपिका बरनवाल के पूरे कार्यकाल के दौरान केंद्र पर जमकर अनियमितताएं और वित्तीय भ्रष्टाचार हुआ है। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि गोदाम में रखे गए खाद्यान्न (अनाज) के स्टॉक में भारी 'शॉर्टेज' (कमी) है, जिसे छिपाने के लिए यह सारा खेल खेला जा रहा है।

स्थिति यह है कि गोदाम में अनाज का सही हिसाब-किताब न होने और भारी गड़बड़ियों की आशंका के चलते कोई भी नया अधिकारी या अन्य कर्मचारी इसका प्रभार लेने को तैयार नहीं है। विभागीय जानकारों का मानना है कि यदि इस गोदाम के स्टॉक और कागजातों की निष्पक्ष जांच करा दी जाए, तो केंद्र पर हुए बड़े प्रशासनिक घोटालों की परतें खुलकर सामने आ जाएंगी।

जनप्रतिनिधियों की दो टूक: तत्काल हो रिलीव वरना होगा आर-पार का आंदोलन

विपणन निरीक्षक की इस हठधर्मिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिला पंचायत सदस्य साजन कुमार, प्रधान संघ के जिला प्रभारी रामदेव सरोज और प्रधान संघ अध्यक्ष ब्यास जी बिंद एडवोकेट ने संयुक्त रूप से जिला प्रशासन और विपणन विभाग के उच्च अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने मांग की है कि स्थानांतरण के बाद भी सरकारी गोदाम पर अवैध रूप से काबिज दीपिका बरनवाल को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त (रिलीव) किया जाए, ताकि केंद्र पर व्याप्त अराजकता समाप्त हो सके। जनप्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रशासन ने जल्द ही कोई ठोस और विधिक कार्रवाई नहीं की, तो वे किसानों और क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर एक बड़ा और उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

संक्षिप्त खबरें

महुली हादसे के बाद एडीजी और आईजी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम महुली में जर्जर मकान गिरने से हुई हृदयविदारक दुर्घटना के बाद अपर पुलिस महानिदेशक (प्रयागराज जोन) ज्योति नारायण एवं पुलिस महानिरीक्षक (प्रयागराज परिक्षेत्र) अजय कुमार मिश्र ने संयुक्त रूप से घटनास्थल का निरीक्षण किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लेते हुए मौके पर मौजूद प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों से घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीजी एवं आईजी ने दुर्घटना में दिवंगत हुए सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जेम पोर्टल कार्यशाला का आज होगा आयोजन

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग एस0एस0 रावत ने बताया है कि जिला उद्योग बन्धु की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में उद्यमियों एवं व्यापारियों के जेम पोर्टल पर अधिकाधिक संख्या में पंजीकरण कराने के उद्देश्य से आज शुक्रवार को पूर्वान्ह 11 बजे विकास भवन सभागार कक्ष में 'जेम पोर्टल का कार्यशाला' आयोजित किया गया है जिसमें जेम पोर्टल से सम्बन्धित विषय पर प्रस्तुतीकरण किया जाना है।

एनसीसी में भर्ती के लिए कैडेट्स का चयन

सिद्धार्थनगर। माता प्रसाद जायसवाल इंटर कॉलेज इटवा में संपन्न हुई एनसीसी भर्ती, 46 यूपी बटालियन गोरखपुर के तत्वाधान में माता प्रसाद जायसवाल इंटर कॉलेज इटवा के परिसर में एनसीसी कैडेटों के भर्ती का आयोजन किया गया। भर्ती प्रकिया में जूनियर डिवीजन में 25 कैडेट्स का चयन किया गया ।चयन प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप शारीरिक दक्षता लिखित परीक्षा एवं आवश्यक परीक्षणों के आधार पर संपन्न हुई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक तिवारी एवं एनसीसी प्रभारी मोहम्मद वसी अहमद ने चयनित कैडेट्स को बधाई देते हुए अनुशासन नेतृत्व क्षमता राष्ट्र सेवा तथा व्यक्तित्व विकास के लिए एनसीसी के महत्व पर प्रकाश डाला। भर्ती प्रक्रिया संपन्न करने के लिए 46 बटालियन गोरखपुर से सूबेदार भूपेंद्र सिंह और हवलदार धनराज तमांग आए थे। इस दौरान विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक धर्मेंद्र कुमार, दिनेश दुबे, श्याम नंदन शुक्ला, रियाजुद्दीन खान आदि उपस्थित रहे।

जर्जर मकान की छत गिरने से एक परिवार के छः लोगों की हुई दर्दनाक मौत

पीड़ित परिवार को 26.20 लाख रुपए की राहत सहायता दी गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फोटो घटनास्थल पर डीएम एसपी मौजूद

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम महुली में जर्जर मकान गिरने से हुई दर्दनाक दुर्घटना के बाद जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने संयुक्त रूप से घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रात्रि लगभग दो बजे प्रमोद श्रीवास्तव पुत्र कामता प्रसाद का जर्जर मकान अचानक भरभराकर गिर गया, जिससे परिवार के छः सदस्य मलबे में दब गए। इस भीषण हादसे में प्रमोद श्रीवास्तव (60 वर्ष), रीता (55 वर्ष), नितिन (25 वर्ष), माधुरी (23 वर्ष), माधव (01 वर्ष) तथा अद्विक उर्फ बाबू (10 माह) की दुःखद मृत्यु हो गई। वहीं अमन पुत्र प्रमोद (28 वर्ष) सुरक्षित है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा राहत कार्यों की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने बताया कि पीड़ित परिवार को अनुमन्य राहत सहायता तत्काल उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में मृत छः व्यक्तियों के लिए दैवीय आपदा राहत मद के अंतर्गत प्रति मृतक 4 लाख रुपए की दर से कुल 24 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त पक्के मकान के लिए 1.20 लाख रुपए तथा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना के अंतर्गत 01 लाख रुपए की सहायता भी स्वीकृत कर प्रदान की गई है। इस प्रकार पीड़ित परिवार को कुल 26.20 लाख रुपए की राहत सहायता उपलब्ध कराई गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और उन्हें आवश्यकतानुसार हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने कहा कि घटना से संबंधित सभी आवश्यक विधिक कार्रवाई कराई जा रही है। सभी मृतकों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने हादसे में दिवंगत हुए सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस हादसे का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को मौके पर जाने और हर संभव सहायता का निर्देश दिया है।

दिव्यांगजन रोजगार मेले में 21 दिव्यांगजनों का हुआ चयन

प्रतापगढ़। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर टाटा टेक्नॉलाजी वर्कशाप प्रतापगढ में दिव्यांगजन रोजगार मेला आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारम्भ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य/जिला समन्वयक आलोक कुमार द्वारा किया गया। दिव्यांगजन रोजगार मेले में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, उ0प्र0 कौशल विकास मिशन एवं जनपद के लगभग 58 दिव्यांगजनों प्रतिभाग किया जिसमें से लगभग 21 दिव्यांगजनों का प्रथम चरण के लिए केयर हेल्थ नर्सिंग सर्विसेज, एल0एन0टी0 एवं स्किल्स टू इनकम इण्डिया इत्यादि कम्पनियों में चयन किया गया। कार्यक्रम में सोमनाथ वर्मा एवं भूपेन्द्र सिंह एम0आई0एस0 प्रबन्धक उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, रवीन्द्र पाण्डेय जिला कार्यक्रम प्रबन्धक व ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर डी0डी0यू0-जी0के0वाई व उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के समस्त प्रशिक्षण प्रदाता व स्टाफ उपस्थित थे।

चाय- संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह के रूप में मनाया गया नियाज़ हसन का जन्म दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। शहर के बाबागंज में स्थित होटल सिद्धार्थ में मशहूर शायर नियाज़ हसन का जन्म दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया ।इस मौके पर नगर पंचायत प्रतापगढ़ सिटी के सभासदों एवं कई अतिथियों को जन सेवा गौरव सम्मान से अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देखर सम्मानित किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि सभासद प्रतिनिधि अमीरुल हक़, विशिष्ट अतिथि सभासद इं. अनुज यादव , सभासद जफरुल हक़, सभासद साजिद अली खान, सभासद मो. इमरान खान, सभासद प्रतिनिधि मो. आज़ाद, सभासद आशीष पाल, समाज सेवी डॉ मो. शाहिद, समाज सेवी संदीप यादव, शामिल रहे। इस अवसर पर ई.चंद्रकांत त्रिपाठी 'शाश्वत' ने अपनी पसंदीदा गज़ल पढ़ी।

इसी कड़ी में कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे समाज सेवी एवं कई कालेज के प्रबंधक अनिल प्रताप त्रिपाठी 'प्रवात' ने भी युवा शायर नियाज़ हसन को अपना आशीर्वाद और जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि कवि और शायर समाज के आईना होते हैं और समाज को सही रास्ता दिखाते हैं। इसी क्रम में कार्यक्रम के आयोजक एवं संयोजक रहे प्रकाशक एवं संपादक अखिल नारायण सिंह 'अकेला 'ने भी जन्म दिवस की ढेरों शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि हम लोग नियाज़ हसन के साथ तन मन धन के साथ जुड़े हैं और अखिल नारायण सिंह ने नियाज़ हसन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम की अध्यक्षता आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सरोज और संचालन अधिवक्ता एवं कवि प्रेम कुमार त्रिपाठी 'प्रेम 'ने किया।इस अवसर पर मुन्ना सिंह, रामकेवल पुष्पाकर, रिज़वान चाँदनी दुबे, रितनेश दुबे, होटल सिद्धार्थ मैनेजर संतोष सिंह आदि मौजूद रहे। नियाज़ हसन प्रतापगढ़ी ने आये हुये सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

दिव्यांग छात्राओं को सशक्त बनाएगी ई-ट्राईसाइकिल योजना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कमलेश कुमार वर्मा ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जनपद की अध्ययनरत दिव्यांग छात्राओं के लिए ई-ट्राईसाइकिल योजना संचालित की गई है। योजना के तहत पात्र छात्राओं को अधिकतम 65 हजार रुपये की लागत तक ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। योजना का लाभ जनपद प्रतापगढ़ की 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की उन दिव्यांग छात्राओं को मिलेगा, जो किसी भी स्कूल, कॉलेज अथवा प्रशिक्षण संस्थान में अध्ययनरत हैं और दैनिक कक्षाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रावास आदि तक आने-जाने में कठिनाई का सामना करती हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफिलिया सहित अन्य गंभीर शारीरिक दिव्यांगता से ग्रसित छात्राएं पात्र होंगी। इसके लिए आवश्यक है कि उनकी दृष्टि एवं मानसिक स्थिति सामान्य हो, कमर का ऊपरी भाग स्वस्थ हो तथा वे ई-ट्राईसाइकिल चलाने में सक्षम हों। साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रमाणित यूडीआईडी दिव्यांग प्रमाण-पत्र होना अनिवार्य है। योजना में ऐसे परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जो आयकरदाता नहीं हैं तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करते हैं। इसके अतिरिक्त, केवल उन्हीं छात्राओं को लाभ मिलेगा जिन्हें पिछले पांच वर्षों में किसी भी सरकारी अथवा अन्य स्रोत से ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त नहीं हुई है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8189038779 पर संपर्क किया जा सकता है।

न्यू एंजिल्स स्कूल के विवेक कुमार ओझा सीबीएसई स्पोर्ट्स पर्यवेक्षक नियुक्त

प्रतापगढ़।केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित होने वाले सीबीएसई गेम्स 2026-27 के लिए न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रतापगढ़ के शारीरिक शिक्षक विवेक कुमार ओझा को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। सीबीएसई के अतिरिक्त निदेशक (खेल) डॉ. मंजीत सिंह द्वारा को जारी पत्र के अनुसार ओझा को कानपुर नगर स्थित सर पदमपत सिंघानिया एजुकेशन स्कूल में 07 अगस्त से 09 अगस्त तक होने वाले क्लस्टर -4 टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ शाहिदा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। ओझा की नियुक्ति से क्षेत्र के अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा मिलेगी।

सिद्धार्थनगर में दो घरों से लाखों की चोरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील के मिश्रौलिया थाना अंतर्गत चेतिया पुलिस चौकी क्षेत्र के तीवर गांव में बुधवार की रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। चोर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

चोरों ने गांव निवासी मकसूदन शुक्ला और मानिकचंद साहनी के घरों को अपना निशाना बनाया। मकसूदन शुक्ला के घर में चोर पीछे की खिड़की का ताला तोड़कर अंदर घुसे। उन्होंने अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे जेवर और नकदी चुरा ली और उसी रास्ते से फरार हो गए। इसके बाद चोर मानिकचंद साहनी के घर के पीछे छत पर चढ़कर अंदर दाखिल हुए। चोर एक बक्सा लेकर बाहर आए, जिसमें जेवर रखे थे। चोरों ने बक्से को घर के पीछे खेत में खोला, गहने और पैसे निकाले, और बाकी सामान वहीं छोड़कर चले गए।

सुबह घटना का पता चलने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी और चेतिया चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया। उन्होंने जल्द से जल्द घटना का खुलासा करने का आश्वासन दिया है। हालांकि, पिछले दस दिनों के भीतर चौकी क्षेत्र में चोरी की यह दूसरी घटना है, लगातार हो रही घटनाएं ग्रामीणों में चिंता का विषय बना हुआ हैं।

डीएम ने धनपालपुर पेयजल योजना का किया स्थलीय निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज विकास खण्ड सरेनी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत धनपालपुर पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण कर योजना के संचालन, पेयजल गुणवत्ता एवं जलापूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को नियमित, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराया जाना हर स्थिति में सुनिश्चित किया जाए। धनपालपुर पेयजल योजना वर्ष 2021-22 में ?232.66 लाख की लागत से स्वीकृत की गई है, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायत धनपालपुर की लगभग 2,725 आबादी को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत एक नलकूप, 175 केएल क्षमता का 16 मीटर ऊंचा ओवरहेड टैंक, 12,080 मीटर वितरण पाइपलाइन, 513 गृह नल संयोजन, एक पम्प हाउस, 25 किलोवाट सोलर प्लांट, 17.5 एचपी पम्पिंग प्लांट तथा बाउंड्रीवाल का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पम्प हाउस, ऑटोमेशन सिस्टम, ओवरहेड टैंक (ओएचटी) एवं क्लोरीनेशन सिस्टम का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने जल निगम के अधिशासी अभियन्ता के साथ ऑटोमेशन प्रणाली, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था तथा जल गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्थापित क्लोरीनेशन सिस्टम की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। साथ ही सोलर प्रणाली एवं डीजी (जनरेटर) व्यवस्था का भी निरीक्षण कर उनके सुचारु संचालन की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने योजना पर कार्यरत ऑपरेटर से जलापूर्ति के समय एवं मानदेय के संबंध में जानकारी ली। ऑपरेटर ने बताया कि योजना से नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा मानदेय का भुगतान समय से प्राप्त हो रहा है। ग्राम प्रधान नीतू सिंह ने अवगत कराया कि कार्यदायी संस्था एनसीसी (NCC) द्वारा योजना के सभी निर्माण कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं तथा ग्राम के प्रत्येक मजरे एवं घर तक सफलतापूर्वक पेयजल पहुंचाया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने हिम्मतपुर मजरा में लाभार्थी शिव चरण पुत्र गंगाधर एवं माया देवी पत्नी शिवमोहन के घरों का निरीक्षण कर नल कनेक्शनों की जांच की।

दोनों स्थानों पर पर्याप्त दबाव के साथ जलापूर्ति होती पाई गई। ग्रामीणों एवं उपभोक्ताओं से बातचीत में बताया गया कि प्रतिदिन दो समय–प्रातः 9:00 बजे से 11:00 बजे तक तथा अपराह्न 3:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक नियमित जलापूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों ने उपलब्ध कराए जा रहे जल को पेय योग्य बताते हुए जल की गुणवत्ता एवं नियमित आपूर्ति पर संतोष व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने योजना के संचालन एवं अनुरक्षण की सराहना करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता एवं नियमितता निरंतर बनाए रखी जाए तथा सभी उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, जल निगम के अधिशासी अभियन्ता रणविजय सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

गड्ढा मुक्त सड़क की मांग को लेकर व्यापारियों ने उठाई आवाज एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नगर और आसपास की जर्जर सड़कों को लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को उप जिलाधिकारी राजेश कुमार श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने नगर की प्रमुख सड़कों और नगर से बाहर जाने वाले मार्गों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि बरसात के कारण सड़कें जगह जगह गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। इससे आए दिन हादसे हो रहे हैं और लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा के नेतृत्व में पहुंचे व्यापारियों ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल रोड, आचार्य नगर रोड, सब्जी मंडी मार्ग, गल्ला मंडी मार्ग और अंबेडकर मार्ग की स्थिति बेहद खराब है। इसके अलावा तहसील रोड और रायबरेली रोड रेलवे क्रॉसिंग से ब्लॉक तक का मार्ग भी जर्जर हो चुका है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूली बच्चे और राहगीर भी दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। व्यापारियों ने कहा कि बरसात के मौसम में यदि नई सड़क बनाना संभव नहीं है तो कम से कम गड्ढों को भरकर मार्गो को गड्ढा मुक्त कराया जाए। इससे व्यापारियों, मरीजों, छात्रों और आम लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। जिला अध्यक्ष उद्योग मंच हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि खराब सड़कों से व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। प्रशासन सुरक्षित और सुगम यातायात के लिए प्रभावी कदम उठाए। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष सानू बाजपेई, जिला महामंत्री अप्पू शर्मा, नगर उपाध्यक्ष शीलू त्रिवेदी और नगर युवा प्रचार मंत्री आशुतोष गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसडीएम ने की टीडी टीकाकरण अभियान की समीक्षा

लालगंज (रायबरेली)। तहसील सभागार में बुधवार को एसडीएम की अध्यक्षता में समन्वय बैठक हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के टिटनेस डिप्थीरिया (टीडी) टीकाकरण अभियान की समीक्षा की गई। एसडीएम ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अभिमन्यु सिंह ने बताया कि क्षेत्र में एक अगस्त से 28 अगस्त तक टीडी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पांच, 10 वर्ष के बालक और 16 वर्ष आयु वर्ग बच्चियों को टिटनेस डिप्थीरिया का टीका लगाया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, विकास विभाग और अन्य संबंधित विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। बैठक में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि 10 अगस्त को दो से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। यह अभियान स्कूलों के माध्यम से संचालित होगा। जो बच्चे 10 अगस्त को अनुपस्थित रहेंगे उन्हें 14 अगस्त को मॉप अप दिवस पर एल्बेंडाजोल की गोली दी जाएगी।

गंगा एक्सप्रेसवे पर फॉर्च्यूनर पलटी, चालक समेत चार घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। गंगा एक्सप्रेसवे पर बुधवार को तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चालक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 447 पर हुआ। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक मौके पर अफरा तफरी का माहौल बना रहा।मुजफ्फरनगर के द्वारकापुरी निवासी अलक्षेन्द्र प्रताप सिंह अपने साथियों के साथ एक न्यायालय संबंधी मामले में प्रयागराज जा रहे थे। इसी दौरान उनकी फॉर्च्यूनर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में अलक्षेन्द्र प्रताप सिंह और चालक रंजीत वर्मा निवासी बचनजी कॉलोनी, नई मंडी, मुजफ्फरनगर सहित चार लोग घायल हुए। सूचना मिलते ही यूपीडा की एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायल चालक रंजीत वर्मा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि हादसे में घायल अन्य लोगों को उपचार के लिए उन्नाव ले जाया गया है।

सिद्धार्थनगर में नकली अंग्रेजी शराब बनाने का भांडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में अंग्रेजी शराब के नाम पर चल रहे एक बड़े संगठित फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ है। बांसी पुलिस, एसओजी, सर्विलांस सेल और आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई में इस गिरोह का खुलासा हुआ। यह गिरोह पिछले चार से पांच वर्षों से असली अंग्रेजी शराब की बोतलों में मिलावट कर उन्हें बाजार में बेच रहा था। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और पूरे नेटवर्क की जांच जारी है। पुलिस का मानना है कि आने वाले दिनों में इस गिरोह से जुड़े कई और लोगों के नाम सामने आ सकते हैं।

एसएसपी डॉ. अभिषेक महाजन ने बताया- मुख्य आरोपी बलराम जायसवाल कोतवाली बांसी क्षेत्र के सुभाष नगर, कोइलहवा स्थित एक किराये के मकान में रहता था। उसने इसी मकान को नकली शराब बनाने और बेचने के पूरे नेटवर्क का अड्डा बना रखा था। छापेमारी के दौरान पुलिस के अनुसार दुकान के पीछे बने कमरे में हरदोई निवासी प्रदीप कुमार पुरानी शराब की बोतलों को दोबारा पैक कर नए ब्रांड के रूप में तैयार करता मिला। पुलिस ने 32,472 नकली ढक्कन, 12,740 नकली बारकोड (सील रैपर), विभिन्न ब्रांडों की 16 बोतल मिश्रित अंग्रेजी शराब, एक इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन, ढक्कन खोलने के उपकरण और एक मोटरसाइकिल बरामद की।

करेंट लगने से भैंस की मौत

सिद्धार्थनगर। गड्ढे के किनारे लगे विद्युत पोल में करंट उतरने से उसकी चपेट में आने पर एक भैंस की मौत हो गई। भैंस को बचाने के प्रयास में पशुपालक को भी करंट का झटका लगा, हालांकि वह बाल-बाल बच गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मधुबनी के टोला जीतपुर निवासी मजहर अली बृहस्पतिवार की दोपहर अपने मवेशियों को सिवान में चराने लिये ले जा रहे थेकि इसी दौरान उनकी एक भैंस गड्ढे के किनारे लगे विद्युत पोल के संपर्क में आ गई, जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट लगते ही एक भैंस छटपटाने लगीं। उन्हें बचाने के लिए आगे बढ़े मजहर अली को भी करंट का झटका लगा, लेकिन वह किसी तरह सुरक्षित बच निकले। वहीं एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पशु चिकित्सक अशोक कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि करंट लगने से एक भैंस की मौत की सूचना मिली है। मामले की जांच कराई जा रही है तथा पशुओं के पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जन चौपाल कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। नगर पंचायत बिस्कोहर के वार्ड नं0 09 श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर हरिवंधनपुर कोहड़ौरा स्थित काली माता स्थान के सामने पोखरे का सुन्दरीकरण का उद्घाटन पूर्व मंत्री डॉ सतीश चंद्र द्विवेदी के द्वारा किया किया गया। इसके बाद जन चौपाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पोखरे का सुन्दरीकरण हो जाने से यहां का वातावरण बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण योजनाओं को आम जनता तक पहुंच रहा है इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा है। इस दौरान चेयरमैन अजय गुप्ता, मंडल अध्यक्ष कुंवर मिश्रा,अमित पांडे, सूर्यमणि चौधरी , नृपेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवजी तिवारी, रामनरेश पासवान, दीप नारायण तिवारी, गौकर्ण पाठक, खेमराज यादव, गुड्डू यादव, दुर्गेश शुक्ला,सदानंद शुक्ला, रोहित कुमार गौतम, कन्हैया वरुण, लालू नाईक, शिवपति उपाध्याय, जितेंद्र मौर्य, विमल सिंह अनुप पांडे, मनीराम प्रजापति, श्याम पांडे, लड्डूपाल सोनी, अखलेश अवस्थी, सत्यनारायण दुबे आदि उपस्थित रहे।

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण के प्रकरण में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। वादी निवासी मुबारकपुर पाटीहार थाना मानिकपुर प्रतापगढ़ द्वारा थाना मानिकपुर पर 04 अगस्त को तहरीर दिया गया कि उसकी बहन का अमित कुमार सोनकर से प्रेम-प्रसंग था तथा वह उससे विवाह करना चाहती थी। आरोप है कि अभियुक्त द्वारा शादी से इनकार करने एवं कथित रूप से अपमानजनक बाते कहने से आहत होकर 03 अगस्त को मृतका घर से निकल गई और करेंटी गंगा पुल से कूदकर आत्महत्या कर ली। वादी से प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मानिकपुर पर अमित कुमार सोनकर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना मानिकपुर जनपद प्रतापगढ़ में दर्ज मुकदमा से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अमित सोनकर पुत्र संतोष सोनकर निवासी ऐमाअस्भौ थाना मानिकपुर जनपद प्रतापगढ़ को ग्राम पाटीहार से गिरफ्तार किया गया।

राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की टीम ने किया बाढ़ शरणालय का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण तथा संयुक्त राष्ट्र विकास प्राधिकरण की प्रतिनिधि टीम के प्रशांत कुमार,आशीष ,शबाना हेगड़े ने उसका बाजार के किसान इंटर कालेज के परिसर में अस्थाई रूप से स्थापित बाढ़ शरणालय का स्थलीय निरीक्षण किया और समन्वय बैठक किया है। इस अवसर पर टीम ने बाढ शरणालय में पेयजल, प्रकाश, शौचालय, सोने की व्यवस्था आदि का स्थलीय निरीक्षण किया है। इसके बाद बैठक करके बाढ़ क्षेत्र के गावों के बारे में राजस्व कर्मियो से विस्तार से जानकारी ली। टीम ने बाढ चौकी, गोताखोर , नाव और नाविकों के बारे में जानकारी प्राप्त की और हर वक्त आपदा की स्थिति में सतर्क रहने का निर्देश दिया । इस अवसर पर एडीएम गौरव श्रीवास्तव, एसडीएम रेनू मिश्रा, तहसीलदार निखिल, नायब तहसीलदार अमित सिंह, लेखपाल संजय पांडे, महेंद्र सहनी, धनंजय पाण्डेय, अभिषेक त्रिपाठी, ग्राम प्रधान मनोज सहानी आदि रहे।

अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, भारी मात्रा में नकली शराब बनाने का सामान जब्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत करणघाटी गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध विदेशी शराब निर्माण एवं बिक्री के धंधे का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नकली शराब बनाने में प्रयुक्त सामग्री, शराब की बोतलें, स्टिकर, ढक्कन तथा स्पिरिट बरामद की गई। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है, जबकि दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक पाकुड़ के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित विशेष छापेमारी दल (एसआईटी) ने करणघाटी गांव स्थित आरोपी के घर एवं उसके पीछे बनी झोपड़ी में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान रॉयल स्टेग ब्रांड के नाम से जुड़े 100 खाली 180 मिलीलीटर की कांच की बोतलें, 40 खाली 375 मिलीलीटर की बोतलें, विभिन्न आकार के ब्रांडेड स्टिकर, बड़ी संख्या में सील स्टिकर, 150 प्लास्टिक के ढक्कन, 20 भरी हुई शराब की बोतलें तथा लगभग 20 लीटर स्पिरिट से भरा एक प्लास्टिक जार बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने तारेश साहा, पिता स्व. लेगड़ा साहा, निवासी ग्राम करणघाटी, थाना लिट्टीपाड़ा, जिला पाकुड़ को गिरफ्तार किया है। उसके विरुद्ध लिट्टीपाड़ा थाना कांड संख्या 44/26, दिनांक 05 अगस्त 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 274 एवं 275 तथा उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए), 47(बी) एवं 47(डी) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार इस अवैध कारोबार में संलिप्त जितेन साहा, पिता तारेश साहा, फिलहाल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। छापेमारी दल में लिट्टीपाड़ा थाना प्रभारी विवेक कुमार, प्रभारी सिमलौंग ओपी बलवंत दुबे, अनिल कुमार पंडित, विपिन कुमार, अशोक प्रसाद यादव सहित लिट्टीपाड़ा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्टोन मेटल सड़क के किनारे गार्डवाल नहीं, सड़क और कच्चे मकानों पर खतरा

दोनों ओर गार्डवाल निर्माण की मांग, प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़िया प्रखंड के बनो ग्राम पंचायत अंतर्गत भांगाबाड़ी मुखिया टोला जाने वाली वर्षों पूर्व निर्मित ग्रेड-वन स्टोन मेटल (मिट्टी-मोरम) सड़क के दोनों किनारों पर गार्डवाल नहीं होने से सड़क के साथ-साथ आसपास बने कई कच्चे मकानों के धंसने का खतरा उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अविलंब स्थलीय जांच कर दोनों ओर मजबूत और ऊंचे पक्के गार्डवाल का निर्माण कराने की मांग की है। गुरुवार (6 अगस्त) को गांव के लोगों से बातचीत के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों पहले सड़क के दोनों ओर उच्च गुणवत्ता का मोरम उपलब्ध था। इसका लाभ उठाते हुए पश्चिम बंगाल तथा स्थानीय क्षेत्रों के कुछ बड़े-छोटे बिचौलियों ने ट्रैक्टर और ट्रकों के माध्यम से दिन-रात मोरम का अवैध उठाव किया। लगातार खुदाई के कारण सड़क के दोनों किनारों पर गहरे गड्ढे बन गए, जिससे अब सड़क और उसके आसपास स्थित कच्चे मकानों पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते गार्डवाल का निर्माण नहीं कराया गया तो बरसात के दौरान सड़क का हिस्सा धंस सकता है और कई कच्चे मकान भी इन गड्ढों की चपेट में आ सकते हैं। ग्रामीण महिलाओं ने भी बताया कि पंचायत स्तर पर उपलब्ध राशि से चरणबद्ध तरीके से गार्डवाल का निर्माण कराया जाता तो काफी राहत मिलती। उनका कहना है कि वर्तमान में पंचायतों को वित्त आयोग की राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिसका उपयोग ऐसे जनहित एवं सुरक्षा संबंधी कार्यों में प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की शीघ्र जांच कर सड़क के दोनों किनारों पर लंबा, ऊंचा और मजबूत पक्का गार्डवाल का निर्माण कराया जाए, ताकि सड़क और आसपास के मकानों को संभावित दुर्घटना एवं धंसाव से सुरक्षित रखा जा सके।

कुडू में आदिवासी दिवस और करम पूर्व संध्या की तैयारी तेज 9 अगस्त भव्य पदयात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुडू, लोहरदगा, झारखंडः- विश्व आदिवासी दिवस और करम पूर्व संध्या को लेकर कुडू प्रखंड में तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में बीते गुरुवार को राजी पड़हा भवन कुडू में पारंपरिक स्वशासन पड़हा व्यवस्था, आदिवासी छात्र संघ और करम पूर्व संध्या आयोजन समिति के संयुक्त पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पारंपरिक स्वशासन पड़हा व्यवस्था के बेल विजय उरांव ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 9 अगस्त 2026 विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कुडू में भव्य पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा में हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे। वहीं हर वर्ष की भांति करम पूर्व संध्या का भव्य आयोजन 20 सितंबर 2026 को शहीद स्थल टीको पोखरा टोली मैदान में किया जाएगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि यह दोनों ही आदिवासी समाज के लिए महत्वपूर्ण दिन हैं। इसकी तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है ताकि कार्यक्रम ऐतिहासिक और यादगार बने। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी संस्कृति, परंपरा और स्वशासन व्यवस्था को बचाने के लिए इस तरह के आयोजन जरूरी हैं। नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए पदयात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहेंगे। बैठक में ये रहे मौजूदः बैठक में मुख्य रूप से पारंपरिक स्वशासन पड़हा व्यवस्था के बेल विजय उरांव, उपदीवान जतरू उरांव, 9 पड़हा चुंद बेल रविन्द्र उरांव, आदिवासी छात्र संघ लोहरदगा जिला अध्यक्ष अवधेश उरांव, प्रखंड अध्यक्ष अमित उरांव, कोषाध्यक्ष लखन भगत, शनि भगत, संजय गंझु, कुलदीप उरांव, दुलार भगत, विक्रम भगत, अनिल उरांव, संतोष उरांव, सुबोध उरांव, बिनोद उरांव, बिनोद भगत, अशोक उरांव, राजू उरांव, प्यारी उरांव, झालो उरांव, सरस्वती उरांव, दीपक तिर्की, बना उरांव, सुशीला उरांव, शीला उरांव, शांति उरांव, राजकुमार उरांव, धरम देव उरांव, महाबीर भगत, कार्तिक उरांव, सोमरा टाना भगत, प्यारी उरांव, कान्ति तिर्की, जौनी भगत, प्रेमचंद उरांव, सुनील उरांव, ऋतू उरांव, रीता टोप्पो सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

कैसे पड़ा 'विकास पुरुष' का नाम? बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह को हर दल ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए बुधवार का दिन बेहद भावुक रहा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के इकलौते विधायक और बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले उमाशंकर सिंह के निधन की खबर ने पूरे प्रदेश को शोक में डुबो दिया। लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे उमाशंकर सिंह का दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया। लेकिन सवाल यह है कि आखिर एक विपक्षी दल के नेता के निधन पर सत्ता और विपक्ष के लगभग सभी दलों की आंखें क्यों नम हो गईं? इसका जवाब उमाशंकर सिंह की राजनीति के उस अंदाज में छिपा है, जिसने उन्हें केवल एक नेता नहीं, बल्कि जनता का जनप्रतिनिधि बनाया। रसड़ा क्षेत्र में सड़क, पुल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सामाजिक कार्यों और जनसुविधाओं के लिए उनके प्रयासों के कारण लोग उन्हें 'विकास पुरुष' कहकर पुकारने लगे। यह उपाधि किसी सरकारी सम्मान से नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और प्रेम से मिली थी। उमाशंकर सिंह लगातार तीन बार रसड़ा विधानसभा से विधायक चुने गए। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में जब बसपा पूरे प्रदेश में केवल एक सीट जीत सकी, तब वही पार्टी के एकमात्र विधायक बने और विधानसभा में बसपा की आवाज बने रहे। उनकी पहचान केवल राजनीति तक सीमित नहीं थी। वे सामाजिक सरोकारों से भी गहराई से जुड़े रहे। गरीबों की मदद, सामूहिक विवाह, क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं की पहल और जनता के बीच निरंतर मौजूद रहने की उनकी शैली ने उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठाकर एक लोकप्रिय जननेता बना दिया। इसी कारण उनके निधन के बाद श्रद्धांजलि देने वालों में केवल बसपा ही नहीं, बल्कि भाजपा, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य दलों के नेता भी शामिल रहे। लखनऊ से लेकर बलिया तक शोक सभाओं का दौर चला और हजारों समर्थकों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन जनसेवा के प्रति समर्पण ही किसी नेता की सबसे बड़ी पहचान बनता है। उमाशंकर सिंह ने अपने सार्वजनिक जीवन में यही संदेश दिया। यही वजह है कि आज उनके जाने पर केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि पूरा पूर्वांचल और उत्तर प्रदेश शोकाकुल है। उमाशंकर सिंह का निधन केवल बसपा के लिए ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए भी एक बड़ी क्षति माना जा रहा है। उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। जनता के बीच उनकी सादगी, सहज उपलब्धता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें हमेशा यादगार बनाए रखेगी।

शुभम साहू के परिजनों से मिले पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज दोषियों को कड़ी सजा दिलाने का दिलाया भरोसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लोहरदगा, झारखंडः- लोहरदगा के युवा व्यवसायी शुभम साहू की हत्या के बाद शोक की लहर अभी भी बनी हुई है। इसी क्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने शुभम साहू के आवास पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने दिवंगत शुभम साहू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा समाज परिवार के साथ खड़ा है और न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। धीरज प्रसाद साहू ने शुभम के माता-पिता एवं अन्य परिजनों से मिलकर उनकी पीड़ा सुनी और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि एक युवा व्यवसायी की इस तरह निर्मम हत्या अत्यंत दुखद और चिंताजनक घटना है। ऐसे मामलों में दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर आवश्यक पहल की जाएगी। इस दौरान पूर्व सांसद ने लोहरदगा पुलिस अधीक्षक से भी दूरभाष पर बातचीत की। उन्होंने एसपी से कहा कि इस जघन्य अपराध में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर से कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी अपराधी इस प्रकार की वारदात करने का दुस्साहस न कर सके। उन्होंने कहा कि अपराधियों को कड़ी सजा मिलना समाज में कानून के प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए जरूरी है। धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि लोहरदगा हमेशा से शांतिप्रिय जिला रहा है। हाल के दिनों में अपराध की घटनाओं ने लोगों में चिंता बढ़ाई है। ऐसे में पुलिस प्रशासन को अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार सख्त कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।उन्होंने शोक संतप्त परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा देते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में वे परिवार के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़े हैं। समाज के सभी वर्गों को भी पीड़ित परिवार का मनोबल बढ़ाने और न्याय की इस लड़ाई में साथ देने की आवश्यकता है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशिथ जायसवाल, निश्चय वर्मा, नगर परिषद के उपाध्यक्ष अब्दुल कादिर, अनुज साहू, अरुण साहू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत शुभम साहू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग दोहराई।गौरतलब है कि पिछले दिनों लोहरदगा में युवा व्यवसायी शुभम साहू की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद पूरे जिले में आक्रोश का माहौल बन गया था। विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक और राजनीतिक संगठनों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं अब परिजन और आमजन मामले में शीघ्र न्याय एवं दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलने की अपेक्षा कर रहे हैं।

दंपत्ति पर चाकू से हमला करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार, देसी कट्टा बरामद

पकड़ा गया आरोपी जेजेएमपी के 'दिलीप दस्ते' से जुड़ा रहा है, जेल से आया था बाहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चैनपुर, झारखंडः- चैनपुर थाना क्षेत्र के बसईरटोली गांव में 4 अगस्त की रात्रि एक दंपति पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चैनपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल दो आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी अभी भी फरार है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रुति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी।एसडीपीओ श्रुति ने बताया कि 4 अगस्त की रात पुलिस को सूचना मिली थी कि बसईरटोली गांव में एक दंपति पर चाकू से हमला किया गया है। सूचना मिलते ही चैनपुर पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुँची और गंभीर रूप से घायल पति-पत्नी को अपनी पुलिस गाड़ी से चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक देसी कट्टा भी बरामद किया गया है। जांच और पूछताछ में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने पहले कट्टा दिखाकर दंपति को धमकाया और फिर उन पर चाकू से हमला किया।सूत्रों के अनुसार, पकड़ा गया आरोपी प्रतिबंधित नक्सली संगठन जेजेएमपी के 'दिलीप दस्ते' में पिछले डेढ़ महीने से सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में जुड़ा हुआ था और हाल ही में जेल से छूटकर आया था। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का स्पष्ट करना है कि घटना के वास्तविक कारणों और नक्सली संलिप्तता की पुष्टि दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी तथा साक्ष्यों के सत्यापन के बाद ही हो पाएगी।मामले से जुड़ी एक अन्य युवती, जो घटना के बाद डर के मारे गांव में ही छिप गई थी, सुबह स्थिति सामान्य होने पर स्वयं थाना पहुँची और पुलिस को पूरे मामले की विस्तृत जानकारी दी।फिलहाल पुलिस की अलग-अलग टीमें फरार दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही हैं। एसडीपीओ ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान का स्थापना दिवस मनाया

कानपुर। स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान का स्थापना दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश महासचिव सुशील सोनी, कानपुर दक्षिण जिलाध्यक्ष सुमित सोनी, संदीप सोनी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्वर्णकार समाज के महापुरुषों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष आनंद कुमार वर्मा का समाजबंधुओं द्वारा पुष्पमाला पहनाकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। आनंद कुमार वर्मा ने कहा कि अब समय आ गया है जब स्वर्णकार समाज को राजनैतिक रूप से भी अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करनी होगी। प्रदेश महासचिव सुशील सोनी ने कहा 'हम ट्टस्वर्णकार समाज की राजनैतिक हिस्सेदारी और भागीदारी के लिए पूर्ण रूप से संकल्पित हैं। एकजुटता ही हमारी शक्ति है।' कानपुर दक्षिण जिलाध्यक्ष सुमित सोनी, उमेश सोनी एवं संदीप सोनी ने भी समाज को संगठित होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

चंदवा-टोरी रेलवे फाटक की जाम समस्या खत्म करने की पहल तेज,शीघ्र निर्माण की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- चंदवा-टोरी रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को लेकर रा'यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने गुरुवार को संसद भवन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। इस दौरान सांसद ने परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) सौंपते हुए निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाने और जल्द स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। बैद्यनाथ राम ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि चंदवा-टोरी रेलवे फाटक क्षेत्र में प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन होता है। ट्रेन गुजरने के दौरान फाटक बंद रहने से लंबी वाहनों की कतार लग जाती है, जिससे आम नागरिकों, विद्यार्थियों, मरीजों, व्यवसायियों और औद्योगिक परिवहन से जुड़े लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि रेलवे ओवरब्रिज बनने के बाद यातायात सुगम होगा, समय की बचत होगी और दुर्घटनाओं की आशंका भी काफी हद तक कम हो जाएगी। सांसद ने यह भी बताया कि चंदवा-टोरी मार्ग झारखंड के रांची, लोहरदगा और पलामू के साथ-साथ पड़ोसी रा'य छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। ऐसे में ओवरब्रिज का निर्माण क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों, व्यापार, परिवहन व्यवस्था और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सौरभ श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए कहा कि डीपीआर में भूमि अधिग्रहण, तकनीकी मंजूरी, विभिन्न विभागों के समन्वय और निर्माण कार्य में आ रही प्रशासनिक अड़चनों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। साथ ही परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए व्यावहारिक सुझाव भी रिपोर्ट में शामिल किए गए हैं। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने परियोजना रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए संबंधित अधिकारियों को इसकी समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। मुलाकात के बाद सांसद बैद्यनाथ राम ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार के सकारात्मक सहयोग से चंदवा-टोरी रेलवे ओवरब्रिज परियोजना को जल्द मंजूरी मिलेगी और निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा। वहीं सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि यह परियोजना केवल एक पुल का निर्माण नहीं, बल्कि लातेहार जिले के लाखों लोगों को जाम, असुविधा और दुर्घटनाओं की समस्या से स्थायी राहत दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगी।

हिरणपुर बीडीओ ने पात्र नागरिकों से की वोटर सूची में नाम जोड़ने एवं सुधार कराने की अपील

हिरणपुर, पाकुड़, झारखंडः- प्रखंड विकास पदाधिकारी दिलीप टुडू ने हिरणपुर प्रखंड के सभी पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने तथा नाम, पता अथवा अन्य विवरण में आवश्यक सुधार कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों (संख्या 104 से 176 तक), सभी पंचायत भवनों तथा प्रखंड कार्यालय, हिरणपुर में एसआईआर (Special Intensive Revision) ड्राफ्ट मतदाता सूची-2026 एवं स्ष्ठ का प्रकाशन कर दिया गया है। बीडीओ ने कहा कि यदि प्रारूप मतदाता सूची में किसी पात्र नागरिक अथवा उसके परिवार के किसी पात्र सदस्य का नाम शामिल नहीं है, तो संबंधित बीएलओ (Booth Level Officer) से फॉर्म-6 प्राप्त कर आवेदन किया जा सकता है। साथ ही, जिन नागरिकों की आयु 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, रांची के निर्देशानुसार प्रखंड कार्यालय, हिरणपुर में सोशल मीडिया कैंप के तहत #NewVoters अभियान भी चलाया गया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चाँपी प्रश्न मंच प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

शिशु वर्ग ओवरऑल चैंपियन, बाल एवं किशोर वर्ग ओवरऑल द्वितीय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुडू, लोहरदगा, झारखंडः- विद्या भारती योजना अंतर्गत बीते दिन को शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा में आयोजित संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चाँपी के कुल 31 प्रतिभागी, विज्ञान, संस्कृति ज्ञान, वैदिक गणित, कथा-कथन एवं मूर्तिकला प्रतियोगिता जैसी विधाओं में सम्मिलित हुए। संस्कृति ज्ञान प्रतियोगिता में बड़की चाँपी के भैया बहन शानदार प्रदर्शन करते हुए शिशु , बाल एवं किशोर इन तीनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि विज्ञान एवं वैदिक गणित विषयों में तीनों वर्गों में द्वितीय स्थान रहा। कथा कथन प्रतियोगिता के शिशु वर्ग में बहन दिव्या कुमारी प्रथम स्थान एवं बाल वर्ग में बहन विद्या कुमारी का द्वितीय स्थान रहा। मूर्तिकला प्रतियोगिता में कृष्ण कन्हैया पाठक एवं सुप्रिया कुमारी को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। विजेता भैया बहनों को प्रशस्ति पत्र, मेडल और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। विजय प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन से आगामी 22 अगस्त 2026 को शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा में ही आयोजित विभाग स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता में पुनः प्रतिभाग के लिए अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष भूषण प्रसाद, सचिव यदुनंदन तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, सदस्यगण एवं प्रधानाचार्य मनोहर मोदी, आचार्य दीदी जी ने सभी विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं भैया बहनों में ज्ञान, संस्कार, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास करती है।

संक्षिप्त खबरें

गुरबाणी लाइव प्रसारण पर नया विवाद, एसजीपीसी ने चैनल को भेजा लीगल नोटिस

अमृतसर। श्री हरिमंदिर साहिब से गुरबाणी के लाइव प्रसारण को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने जीटीसी चैनल को कानूनी नोटिस जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि संस्था की अनुमति के बिना श्री हरिमंदिर साहिब से गुरबाणी का लाइव प्रसारण या री-स्ट्रीमिंग नहीं की जा सकती। एसजीपीसी ने चैनल को तत्काल प्रस्तावित प्रसारण रोकने की चेतावनी देते हुए कहा है कि नियमों का उल्लंघन होने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसजीपीसी अध्यक्ष अधिवक्ता हरजिंदर सिंह धामी ने प्रेस वार्ता में बताया कि संस्था को मंगलवार रात जीटीसी चैनल की ओर से एक पत्र प्राप्त हुआ था। पत्र में दावा किया गया था कि चैनल श्री हरिमंदिर साहिब से गुरबाणी का लाइव प्रसारण शुरू करने जा रहा है। धामी ने कहा कि एसजीपीसी ने इस संबंध में किसी भी प्रकार की अनुमति जारी नहीं की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी राजनीतिक दल के प्रवक्ता का बयान एसजीपीसी का आधिकारिक निर्णय नहीं माना जा सकता।

बठिंडा में एक ही रात दो घरों में चोरी, 11 लाख के गहने लेकर फरार हुए चोर

बठिंडा। बठिंडा जिले में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बुधवार रात अज्ञात चोरों ने दो अलग-अलग स्थानों पर घरों को निशाना बनाते हुए करीब 11 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं के बाद लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पहली वारदात शहर के प्रताप नगर की गली नंबर चार में रहने वाले मनीष कुमार के घर हुई। मनीष कुमार ने बताया कि उनके पिता विदेश से लौट रहे थे। उन्हें लेने के लिए बुधवार शाम पूरा परिवार बठिंडा से दिल्ली हवाई अड्डे गया था। वीरवार सुबह जब परिवार वापस घर पहुंचा तो मुख्य दरवाजा खोलते ही अंदर का नजारा देखकर सभी हैरान रह गए।

बठिंडा के श्मशान घाट में मिला 17 वर्षीय युवक का शव, शरीर पर चोट और खून के निशान

बठिंडा। बठिंडा के मानसा मार्ग स्थित गांव जस्सी पौ वाली के श्मशान घाट में वीरवार सुबह 17 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक के शरीर पर चोट के निशान और खून के धब्बे मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना मिलते ही थाना सदर पुलिस, कोटशमीर चौकी पुलिस और ग्रामीण पुलिस उपाधीक्षक मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बठिंडा की मोर्चरी भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, वीरवार सुबह सहारा जनसेवा की लाइफ सेविंग ब्रिगेड को सूचना मिली कि गांव जस्सी पौ वाली के श्मशान घाट में एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही संस्था की एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस को भी जानकारी दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया तो वहां एक युवक का शव पड़ा मिला। युवक के चेहरे पर सफेद कपड़ा रखा हुआ था, जबकि शरीर के कई हिस्सों पर खून के निशान दिखाई दे रहे थे। मौके से पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए और आसपास के क्षेत्र की भी जांच की।

दिल्ली हाई कोर्ट से सुशील कुमार को राहत नहीं, जमानत पर रोक बरकरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। मई 2021 में पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में आरोपित ओलिंपियन सुशील कुमार की नियमित जमानत याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने सुशील कुमार की अर्जी खारिज कर दी। सुशील कुमार ने जमानत की मांग करते हुए तर्क दिया था कि रोहिणी अदालत ने अभियोजन पक्ष के सभी अहम गवाहों से पूछताछ कर ली है। हालांकि, अदालत ने राहत देने से इनकार कर दिया। सुशील पहलवान ने जमानत देने से इन्कार करने के छह फरवरी के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

सुशील की नियमित जमानत का हुआ था विरोध

सागर के पिता ने ट्रायल कोर्ट में सुशील कुमार की नियमित जमानत याचिका का विरोध किया था। सुशील कुमार को हाई कोर्ट ने मार्च 2025 में नियमित जमानत दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 13 अगस्त 2025 को यह कहते हुए सुशील की जमानत यह कहते हुए रद कर दिया था कि अहम गवाहों से पूछताछ अभी बाकी है। इसके बाद उन्होंने 20 अगस्त 2025 को आत्मसमर्पण कर दिया था। सुशील कुमार ने नियमित जमानत की मांग करते हुए यह भी तर्क दिया था कि मामले में साक्ष्यों को प्रभावित करने या उनसे छेड़छाड़ करने की कोई संभावना नहीं है।

इलाज के दौरान हुई थी सागर धनखड़ की मौत

यह भी कहा कि शीर्ष अदालत ने सुशील कुमार को परिस्थितियों में बदलाव या नए आधार सामने आने पर संबंधित कोर्ट में नई जमानत अर्जी दाखिल करने की छूट दी थी। सुशील ने याचिका में कहा कि अभियोजन पक्ष के 222 गवाह हैं और इनमें से 42 अहम गवाहों (घायल व्यक्ति सहित) से पूछताछ हो चुकी है। याचिका में कहा गया था कि सुशील कुमार को आगे न्यायिक हिरासत में रखने का कोई फायदा नहीं होगा। आरोप है कि चार और पांच मई 2021 की रात करीब 11:30 बजे छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग एरिया में सुशील कुमार और उनके साथियों ने सागर के साथ मारपीट की थी और इलाज के दौरान सागर धनखड़ की मौत हो गई थी।

बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू को बड़ी राहत, दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश- तुरंत हटाएं आपत्तिजनक कंटेंट

नई दिल्ली। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को अभिनेत्री तब्बू के के खिलाफ पोस्ट किए गए अपमानजनक और अश्लील कंटेंट को हटाने का आदेश दिया। मामले में अंतरिम आदेश पारित करते हुए न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और रेडिट जैसे प्लेटफार्म पर अपलोड की गई कई इंटरनेट मीडिया पोस्ट और लिंक को हटाने का आदेश देगा। अदालत इससे पहले इसी तरह के मामले में क्रिकेटर अभिषेक शर्मा और युवराज सिंह, कांग्रेस नेता शशि थरूर सहित कई अभिनेता-अभिनेत्रियों के पक्ष में अंतरिम आदेश पारित कर चुकी है।

स्कूल जा रही इंटर की छात्रा को तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर- शाहजहांपुर। स्कूल के लिए निकली इंटरमीडिएट की छात्रा बुधवार सुबह हाईवे पर तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि छात्रा सड़क पर गिरकर बेहोश हो गई। गंभीर हालत में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस ने बाइक चालक को हिरासत में लेकर वाहन कब्जे में कर लिया है। कुआंडंडा गांव निवासी सत्यपाल की पुत्री पूनम बुलाकी दास इंटर कॉलेज में कक्षा 12 की छात्रा है। बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे वह साइकिल से स्कूल जा रही थी। गैस एजेंसी के पास हाईवे पार करते समय शाहजहांपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पूनम सड़क पर गिरकर बेहोश हो गई, जबकि बाइक चालक रामपुर जिले के थाना स्वार क्षेत्र के नरपत नगर निवासी तसव्वर भी घायल हो गया। आसपास के लोगों ने दोनों को संभाला और पुलिस व परिजनों को सूचना दी। परिजन छात्रा को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। उधर, उपचार के बाद बाइक चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और बाइक कब्जे में कर ली। सीओ विदुष सक्सेना ने बताया कि सड़क हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हुई है। बाइक चालक को हिरासत में लेकर वाहन सीज कर दिया गया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लुधियाना थाना सदर की पुलिस ने लूट की वारदातें करने वाले 4 आरोपीयों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- सदर पुलिस स्टेशन लुधियाना की पुलिस ने मोबाइल फोन के साथ चोरों और लुटेरों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया। सदर पुलिस स्टेशन लुधियाना की पुलिस पार्टी को सूचना मिली कि 4 व्यक्ति पुनीत कुमार पुत्र प्रगास महतो निवासी वार्ड नंबर 05, गाँव बिशनपुर अधार, पुलिस स्टेशन कनोली जिला सीतामढ़ी बिहार, निवासी कासाबाद चौक लुधियाना, राजीव कुमार पुत्र विनोद महतो निवासी वार्ड नंबर 08, गाँव मधेसर पोस्ट ऑफिस भूतही, पुलिस स्टेशन सोनबरस जिला सीतामढ़ी बिहार, निवासी करिया पर कासाबाद चौक लुधियाना, अतावुल शेख पुत्र मंसूर शेख निवासी वार्ड नंबर 07, गाँव बिशनपुर अधार पोस्ट ऑफिस अररिया, पुलिस स्टेशन कनोली जिला सीतामढ़ी बिहार और उमेश कुमार पुत्र ईशर नारायण महतो निवासी वार्ड नंबर 02, गाँव इनरवा पोस्ट ऑफिस अररिया, पुलिस स्टेशन कनोली जिला सीतामढ़ी, बिहार, मोबाइल फोन की चोरी और लूट में शामिल थे। ये सभी लोग डी-मार्ट गांव संगोवाल लुधियाना के पीछे बनी कॉलोनी में पड़े एक खाली घर में बैठे हैं, इसे बेचने का इंतज़ार कर रहे हैं। नीमदे भुवर्भा घर 208 भिड़ी 04-08-2026 भ/प 303(2),304,3 (5) बीएनएस घाटा मारत लूपिभाता रत्न उत्तिमत्व बनाया गया था। स्वपन शर्मा, आईपीएस पुलिस आयुक्त लुधियाना जसकिरनजीत सिंह पीपीएस के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त, ग्रामीण, लुधियाना, करणवीर सिंह अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन -2 लुधियाना, अंग्रेज सिंह पीपीएस सहायक पुलिस आयुक्त दक्षिण लुधियाना, इंस्पेक्टर जगदेव सिंह मुख्य अधिकारी पुलिस स्टेशन सदर लुधियाना और एसःथ तरसेम सिंह इंचार्ज चौकी मराडो के कुशल नेतृत्व में पुलिस पार्टी ने सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की और दोसियन पुनीत कुमार पुत्र प्रगास महतो निवासी वार्ड नंबर 05, गांव बिशनपुरधर पुलिस स्टेशन कनोली जिला सीतामढ़ी बिहार हाल निवासी कासाबाद चौक लुधियाना, राजीव कुमार पुत्र विनोद महतो निवासी वार्ड नंबर 08 गांव मधेसर पोस्ट ऑफिस भूतही पुलिस स्टेशन सोनबरस जिला सीतामढ़ी बिहार हाल निवासी करिया कासाबाद चौक लुधियाना, अतावुल शेख पुत्र मंसूर शेख निवासी वार्ड नंबर 07 गांव बिशनपुरधर पोस्ट ऑफिस अररिया पुलिस स्टेशन कनोली जिला सीतामढ़ी बिहार और उमेश कुमार पुत्र ईशर नारायण महतो निवासी वार्ड नं. 02 ग्राम इनरवा डाकघर अररिया थाना कनौली जिला सीतामढ़ी, बिहार को गिरफ्तार किया गया।

लुधियाना में अचानक धंसी 30 फीट सड़क, 20 फुट गहरे गड्ढे से बढ़ा खतरा

लुधियाना। लुधियाना शहर में वीरवार को हुई बारिश के बीच किचलु नगर स्थित धामी हॉस्पिटल के नजदीक मुख्य सड़क का करीब 30 फीट लंबा हिस्सा अचानक धंस गया। सड़क धंसने से लगभग 20 फुट गहरा गड्ढा बन गया, जिसके नीचे से गुजर रही सीवरेज लाइन में गंदे पानी का तेज बहाव होने के कारण हालात और गंभीर हो गए हैं। सड़क धंसने से आसपास की दो-तीन इमारतों पर भी गिरने का खतरा मंडराने लगा है। आशंका जताई जा रही है कि यदि दोबारा बारिश हुई या मिट्टी और खिसकी तो इमारतों की नींव प्रभावित हो सकती है। जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। उधर , घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और गड्ढे के चारों ओर बैरिकेडिंग कर सड़क के एक हिस्से को यातायात के लिए बंद कर दिया। वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है, जिससे आसपास के क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

लुधियाना के टिब्बा पुल पर फैक्ट्री वर्करों से भरा ट्रक पलटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। साहनेवाल के टिब्बा पुल स्थित हरनामपुरा कट के पास बुधवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां फैक्टरी वर्करों से भरा एक तेज़ रफ़्तार 407 ट्रक अचानक से अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ट्रक से 70 से अधिक लोग घायल हो बताए जा रहे है, जिसमे से 25 से 30 घायलों को सिविल अस्पताल लुधियाना में लाया गया। जहां घायलों का इलाज चल रहा है। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने बिना देर किए राहत कार्य शुरू कर दिया। लोगों ने पलटे हुए 407 ट्रक में फंसे फैक्टरी वर्करों को बाहर निकाला और पुलिस कंट्रोल रूम व एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गई। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को तत्काल लुधियाना के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, वही कुछ घायलों को निजी अस्पताल में भी भर्ती करवाया गया। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों की टीम ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया और उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। जानकारी देते हुए घायल उदय राजपाल ने बताया कि वह रोजाना इसी ट्रक में सवार होकर साहनेवाल से आगे भगवानपुर में स्थित फैक्ट्री में काम के लिए जाते थे जहां से रोजाना की तरह वह शाम करीब 7:00 बजे वापस घर की तरफ लौट रहे थे जहां रास्ते में टिब्बा पुल के पास अचानक से ट्रक दीवार से टकराया इसके बाद ट्रक और नियंत्रित होकर तीन से चार बार पलट गया। घायल उदय राजपाल के अनुसार ट्रक पलटने के बाद एकदम से उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया वहीं घटनास्थल पर अन्य फैक्ट्री वर्करों के चिकने की आवाजे गूंजने लगी। उसने बताया कि जैसे ही उसे होश आया तो वह एंबुलेंस में बैठा हुआ था और उसे सिविल अस्पताल में लाया गया।

स्पेशल इन-डेप्थ रेक्टिफिकेशन (SIR) के तहत एन्यूमरेशन फेज़ हुआ पूरा- राहुल चाबा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फरीदकोट- इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, पूरे पंजाब में स्पेशल इन-डेप्थ रेक्टिफिकेशन (SIR) का प्रोसेस चल रहा है। इस संबंध में डिप्टी कमिश्नर-कम-डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर राहुल चाबा, IAS. ने सभी मान्यता प्राप्त पॉलिटिकल पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ एक मीटिंग की। मीटिंग के दौरान, उन्होंने बताया कि इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया के निर्देशों के अनुसार, 25 जून, 2026 से 3 अगस्त, 2026 तक चलने वाले एन्यूमरेशन फेज़ के तहत एन्यूमरेशन फॉर्म बांटने, मिलने और डिजिटाइज़ेशन का प्रोसेस 100 परसेंट पूरा हो गया है। इसके साथ ही, एन्यूमरेशन फेज़ सफलतापूर्वक खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) ने हर मुमकिन कोशिश की ताकि सभी प्रिंटेड एन्यूमरेशन फॉर्म संबंधित वोटरों तक पहुंचाए जा सकें और उनसे लिए जा सकें। डिजिटाइजेशन के बाद, BLO ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों द्वारा नियुक्त BLAZs की मौजूदगी में एब्सेंट, शिफ्टेड, मृतक और डुप्लीकेट वोटरों को भी वेरिफाई किया। उन्होंने कहा कि वेरिफिकेशन के दौरान जिले में 18,514 वोटर मृत पाए गए, 16,273 वोटर परमानेंटली शिफ्टेड पाए गए, 6,982 वोटर एब्सेंट पाए गए और कुछ वोटरों के नाम डुप्लीकेट भी पाए गए। फरीदकोट जिले के कुल 4,49,615 वोटरों के एन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है। ज़िला चुनाव अफ़सर ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, वोटर लिस्ट के ड्राफ़्ट का शुरुआती प्रकाशन 13 अगस्त 2026 को किया जाएगा। यह ड्राफ़्ट वोटर लिस्ट चीफ़ इलेक्टोरल अफ़सर, पंजाब की ऑफ़िशियल वेबसाइट और संबंधित इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन अफ़सरों के दफ़्तरों में उपलब्ध होगी। वोटर अपने बूथ लेवल अफ़सर (BLO) के पास जाकर भी अपना नाम चेक कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वोटर लिस्ट के ड्राफ़्ट प्रकाशन के बाद, जिन नागरिकों या वोटरों के नाम लिस्ट में शामिल नहीं हैं, वे 13 अगस्त 2026 से 12 सितंबर 2026 तक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन अफ़सर के पास दावे और आपत्तियाँ दर्ज करा सकते हैं। जिन वोटरों को नोटिस जारी किए जाएँगे, उन्हें चुनाव आयोग द्वारा बताए गए दो ज़रूरी दस्तावेज़ जमा करने होंगे। इस मीटिंग में डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन तहसीलदार फरीदकोट पूनम सिद्धू, आम आदमी पार्टी से गुरतेज सिंह खोसा और गुरप्रीत सिंह, भारतीय जनता पार्टी से संदीप शर्मा, मनप्रीत सिंह बराड़ और हरचरण सिंह संधू, बहुजन समाज पार्टी से गुरबख्श सिंह चौहान और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया (मार्क्सिस्ट) से अश्विनी कुमार मौजूद थे।

सड़क किनारे खड़े वाहनों पर बड़ी कार्यवाही, 245 वाहनों का हुआ चालान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों काही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया । इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 245 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की जाती है कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने यातायात पुलिस का सहयोग करें।

एसीएमओ व एसडीएम ने प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटरों का किया निरीक्षण

कोंच (जालौन)- अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अरविंद भूषण ने एसडीएम अभिनव कुमार के साथ मिलकर नगर में संचालित प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची। गुरुवार को अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं एसडीएम ने चंदकुआं स्थित किलकारी मैटरनिटी एवं ठाकुर अल्ट्रासाउंड सेंटर सहित मारकंडेश्वर तिराहा स्थित लाइफ केयर अल्ट्रासाउंड सेंटर, पटेल नगर स्थित जीबी अल्ट्रासाउंड सेंटर पहुंचकर सेंटर संचालन से संबंधित अभिलेख जांचे। उन्होंने अल्ट्रासाउंड मशीन और ऑपरेटर की स्थिति देखते हुए अल्ट्रासाउंड कराने आने वाले लोगों की समुचित जानकारी हासिल की। निरीक्षण के दौरान सभी सेंटरों पर जरूरी व्यवस्थाएं फिलहाल दुरुस्त पाई गई।

चंदवा जिला परिषद मार्केट विवाद: दुकानदारों के समर्थन में आए झामुमो नेता सौरभ श्रीवास्तव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, लातेहार, झारखंड:- चंदवा के इंदिरा गांधी चौक स्थित जिला परिषद मार्केट में संचालित दुकानों को लेकर उठे विवाद ने अब राजनीतिक स्वरूप लेना शुरू कर दिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता सौरभ श्रीवास्तव ने दुकानदारों की आजीविका का मुद्दा उठाते हुए जिला प्रशासन से संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि छोटे दुकानदारों के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली कार्रवाई की जाती है, तो वे उनके समर्थन में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सौरभ श्रीवास्तव ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि जिला परिषद मार्केट में करीब 50 दुकानें संचालित हैं, जिनसे अनेक परिवारों का जीवन-यापन जुड़ा हुआ है। उनके अनुसार, कई दुकानों का आवंटन महिलाओं के नाम पर है, लेकिन पारिवारिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण उनका संचालन स्थानीय लोग कर रहे हैं। इन दुकानों के माध्यम से रोजमर्रा की जरूरतों का सामान उपलब्ध कराया जाता है और कई परिवारों की आर्थिक व्यवस्था इन्हीं पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि हाल ही में लातेहार के उप विकास आयुक्त द्वारा मार्केट परिसर का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान कुछ दुकानों के संचालन को लेकर आपत्तियां सामने आने के बाद दुकानदारों में असमंजस और चिंता का माहौल बन गया है। उनका कहना है कि कई दुकानदारों ने उनसे मिलकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया है। झामुमो नेता ने कहा कि सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता आम नागरिकों के रोजगार और आजीविका की सुरक्षा होनी चाहिए। यदि छोटे व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा होता है, तो यह जनहित के अनुरूप नहीं माना जाएगा। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि किसी भी निर्णय से पहले मानवीय और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया जाए। सौरभ श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर उप विकास आयुक्त सहित संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजा है और दुकानदारों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि प्रभावित दुकानदारों को राहत नहीं मिली, तो वे उनके समर्थन में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।

वहीं, जिला परिषद मार्केट के कई दुकानदारों ने सौरभ श्रीवास्तव की पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि दुकानें ही उनके परिवारों की आय का एकमात्र साधन हैं और किसी भी कठोर कार्रवाई से उनका भविष्य प्रभावित हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से ऐसा समाधान निकालने की मांग की है जिससे नियमों का पालन भी हो और किसी परिवार की आजीविका भी प्रभावित न हो।

प्रशासन का पक्ष- इस संबंध में लातेहार के उप विकास आयुक्त से जानकारी लेने पर बताया गया कि जिला परिषद की दुकानों का आवंटन निर्धारित नियमों के तहत लगभग 1,500 प्रति माह के किराये पर किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न जांचों में यह सामने आया है कि कई आवंटित दुकानों का संचालन मूल आवंटियों के बजाय अन्य लोग अधिक किराये पर कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि इससे जिला परिषद को राजस्व की क्षति होती है और यह आवंटन की शर्तों के अनुरूप नहीं है। इसलिए निर्देश दिया जा रहा है कि जिन लोगों के नाम पर दुकान आवंटित है, वही स्वयं उसका संचालन करें। अब इस पूरे मामले पर जिला प्रशासन के अगले निर्णय का इंतजार किया जा रहा है। दुकानदारों की मांग, प्रशासन की कार्रवाई और राजनीतिक हस्तक्षेप के बीच यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आगे इस विवाद का समाधान किस दिशा में बढ़ता है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले लुधियाना की सुरक्षा व्यवस्था का एडीजीपी ने लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। स्वतंत्रता दिवस-2026 समारोह को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पंजाब के अपर पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) कौस्तभ शर्मा ने गुरुवार को लुधियाना का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिले के विभिन्न संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त स्वप्न शर्मा एवं पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एडीजीपी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए की गई सुरक्षा तैयारियों का विस्तृत आकलन किया। उन्होंने चंडीगढ़-लुधियाना राजमार्ग स्थित कटानी कलां के स्थायी जांच नाके का औचक निरीक्षण कर वाहनों की जांच व्यवस्था और बाहरी निगरानी प्रणाली का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने थाना जमालपुर का निरीक्षण किया। यहां पुलिसकर्मियों से संवाद कर उनकी परिचालन तैयारियों की समीक्षा की तथा अधिक सतर्कता, त्वरित प्रतिक्रिया और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस लाइन में आयोजित वरिष्ठ राजपत्रित अधिकारियों की बैठक में बल की तैनाती, संभावित सुरक्षा चुनौतियों, यातायात प्रबंधन तथा आपातकालीन कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर समन्वित एवं प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। एडीजीपी ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) परिसर स्थित समारोह स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रवेश एवं निकास मार्ग, दर्शक दीर्घा, वाहन पार्किंग, सुरक्षा घेरों तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर एडीजीपी कौस्तभ शर्मा ने कहा कि पंजाब पुलिस स्वतंत्रता दिवस समारोह को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है तथा बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई है।

पुलिस आयुक्त स्वप्न शर्मा ने बताया कि एडीजीपी के मार्गदर्शन में पूरे शहर में व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी, चौबीसों घंटे गश्त तथा प्रमुख प्रवेश मार्गों और पीएयू परिसर में विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि नागरिक निर्भय होकर स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग ले सकें।

पीलीभीत के कटरा बाजार में अभियान चलाकर 05 बालकों को बालश्रम से कराया गया मुक्त

जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला प्रोबेशन अधिकारी के सहयोग से शहर में चलाया गया अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला प्रोबेशन अधिकारी के सहयोग से श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकला के निर्देशन में शहर पीलीभीत की सबसे कटरा बाजार में बालश्रम उन्मूलन हेतु संयुक्त टीम द्वारा अभियान चलाकर विभिन्न प्रतिष्ठानों से 05 बालकों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया। टीम ने अभियान के दौरान मेडिकल, किराना स्टोर, कपड़ों की दुकानों, स्टील वर्क्स आदि पर कार्यवाही करते हुए 05 प्रतिष्ठानों के सेवायोजनो के विरुद्ध श्रम प्रवर्तन अधिकारी द्वारा विभागीय कार्यवाही करते हुए निरीक्षण टिप्पणी जारी की गई। संयुक्त टीम द्वारा बालश्रम से मुक्त कराए गए सभी बालकों को बाल कल्याण समिति पीलीभीत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति द्वारा सभी बच्चों के परिजनों को भविष्य में बाल श्रम ने कराने की हिदायत देते हुए सभी बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकला ने बताया कि बाल श्रम (निषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 अंतर्गत खतरनाक प्रक्रिया में दोषी पाए जाने वाले सेवायोजकों के विरूद्ध एक वर्ष तक की सजा या 50000 रूपए तक का जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है। संयुक्त अभियान में चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह, थाना एचटी प्रभारी निरीक्षक गोविंद सिंह, सोशल वर्कर कर्माराव, दुर्गेश, का0 मनीष, अमित संयुक्त रूप से की गई कार्यवाही में सम्मिलित रहे।

पूरनपुर के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में मरीजों को बाहर की दवाएं लिखने का आरोप

लिखी हुई दवा का पर्चा वायरल होने पर महकमे में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

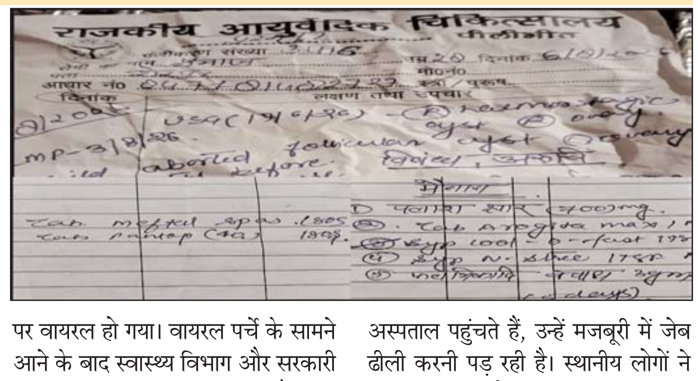

पूरनपुर (पीलीभीत)। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय पूरनपुर एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गया है। अस्पताल में इलाज कराने आ रहे मरीजों को अंदर से दवा न देकर बाहर की महंगी दवाएं लिखकर दिए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों और मरीजों का आरोप है कि अस्पताल के डॉक्टर और बाहरी मेडिकल स्टोर संचालकों के बीच साठ-गांठ चल रही है, जिसके चलते सरकारी अस्पताल में उपलब्ध दवाओं के बावजूद बाहर से पर्चा लिखा जा रहा है। मामले ने तूल तब पकड़ा जब डॉक्टर द्वारा बाहर की लिखी गई दवाओं का पर्चा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल पर्चे के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग और सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया है तथा अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गरीब मरीज जो मुफ्त और सस्ते इलाज की उम्मीद में सरकारी अस्पताल पहुंचते हैं, उन्हें मजबूरी में जेब ढीली करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने उच्च अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी डॉक्टर और सांठगांठ में शामिल मेडिकल संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

सावन में मुर्गों से भरी गाड़ियों पर पुलिस की पैनी नजर

माधौटांडा में संदिग्ध पिकअप जप्त कर जांच कर रही पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। पवित्र सावन माह के दौरान सतर्कता बरतते हुए पुलिस ने मुर्गों से भरी एक संदिग्ध पिकअप गाड़ी पर शिकंजा कसा है। थाना माधोटांडा क्षेत्र के गुलाब टांडा रोड पर नियमित गश्त के दौरान माधौटांडा पुलिस ने तेज रफ्तार में जा रही एक पिकअप को रोका। तलाशी लेने पर गाड़ी में भारी मात्रा में मुर्गे लदे पाए गए। वाहन चालक द्वारा मौके पर संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर पुलिस पिकअप को जब्त कर थाने ले आई। पुलिस विभाग के अधिकारियों के अनुसार, वाहन के दस्तावेजों, मुर्गों के परिवहन के लाइसेंस और वैधानिक मानकों की गहनता से जांच की जा रही है। जांच में किसी भी तरह की अनियमितता या लापरवाही सामने आने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

थाना माधोटांडा क्षेत्र के गुलाब टांडा रोड पर नियमित गश्त के दौरान माधौटांडा पुलिस ने तेज रतार में जा रही एक पिकअप को रोका। तलाशी लेने पर गाड़ी में भारी मात्रा में मुर्गे लदे पाए गए। वाहन चालक द्वारा मौके पर संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर पुलिस पिकअप को जत कर थाने ले आई।

बरसों से स्थाई शिक्षक न होने से नाराज़ ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। बरसों से स्थाई शिक्षक न होने से नाराज ग्रामीणों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के माध्यम से ग्रामीणों ने शिक्षकों की स्थाई तैनाती करने के साथ ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवाज बुलंद की। इसको लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत कराते हुए समाधान न होने पर आंदोलन करने की भी चेतावनी दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रांस शारदा क्षेत्र के ग्राम शास्त्रीनगर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में पिछले करीब आठ से दस वर्षों से स्थायी शिक्षक तैनात न होने से नाराज ग्रामीणों ने विद्यालय परिसर में संजय कुमार के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने विद्यालय में दो स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति तथा मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय में दूसरे स्कूलों से शिक्षकों को भेजकर किसी तरह पढ़ाई कराई जा रही है, जिससे दोनों विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि वर्षों से बच्चों का भविष्य अधर में लटका हुआ है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में स्वच्छ पेयजल, शौचालयों में दरवाजे तथा पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। इससे विशेषकर छात्राओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन और शिक्षा विभाग से शीघ्र स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति कर विद्यालय की मूलभूत समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वह उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के साथ आंदोलन करने हेतु वाध्य होगे।

तीन दर्जन से अधिक भक्त महाकालेश्वर कावड़ हेतु रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। श्री ओंकारेश्वर से महाकालेश्वर तक की कावड़ यात्रा के लिए करीब तीन दर्जन श्रद्धालुओं का जत्था रवाना हुआ है। जिसे गायत्री परिवार के संदीप खंडेलवाल आदि ने विदा किया। बृहस्पतिवार की प्रातः बेला में पूरनपुर से लगभग 40 भक्तों का एक समूह श्री ओंकारेश्वर से महाकालेश्वर तक की कावड़ यात्रा प्रारंभ करने हेतु रवाना हुआ। प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में ही नगर के श्री सनातन धर्म ठाकुर द्वारा मंदिर में हर हर महादेव जय भोलेनाथ जय जय शिव शंकर आदि के नारे गूंज रहे थे। जाने वाले सभी भक्तों ने प्रभु के चरणों में नमन करके बाबा भोलेनाथ बाबा भैरव की उपासना जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक से की इसके पश्चात नगर के गायत्री परिजन संदीप खंडेलवाल एवं राजीव खंडेलवाल ने सभी को तिलक लगाकर एवं अंग वस्त्र उड़ाकर शुभकामनाओं के साथ विदा किया। यह सभी भक्तगण 7 अगस्त से अपनी कावड़ शुरू करके बाबा महाकालेश्वर पर दिनांक 12 अगस्त को जलाभिषेक करेंगे। यात्रा पर जाने वाले भक्तों में महंत गौरव गुप्ता, विकास शर्मा, अभिषेक वर्मा, कन्हैया खंडेलवाल, रवि वर्मा, आयुष सोनी, तुषार सोनी, अश्वनी सिंह, बबुआ, दीपक, विनीत, विमलेश दीक्षित, प्रशांत मिश्रा आदि भक्त शामिल रहे।

कांवड़ मार्ग के अलावा गली मोहल्लों में चिकन, मटन बिक्री व होटल बंद कराना गलत- हाफिज नूर अहमद अज़हरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। सावन के माह में पुलिस प्रशासन द्वारा चिकन, मटन बिक्री के साथ ही नॉनवेज होटल के संचालन पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है। इस मामले में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आफ इंडिया के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि प्रशासन का कावड़ मार्ग पर कच्चे-पक्के मांस की बिक्री प्रतिबंधित करने का फैसला सही है, लेकिन गली-मोहल्ले में जहां कावड़ मार्ग नहीं है और जहां से कांवड़ियों का गुजरना नहीं है, ऐसे स्थान पर चिकन, मटन की बिक्री व होटल का संचालन बंद करना गलत है। उन्होंने मांस विक्रेताओं की आजीविका को ध्यान में रखते हुए जहां कावड़ यात्रा का कोई संबंध ना हो, वहां कच्चे व पक्के मांस की बिक्री करने की छूट देने की मांग की है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ऑफ इंडिया के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हाफिज नूर अहमद अजहरी का एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिससे उन्होंने मीट विक्रेताओं पर पाबंदी लगाने और एक माह तक उनके परिवार की आर्थिक तंगी को लेकर बयान दिया है। उन्होंने ने कहा कि कांवड़ यात्रा के मार्ग पर श्रद्धालुओं की आस्था और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन जो भी आवश्यक व्यवस्था करे, उसका सभी को सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कांवड़ यात्रा के निर्धारित रूट पर मीठ की दुकानों और होटलों को अस्थायी रूप से बंद कराया जाता है तो यह प्रशासनिक निर्णय हो सकता है, लेकिन जिन क्षेत्रों से कांवड़ यात्रा नहीं गुजरती, वहां भी दुकानों को बंद कराना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णय से उन व्यापारियों की आजीविका प्रभावित होती है, जिनका कांवड़ यात्रा से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। श्री अजहरी ने प्रशासन से मांग की कि प्रतिबंध केवल कांवड़ मार्ग तक सीमित रखा जाए और अन्य क्षेत्रों में व्यापारियों को सामान्य रूप से अपना कारोबार करने दिया जाए, ताकि सभी वर्गों के अधिकारों और आजीविका का संतुलन बना रहे।

बिना कानूनी प्रक्रिया नगर पालिका परिषद पीलीभीत द्वारा की जा रही कार्रवाई पर व्यापारियों ने खोला मोर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। नगर पालिका परिषद पीलीभीत द्वारा बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के की जा रही कार्रवाई के खिलाफ उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने मोर्चा खोल दिया है। व्यापारी संगठन के जिलाध्यक्ष शैली अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि लगभग 24 वर्षों से व्यापार भवन पूरी तरह व्यापार मंडल के वैधानिक कब्जे में है। पालिका प्रशासन अपनी प्रशासनिक विफलताओं को छुपाने के लिए जबरन दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए जिलाध्यक्ष शैली अग्रवाल ने अपने अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी के माध्यम से नगर पालिका पीलीभीत को एक विस्तृत जनसूचना आवेदन प्रेषित कर सीधे बैकफुट पर ला खड़ा किया है।

इस विधिक आवेदन में पालिका से पूछा गया है कि जब पालिका अध्यक्ष खुद फाइलें गायब होने की बात स्वीकार रही हैं, तो सरकारी दस्तावेज गायब होने पर अब तक पुलिस में प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई ? इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी कौन है ? आवेदन में यह भी पूछा गया है कि वर्ष 2000 से लेकर आज तक क्या कभी आवंटी व्यापार मंडल को किराया निर्धारण, बकाया वसूली या कोई 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया ? यदि हाँ, तो उसके साक्ष्य प्रस्तुत किए जाएं। व्यापार मंडल ने सवाल उठाया कि बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित करने से पूर्व वर्तमान में काबिज पक्ष को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के तहत अपना पक्ष रखने का कोई अवसर क्यों नहीं दिया गया ? जिलाध्यक्ष शैली अग्रवाल ने साफ किया कि उन्हें 23 मई 2026 को संगठन का प्रभार मिला है। इसके उपरांत तत्कालीन जिलाध्यक्ष अनूप अग्रवाल द्वारा व्यापार भवन की चाबियां और कब्जा उनको 24 जून को सौपकर इसकी लिखित सूचना 07 जुलाई को नगर पालिका कार्यालय को विधिवत दी गई थी, जिसकी आधिकारिक रिसीविंग मुहर और हस्ताक्षर संगठन के पास सुरक्षित हैं। ऐसे में पालिका द्वारा बिना किसी लिखित विधिक नोटिस के जबरन हस्तक्षेप का प्रयास पूरी तरह गैर-कानूनी है।उन्होंने कहा कि इस मामले में कड़ा रुख अपनाया जायगा और व्यापार मंडल के पूर्व बकाया आदि के संबंध में पूर्व जिलाध्यक्षों की जबाबदारी भी तय की जाएगी।

फेसबुक पर वीडियो अपलोड कर बरेली का युवक लापता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। बरेली के हाफिजगंज क्षेत्र से लापता हुए एक 28 वर्षीय युवक की बाइक पीलीभीत जिले के माधोटांडा स्थित हरदोई ब्रांच नहर के पास लावारिस हालत में बरामद हुई है। युवक ने लापता होने से पहले फेसबुक पर एक वीडियो भी अपलोड किया था, जिसके बाद से परिजन गहरे सदमे में हैं और अनहोनी की आशंका जता रहे हैं।

बरेली जनपद के थाना हाफिजगंज स्थित ग्राम रिठौरा मोहनपुर निवासी सूर्य प्रकाश पुत्र थान सिंह ने थाना माधोटांडा पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका 28 वर्षीय भाई महिपाल 5 अगस्त 2026 को बिना बताए घर से कहीं चला गया था। लापता होने के बाद महिपाल ने फेसबुक पर एक वीडियो बनाकर पोस्ट किया, जिसमें उसने बताया कि वह माधोटांडा हरदोई ब्रांच नहर पर आया हुआ है। वीडियो सामने आने के बाद जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो माधोटांडा नहर के पास महिपाल की स्पेलेंडर मोटरसाइकिल (यूपी 25 डीएस 0970) खड़ी मिली।

परिजनों ने रिश्तेदारों और संभावित ठिकानों पर महिपाल की काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। युवक के भाई सूर्य प्रकाश की तहरीर पर माधोटांडा थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गुमशुदगी दर्ज कर ली है और युवक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस नहर के आस-पास के इलाकों में खोजबीन करने के साथ-साथ सोशल मीडिया वीडियो की भी जांच कर रही है।

शिक्षा व्यवस्था की हकीकत परखने को बीईओ ने कई विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। शिक्षा व्यवस्था की हकीकत परखने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी ने कई विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक प्राथमिक विद्यालय समय से न खुलने पर उन्होंने स्टाफ का एक दिन का वेतन काटने की संस्तुति की है। निरीक्षण के दौरान बीईओ ने समयपालन, नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ छात्र नामांकन एवं उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया। विकास खंड के विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था की हकीकत परखने के लिए बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ने कई प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दो विद्यालय निर्धारित समय पर बंद मिले, जबकि कुछ विद्यालयों में छात्र उपस्थिति और नामांकन कम पाए जाने पर संबंधित शिक्षकों को सुधार के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालय बाइफरकेशन सुबह 7 बजकर 55 मिनट पर बंद मिला। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए वहां के समस्त स्टाफ के एक दिन के वेतन काटने की संस्तुति की गई। इसके बाद कंपोजिट विद्यालय नगरिया खुर्द कला भी सुबह 8 बजकर 20 बजे बंद पाया गया, जहां के पूरे स्टाफ के एक दिन के वेतन कटौती की संस्तुति की गई। प्राथमिक विद्यालय भूड़ा गोरख डिब्बी में निरीक्षण के समय एक शिक्षक विलंब से पहुंचे, जिन्हें भविष्य में समय का पालन करने के लिए कड़ी चेतावनी दी गई। वहीं प्राथमिक विद्यालय मटैया लालपुर में एक शिक्षामित्र अनुपस्थित मिला, जिसके मानदेय में एक दिन की कटौती की संस्तुति की गई।कंपोजिट विद्यालय रमनगरा में समस्त शिक्षक उपस्थित मिले, लेकिन छात्र उपस्थिति काफी कम पाई गई। इस पर सभी शिक्षकों को छात्र उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालय पलिया तथा प्राथमिक विद्यालय धुरिया पलिया में छात्र नामांकन अपेक्षा से कम पाया गया। दोनों विद्यालयों के शिक्षकों को नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

साले को मौत की नींद सुलाने वाले जीजा के खिलाफ मामला दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत शहर के स्थानीय बस स्टैंड पर जीजा और साले के बीच बहन को लेकर हुए विवाद में शराबी जीजा ने मारपीट कर अपने साले को मौत की नींद सुला दिया था और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराकर वहां से रफू-चक्कर हो गया। इस मामले को लेकर मृतक की मां ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपी अपने ही दामाद के खिलाफ अपने पुत्र की मौत का मामला दर्ज कराया। मिली जानकारी के अनुसार थाना नाराहट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नयागांव निवासी 40 वर्षीय देवेंद्र सिंह पुत्र हरदेव सिंह शनिवार को मध्य प्रदेश के विदिशा स्थित न्यायालय में अपने नाना के घर की जमीन के विवाद की तारीख करके रविवार को रात्रि करीब 8:00 बजे ट्रेन से विदिशा से लौटा, जो स्थानीय बस स्टैंड अपने गांव जाने के लिए पहुंचा। बताया गया है कि बस स्टैंड पर ही उसका जीजा ग्राम महरौनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पड़वा निवासी महाराज सिंह उसे मिल गया। क्योंकि महाराज सिंह ग्वालियर में अपनी बुआ सुनीता उर्फ़ कनका के घर रह रही अपनी पत्नी को लेने गया हुआ था, लेकिन पति-पत्नी के विवाद में पत्नी ने आने से इनकार कर दिया और जीजा महाराज सिंह अपने 7 वर्षीय पुत्र जय सिँह को लेकर चलाया आया। इसी दौरान दोनों ने एक साथ बैठकर शराब पी और इसी शराब के नशे में तब बहन को परेशान करने को लेकर साले देवेंद्र ने अपने जीजा को उलाहना दिया।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा नगर मंडल की रणनीति तैयार

10 से 14 अगस्त तक जनसंपर्क अभियान, डिजिटल लर्निंग, तिरंगा यात्रा और जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने पर जोर, लोकतंत्र सेनानियों का होगा समान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा नगर मंडल की बैठक में रणनीति तैयार की गयी है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 से 14 अगस्त तक जनसंपर्क अभियान, डिजिटल लर्निंग, तिरंगा यात्रा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर तक पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा लोकतंत्र सेनानियों का भी सम्मान किया जाएगा। नगर के एक बैंक्वेट हॉल में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल की मासिक बैठक एवं मंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक में जिला पदाधिकारियों की मौजूदगी में डिजिटल लर्निंग अभियान, हर घर तिरंगा, तिरंगा यात्रा तथा संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बताते हुए उन्हें बूथ स्तर तक सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 से 14 अगस्त तक नगर क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड और बूथ पर 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जाएगा इस दौरान कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को राष्ट्रीय ध्वज लगाने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी एवं लाभकारी योजनाओं की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। बैठक में तिरंगा यात्रा को भव्य एवं व्यापक रूप से आयोजित करने की रणनीति भी बनाई गई। इसके अलावा स्वतंत्रता संग्राम और लोकतंत्र की रक्षा में योगदान देने वाले लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करने का भी निर्णय लिया गया। जिला पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से संगठन के आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पूरी सक्रियता और समर्पण के साथ जुटने का आह्वान किया गया। कार्यशाला में डिजिटल माध्यमों के जरिए संगठन की गतिविधियों और सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला महामंत्री अनुराग अग्निहोत्री, जिला कार्यकारिणी सदस्य अशोक खंडेलवाल, संगीता सिंघल, प्रियंका मिश्रा, डिजिटल लर्निंग प्रभारी विवेक तिवारी, नगर अध्यक्ष हर्ष प्रधान, महामंत्री सूरज बॉथम, सपना चौहान, अमन शान, मानस शुक्ला, नवनीत मिश्रा, अंकित वाल्मीकि, प्रदीप मुखिया, दीपा गुप्ता, निर्मला गुप्ता, रितेश गुप्ता, दीपक गुप्ता, अभिषेक सक्सेना, आलोक त्रिवेदी, रामपाल वर्मा, अनिल शर्मा, शेर सिंह यादव, विकास गुप्ता, ओम शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक में जिला पदाधिकारियों की मौजूदगी में डिजिटल लर्निंग अभियान, हर घर तिरंगा, तिरंगा यात्रा तथा संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बताते हुए उन्हें बूथ स्तर तक सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 से 14 अगस्त तक नगर क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड और बूथ पर 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जाएगा इस दौरान कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को राष्ट्रीय ध्वज लगाने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी एवं लाभकारी योजनाओं की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। बैठक में तिरंगा यात्रा को भव्य एवं व्यापक रूप से आयोजित करने की रणनीति भी बनाई गई। इसके अलावा स्वतंत्रता संग्राम और लोकतंत्र की रक्षा में योगदान देने वाले लोकतंत्र सेनानियों का समान करने का भी निर्णय लिया गया।

हुसैनापुर खुर्द में लाखों के जेवर और नकदी चोरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। गांव में एक घर को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने लाखों के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। सुबह आहट होने पर जब गृह स्वामिनी की नींद खुली तो उसने चोरी की घटना की जानकारी परिवार के अन्य सदस्यों को दी। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हुसैनापुर खुर्द में बुधवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। पीड़ित रामरतन पुत्र मुलाराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5-6 अगस्त की रात परिवार के सदस्य अलग-अलग कमरों और बरामदे में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर घर में घुस आए और अलमारी व अन्य स्थानों पर रखे सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी समेटकर फरार हो गए। सुबह आहट होने पर उनकी पुत्री जशोदा देवी की नींद खुली ति उसने परिवार के अन्य सदस्यों को जगाया, जिसके बाद चोरी की जानकारी हुई। परिवार और ग्रामीणों ने आस-पास काफी तलाश की, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पुलिस को दी गई। बाद में पीड़ित ने थाना पूरनपुर पहुंचकर लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की, पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तहसील प्रशासन से मिलीभगत कर जमीन पर कब्जे का आरोप, महिला ने सीएम से लगाई न्याय की गुहार

..........प्रॉपर्टी डीलर पर प्लॉटिंग कराने, बाउंड्रीवाल तुड़वाने और सरकारी बंजर भूमि को भी नुकसान पहुंचाने का आरोप; एसडीएम बोले- जांच के बाद होगी नियमानुसार कार्रवाई ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र में जमीन विवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अलीगंज निवासी एक महिला ने तहसील प्रशासन, राजस्व कर्मियों और एक प्रॉपर्टी डीलर पर कथित मिलीभगत कर उसकी जमीन पर अवैध कब्जा कराने और प्लॉटिंग करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत भेजकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा विवादित भूमि पर चल रहे कार्य को तत्काल रुकवाने की मांग की है। शिकायतकर्ता रीता देवी के अनुसार, रायभान खेड़ा स्थित गाटा संख्या-325 तथा उससे सटी सरकारी बंजर भूमि को लेकर विवाद लंबित है। इसके बावजूद एक प्रॉपर्टी डीलर द्वारा कथित रूप से जबरन प्लॉटिंग कर जमीन की बिक्री की जा रही है। उनका आरोप है कि इससे उनकी निजी भूमि के साथ-साथ सरकारी बंजर भूमि को भी नुकसान पहुंच रहा है। महिला का आरोप है कि प्रॉपर्टी डीलर ने तहसील प्रशासन की मदद से उनकी बाउंड्रीवाल तुड़वा दी और उसी सामग्री से दूसरी ओर नई बाउंड्रीवाल खड़ी करा दी। इस दौरान पुलिस बल का भी इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया गया है। उनका कहना है कि घटना के वीडियो और अन्य साक्ष्य उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। रीता देवी ने आरोप लगाया कि राजस्व विभाग की ओर से मामले में परस्पर विरोधी रिपोर्टें प्रस्तुत की गईं। एक रिपोर्ट में भूमि को खाली बताया गया, जबकि दूसरी में विपक्षी का कब्जा दर्शाया गया। उनका कहना है कि इससे पूरे मामले की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़िता का यह भी आरोप है कि विरोध करने पर उन्हें लगातार धमकियां दी जा रही हैं। उनका दावा है कि विपक्षी की ओर से यह संदेश भिजवाया गया कि 'पूरी तहसील हमारे साथ है, कोई कुछ नहीं कर सकता।' महिला ने कहा कि उनके पास जीपीएस लोकेशन युक्त फोटो, गूगल अर्थ की इमेज और स्थानीय लोगों के शपथपत्र मौजूद हैं, जो उनके दावों का समर्थन करते हैं। महिला ने मुख्यमंत्री से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो विवादित भूमि के खरीदार भविष्य में कानूनी विवाद में फंस सकते हैं और सरकारी भूमि को भी अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है।

एसडीएम बोले, जांच के बाद होगी कार्रवाई

उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज आकाश सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है और मामले की जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या अवैध कजे की पुष्टि होती है तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। किसी भी पक्ष के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा तथा राजस्व अभिलेखों और उपलध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय लिया जाएगा।

दहेज हत्या में फरार सास भी गिरफ्तार, तीनों आरोपी पहुंचे जेल

........शादी के चार माह बाद हुई थी विवाहिता की संदिग्ध मौत, दो लाख रुपये की दहेज मांग और प्रताड़ना का आरोप; मिशन शक्ति टीम की मदद से मिली सफलता ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत हुलास खेड़ा गांव में शादी के महज चार माह बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में मोहनलालगंज पुलिस ने फरार चल रही सास को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इससे पहले पुलिस मृतका के पति और ससुर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज चुकी थी। सास की गिरफ्तारी के साथ ही दहेज हत्या के इस चर्चित मामले के तीनों नामजद आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं। पुलिस के मुताबिक बिजनौर थाना क्षेत्र के परवर पश्चिम निवासी मनोज ने 26 जुलाई को मोहनलालगंज कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि उनकी पुत्री सीमा की शादी 7 मार्च 2026 को हुलासखेड़ा निवासी अमित कुमार से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद पति अमित कुमार, ससुर रामचन्द्र रावत और सास कम दहेज मिलने की बात कहकर सीमा को लगातार प्रताड़ित करते थे और मायके से दो लाख रुपये लाने का दबाव बना रहे थे। इसी बीच 25 जुलाई को सीमा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने दहेज हत्या समेत सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने 28 जुलाई को पति अमित कुमार और ससुर रामचन्द्र रावत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि सास फरार हो गई थी। प्रभारी निरीक्षक रामबाबू सिंह के निर्देशन में गठित पुलिस टीम और मिशन शक्ति टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। गुरुवार को पुलिस ने फरार सास को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि कम दहेज मिलने को लेकर परिवार में अक्सर विवाद होता था और अतिरिक्त रुपये लाने का दबाव बनाया जाता था। हालांकि उसने यह भी कहा कि उसे इस बात का अनुमान नहीं था कि सीमा आत्महत्या जैसा कदम उठा लेगी। प्रभारी निरीक्षक रामबाबू सिंह ने कहा कि दहेज उत्पीड़न और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए फरार अभियुक्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

धान की रोपाई के विवाद में घर में घुसकर मारपीट, कई घायल

........पुरानी रंजिश का भी आरोप, पीड़ित की तहरीर पर छह नामजद समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के जबरौली गांव में धान की रोपाई को लेकर शुरू हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते विपक्षी पक्ष के लोग घर में घुस आए और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट कर दी। घटना में कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जबरौली निवासी ताज मोहम्मद ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनका पुत्र इरफान गांव में धान की रोपाई का कार्य कर रहा था, जबकि दूसरा पुत्र दुकान पर मौजूद था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के कलूटे, उनके पुत्र वहीद व हाशिम, हाशिम का पुत्र आसिफ, हाशिम की पत्नी तथा पुत्रियां जीवन और निखत अन्य लोगों के साथ एक राय होकर दो अगस्त की सुबह करीब छह बजे उनके घर पहुंचे और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार हमले में उनके दोनों पुत्रों और पत्नी को चोटें आईं। घटना के समय वह ड्यूटी पर थे। घर लौटने पर परिजनों ने उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी इससे पहले 13 अप्रैल को भी उनके परिवार के साथ मारपीट कर चुके हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। पुलिस घटनास्थल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

मामले को लेकर क्या बोले मोहनलालगंज कोतवाल

मोहनलालगंज इंस्पेटर रामबाबू सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग को भगाकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

........पीड़िता पहले ही सकुशल बरामद, पॉक्सो एक्ट समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा; आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजा गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में मोहनलालगंज पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने पीड़िता को पहले ही सकुशल बरामद कर लिया था। पुलिस के अनुसार, 31 जुलाई को पीड़िता के परिजनों ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री को रोशन सिंह निवासी आर.के. कॉलोनी, मोहनलालगंज बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने तलाश अभियान चलाकर पहले पीड़िता को सकुशल बरामद किया। इसके बाद गुरुवार को आरोपी रोशन सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। मेडिकल परीक्षण और विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर मामले में दुष्कर्म की धाराएं तथा पॉक्सो अधिनियम भी बढ़ाई गई। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह पीड़िता से शादी करना चाहता था, इसलिए उसे अपने साथ ले गया था। हालांकि पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक रामबाबू सिंह ने बताया कि महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

अदालत का बड़ा फैसला नाबालिग से बलात्कार के मामले में मुय आरोपी सुरेश श्रीवास्तव को 20 साल की कठोर सजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) लखनऊ कुमार प्रशांत ने गुरुवार को विस्तृत फैसला सुनाया। मुख्य अभियुक्त सुरेश श्रीवास्तव (पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मी शंकर श्रीवास्तव, निवासी कनौसी, पोस्ट-मानक नगर, थाना कृष्णानगर, जनपद लखनऊ) को धारा 376, 506 भारतीय दंड संहिता तथा धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत दोषसिद्ध ठहराया गया। अदालत ने उन्हें धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट के अपराध के लिए 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा 50,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने की दशा में एक वर्ष का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। धारा 506 भा.दं.सं. के अपराध के लिए तीन वर्ष का कठोर कारावास तथा 2,000 रुपये अर्थदंड भी निर्धारित किया गया। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। सह-अभियुक्त पवन श्रीवास्तव तथा अभियुक्ता शशि श्रीवास्तव को धारा 376, 506, 120-ख भारतीय दंड संहिता व धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट के सभी आरोपों से संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया गया। यह मामला थाना कृष्णानगर, जनपद लखनऊ से संबंधित है। अभियोग के अनुसार, नाबालिग पीड़िता (जिसकी उम्र घटना के समय लगभग 15 वर्ष थी) के साथ उसके संबंधी सुरेश श्रीवास्तव ने जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता के पिता ओम प्रकाश लाल ने थाना कृष्णानगर में तहरीर दी थी कि सुरेश श्रीवास्तव (जो परिवार का संबंधी है) ने उनकी बेटी के साथ बलात्कार किया और धमकी दी कि यदि किसी को बताया तो परिवार के सदस्यों की जान ले ली जाएगी। घटना में पवन श्रीवास्तव तथा शशि श्रीवास्तव (सुरेश की पत्नी) का भी नाम आया था। पुलिस ने दर्ज किया। बाद में आरोप पत्र दाखिल कर अभियुक्तों पर मुकदमा चलाया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) अभिषेक उपाध्याय तथा अरुण कुमार ने पक्ष रखा। अदालत ने मौखिक साक्ष्यों, दस्तावेजी साक्ष्यों, चिकित्सा रिपोर्ट, डीएनए रिपोर्ट तथा अन्य सबूतों का विस्तृत विश्लेषण किया। पीड़िता के बयान, उसके पिता के बयान, चिकित्सकीय परीक्षण रिपोर्ट तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची कि सुरेश श्रीवास्तव के विरुद्ध धारा 376, 506 भा.दं.सं. तथा धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट का अपराध संदेह से परे सिद्ध होता है। वहीं पवन श्रीवास्तव तथा शशि श्रीवास्तव के विरुद्ध आपराधिक षड्यंत्र (धारा 120-ख) या विशिष्ट कृत्य का पर्याप्त प्रत्यक्ष साक्ष्य न मिलने पर अदालत ने उन्हें संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि केवल संदेह या सामान्य आरोप के आधार पर धारा 120-ख के तहत दोषसिद्धि नहीं की जा सकती। अभियोजन को षड्यंत्र का स्पष्ट एवं ठोस साक्ष्य प्रस्तुत करना अनिवार्य है, जो इस मामले में पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं था।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की गई जान सड़क जाम कर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के टिकरा चौराहे पर कांवड़ यात्रा में शामिल होने आए बेटे को छोड़ने पहुंचे एक व्यक्ति की बुधवार देर शाम सड़क हादसे में मौत के बाद गुरुवार सुबह 10 बजे ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा परिजनों और ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली लगाकर हरगांव-महोली मार्ग जाम करने का प्रयास किया और आरोपी चालक की गिरफ्तारी तथा कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पहाड़पुर निवासी श्रीराम वर्मा (48) पुत्र देवीदीन अपने बेटे अंकित वर्मा को कांवड़ यात्रा में शामिल होने के लिए टिकरा चौराहे तक छोड़ने आए थे। आरोप है कि इसी दौरान काजीकमालपुर की ओर से तेज रफ्तार से आ रही बाइक संख्या क्क 34 रु 6753 के चालक उमेर खां पुत्र मुन्नन, निवासी बसेती ने श्रीराम को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल श्रीराम को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जैसे ही मौत की सूचना गांव पहुंची, परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया गुस्साए ग्रामीण बड़ी संख्या में टिकरा चौराहे पर एकत्र हो गए और ट्रैक्टर-ट्रॉली लगाकर सड़क जाम करने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दुर्घटना के आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। सड़क जाम की सूचना पर क्षेत्राधिकारी महोली नागेंद्र चौबे, इमलिया सुल्तानपुर थाना प्रभारी आशीष तिवारी समेत महोली और इमलिया सुल्तानपुर थानों की भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से वार्ता कर उन्हें शांत कराने का प्रयास शुरू किया। समाचार लिखे जाने तक ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए थे और मौके पर पुलिस बल तैनात था!!

ग्राम शेखवापुर में जर्जर मार्ग बना हादसों का कारण, किसान नेता शुभम रस्तोगी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उठाई आवाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर। ग्राम पंचायत कौवाखेड़ा के अंतर्गत ग्राम शेखवापुर में मेन रोड से राम सिंह के घर तक जाने वाला मार्ग लंबे समय से अत्यंत जर्जर स्थिति में है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और उबड़-खाबड़ रास्ते के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन स्कूली बच्चों का आवागमन होता है और खराब मार्ग के कारण आए दिन बच्चे गिरकर घायल हो जाते हैं। कई राहगीर भी फिसलकर चोटिल हो चुके हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों द्वारा अभी तक रास्ते की मरम्मत या निर्माण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इस गंभीर समस्या को लेकर किसान नेता शुभम रस्तोगी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने आवाज बुलंद की और प्रशासन से तत्काल सड़क निर्माण की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र ही मार्ग का निर्माण नहीं कराया गया, तो जनहित में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि मेन रोड से राम सिंह के घर तक के जर्जर मार्ग का जल्द से जल्द निर्माण कराया जाए, ताकि ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। इस मौके पर ओम प्रकाश, अजय, सलीम, मथुरा, राम नरेश वर्मा, जलालुद्दीन, दीवाना, राम सरन, उदय, लवकुश, मुस्तफा, मो रजा, जाबिर, यूसुफ, दिनेश, कल्लू, मंसादीन, जयनारायण, रमेश, दिनेश, सुरेंद्र, कमलेश, नैमिष आदि लोग उपस्थित रहे।

आरटीई प्रवेश न देने पर बनी जांच टीम डीएम का एक्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में शिक्षा का अधिकार के तहत चयनित छात्र-छात्राओं को प्रवेश न दिए जाने की शिकायतों पर डीएम ने सख्त रुख अपनाया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए नवीन चौक स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल (LPS) की जांच के लिए तीन लोगों की समिति का गठन किया गया है। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि जांच में आरटीई अधिनियम या शासनादेशों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो स्कूल के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर स्कूल की मान्यता रद्द करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। जांच समिति में जिला विकास अधिकारी, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) खैराबाद के वरिष्ठ प्रवक्ता और हरगांव के खंड शिक्षा अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। समिति उपलब्ध अभिलेखों, दस्तावेजों, साक्ष्यों और संबंधित पक्षों के बयान के आधार पर मामले की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच करेगी डीएम ने समिति को निर्देश दिया है कि वह अपनी स्पष्ट संस्तुतियों सहित जांच रिपोर्ट 20 कार्यदिवस के भीतर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध कराए। डीएम ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत पात्र एवं चयनित बच्चों को प्रवेश देना प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय की कानूनी जिम्मेदारी है किसी भी विद्यालय द्वारा प्रवेश प्रक्रिया में अनावश्यक बाधा उत्पन्न करना या अधिनियम के प्रावधानों की अनदेखी करना स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बता दें कि नवीन चौक स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल के प्रबंधक एस.पी. सिंह प्रतापगढ़ से सपा सांसद हैं, जबकि उनकी पत्नी कांती सिंह लखनऊ क्षेत्र से स्नातक एमएलसी रह चुकी हैं। ऐसे में आरटीई के तहत चयनित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को प्रवेश न मिलने की शिकायतों ने स्कूल की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें गठित जांच समिति की रिपोर्ट और जिला प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं!!

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल लहरपुर द्वारा सदस्यता अभियान शिविर का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर, सीतापुर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, लहरपुर द्वारा गुरुवार, 6 अगस्त को मज़ाशाह चौराहे पर सदस्यता अभियान शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में व्यापारियों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और सैकड़ों की संख्या में व्यापारियों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष रियाज अहमद बब्लू ने बताया कि संगठन लगातार व्यापारियों को एक मजबूत मंच से जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान का अगला चरण सोमवार, 10 अगस्त को नगर के शहर बाजार चौराहे पर आयोजित किया जाएगा । उन्होंने सभी व्यापारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर संगठन को मजबूत बनाने की अपील की । इस अवसर पर नगर अध्यक्ष रियाज अहमद बब्लू, उपाध्यक्ष हाशिम अंसारी एवं जावेद अंसारी, कोषाध्यक्ष ओमकार जायसवाल, शमसुल हसन, मो. मुस्तकीम, शियाराम जायसवाल, मो. शुऐब, शरीफ अहमद, रफीउद्दीन मंसूरी सहित संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।